आज का विचार

झुककर जीना सीखना चाहिए, ताकि दूसरों के आशीर्वाद भरे हाथ सहजता से आपके सिर तक पहुंच सके बिना झुके विवाद मिल सकता है पर आशीर्वाद नहीं...

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-211 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अवैध रेत परिवहन शामिल ट्रिपर वाहन जब्त | अम्बिकापुर, सोमवार 26 मई, 2025

पहला कॉलम

12 साल से अनुष्का यादव के साथ रिलेशन में हूं... इस पोस्ट से भड़के लालू यादव, बेटे तेजप्रताप को पार्टी से निकाला

पटना। लालू प्रसाद यादव ने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को राष्ट्रीय जनता दल से ६ साल के लिए निष्कासित कर दिया है। उनको परिवार से भी बेदखल कर दिया है। दरअसल, तेजप्रताप यादव ने कल देर रात सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया था कि वह पिछले १२ साल से अनुष्का नाम की लड़की के साथ रिलेशन में थे।

लालू यादव ने एक्स पर किया पोस्ट - लालू प्रसाद यादव ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे (तेजप्रताप यादव) पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से ६ साल के लिए निष्कासित किया जाता है। अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे, वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सावर्जनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद।

कुछ अलग

एक्सप्रेस-वे पर यौन संबंध बनाने वाले भाजपा नेता का एक और वीडियो वायरल, महिला के साथ नाचते दिखा, आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील के ग्राम बनी के जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनोहरलाल धाकड़ का आपत्तिजनक वीडियो अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए गले की फांस बनता जा रहा है। यह मामला न केवल पार्टी की छवि को प्रभावित कर रहा है, बल्कि प्रशासन और टोल प्रबंधन को भी संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। वायरल हुए सीसीटीवी वीडियो में धाकड़ एक महिला के साथ बेहद आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के सामने आने के बाद न सिर्फ राजनीतिक माहौल गर्म है, बल्कि यह सवाल भी उठ रहा है कि यह फुटेज आठ दिन तक रोका क्यों गया और अचानक २१ मई को कैसे वायरल हुआ। एक्सप्रेस वे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को टोल कर्मचारियों ने ही सोशल मीडिया पर वायरल किया। अब इन्हीं कर्मचारियों पर संदेह जताया जा रहा है कि उन्होंने मनोहरलाल धाकड़ को ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। मांगें पूरी नहीं होने पर वीडियो को वायरल कर दिया। इस एंगल को ध्यान में रखते हुए भानपुरा पुलिस ने टोल पर तैनात कर्मचारियों की सूची मांगी है। एनएचआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वीडियो में आवाज आ रहे तीन अस्थायी कर्मचारियों को हटा दिया है।

खरी-खरी

मंत्री विजय शाह का तीसरा माफीनामा, कहा- भाषाई भूल थी मैं हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं

पीएम आयुष्मान वय-वंदना कार्ड बनाने में छत्तीसगढ़ देश में 5वें स्थान पर

00 राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार जैसे राज्यों से बेहतर स्थिति में है छत्तीसगढ़
00 राज्य के 3 लाख 60 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को मिला पीएम आयुष्मान वय-वंदना कार्ड
00 अक्टूबर 2024 से देश में प्रारंभ वय-वंदना कार्ड पंजीयन में राज्य में नवंबर के बाद तेजी से किया जा राह है कार्य

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुरू की गई पीएम आयुष्मान वय-वंदना योजना से 70 वर्ष व अधिक आयु के नागरिकों को निःशुल्क इलाज मिल रहा है। छत्तीसगढ मे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अगुवाई और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में राज्य के 3 लाख 60 हजार से अधिक 70 वर्ष व अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान वय-वंदना कार्ड बन चुके हैं। इसकी वजह से छत्तीसगढ़ पूरे देश में वय वंदना कार्ड बनाने के मामले में पांचवें स्थान पर पहुँच गया है। इस मामले में राज्य ने राजस्थान, महाराष्ट्र , ओडिशा और बिहार जैसे राज्यों से आगे निकलकर

कीर्तिमान रच दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य के सभी जिलों में विशेष अभियान चलाकर लगातार आयुष्मान वय-वंदना कार्ड बनाए जा रहे हैं। जिससे कि कोई भी पात्र वरिष्ठ नागरिक योजनांतर्गत निःशुल्क इलाज लाभ पाने से वंचित ना रह जाए। जिलों में आयुष्मान वय-वंदना पंजीयन हेतु विभिन्न शासकीय विभागों के अतिरिक्त, सामाजिक संस्थाओं, पेंशनर संथाओं, शियान-सदन, वरिष्ठ-जन कल्याण संघों, वृद्धाश्रमों, निजी आवासीय सोसायटियों, इत्यादि से लगातार संपर्क कर शिविर लगाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, कोई भी व्यक्ति जिसके माता-पिता या अन्य सदस्य यदि 70 वर्ष व अधिक आयु के हैं एवं उनके पास आधार कार्ड उपलब्ध है तो वे नजदीकी शासकीय चिकित्सालय, सी.एम.एच.ओ./ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय या शासकीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता के माध्यम से निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं या टोल फ्री टेलीफोन नंबर 104 पर बात कर अधिक जानकारी ले सकते हैं। व्यक्ति चाहे तो गूगल प्ले स्टोर से आयुष्मान भारत एप व आधार फेस आई.डी. एप डाउनलोड कर आधार वेरीफिकेशन से अपना सामान्य आयुष्मान कार्ड या घर के वरिष्ठ सदस्य का आयुष्मान वय-वंदना कार्ड दोनों पंजीयन स्वयं भी कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि माह अक्टूबर 2024 से देश में प्रारंभ वय-वंदना कार्ड पंजीयन में राज्य में नवंबर के बाद तेजी से कार्य किया जा सका है। राज्य शासन द्वारा 6 जिलों जहां 60 प्रतिशत से अधिक आयुष्मान वय-वंदना कार्ड पंजीयन कवरेज कर लिया गया है, को वय-मित्र जिलों के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसके तहत इन जिलों में वरिष्ठ नागरिकों को जिला अस्पताल व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 'वय-मित्र स्वास्थ्य परीक्षण शिविर' का आयोजन, 'मोबाइल मेडिकल यूनिट' के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन, आयुष्मान-आरोग्य मंदिर में टेली-मेडिसीन व मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग व प्रत्येक बृहस्पतिवार 'सियान-जतन शिविर' का आयोजन, आयुष पद्धति से इलाज की सुविधा, मोतियाबिंद जांच, इत्यादि विशेष स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

20 साल बाद सुकमा के पोलमपाड़ गांव हुआ रोशन, बिजली पहुंचने से ग्रामीण खुश

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित पोलमपाड़ गांव में दशकों बाद फिर से बिजली पहुंची है। अंधेरे में डूबा यह क्षेत्र अब रोशनी से जगमगा उठा है। गांव में बिजली पहुंचने की खुशी में लोगों ने घरों में बल्ब जलाकर एक-दूसरे को मिठाई बांटी और बधाइयां दीं। यह बदलाव पुलिस-प्रशासन और सीआरपीएफ की २२३वीं बटालियन के संयुक्त प्रयासों से संभव हो पाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा का किया जिक्र

00 बस्तर क्षेत्र के बच्चों में साइंस का पैशन, खेल में भी कर रहे हैं कमालः प्रधानमंत्री
00 दंतेवाड़ा में कभी माओवाद चरम पर था, वहां आज शिक्षा का परचम लहरा रहाः प्रधानमंत्री
00 बस्तर क्षेत्र और दंतेवाड़ा के जिक्र पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

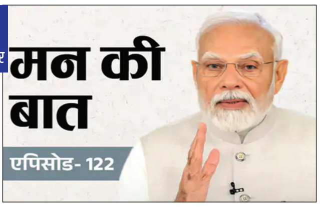

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अपने मन की बात की 122वीं कड़ी में देश के सामने अपनी बातों को रखा। मन की बात की ये कड़ी छत्तीसगढ़ के लिए काफी खास रही। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों की तारीफ करते हुए कहा कि जिस दंतेवाड़ा में कभी माओवाद चरम पर था, वहां आज शिक्षा का परचम लहरा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ में हुए बस्तर ओलंपिक और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में साइंस लैब के बारे मे जिक्र किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों में साइंस का पैशन है और वो खेलों में भी कमाल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बस्तर क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा है कि इस तरह के प्रयासों से पता चलता है कि इन इलाकों में रहने वाले लोग कितने साहसी होते हैं। इन लोगों ने तमाम चुनौतियों के बीच अपने जीवन को बेहतर बनाने की राह चुनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे यह जानकार भी बहुत खुशी हुई कि 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में दंतेवाड़ा जिले के नतीजे बहुत शानदार रहे हैं। करीब पंचानबे (नाइंटी पाइव) प्रतिशत रिजल्ट ये जिला 10वीं के नतीजों में टॉप पर रहा, वहीं 12वीं की परीक्षा में इस जिले ने छत्तीसगढ़ में छठा स्थान हासिल किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से बस्तर क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसे बदलाव हम सभी को गर्व से भर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा मन की बात की 122वीं कड़ी में बस्तर क्षेत्र और दंतेवाड़ा का जिक्र करने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की सरकार प्रधानमंत्री के विकसित भारत के नक्शे कदम पर चल रही है और विकसित छत्तीसगढ़ इस अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाएगा।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान से गर्भवती महिलाओं को मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

00 अभियान की सघन निगरानी हेतु आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं, सभी जिलों के कलेक्टर और स्वास्थ्य अधिकारी उतरे फील्ड में
00 सभी जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व चिन्हांकित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में हर माह 9 और 24 को की जा रही गर्भवती महिलाओं की जांच, हाई रिस्क मामलों की पहचान पर जोर
00 आयोजित अभियान के दौरान कुल 800 से अधिक क्करूस्रू जांच सत्र आयोजित कर लगभग 30 हजार गर्भवती महिलाओं की जांच की गई व 9000 से अधिक उच्च जोखिम महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ प्रदाय किया गया

रायपुर। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत राज्य की गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में राज्य के समस्त जिलों में अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को गर्भवती महिलाओं की जांच व उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की पहचान की जा रही है। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान और समुचित प्रबंधन व चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस अभियान के प्रभावस्वरूप छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2004-06 में राज्य का मातृ मृत्यु अनुपात 335 प्रति एक लाख जीवित जन्म था, जो अब घटकर 132 पर आ गया है। हालांकि यह आंकड़ा अभी भी राष्ट्रीय औसत (93) से अधिक है, जिसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने इस दिशा में और अधिक ठोस और योजनाबद्ध प्रयासों की रूपरेखा तैयार की है।

जिलों से प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत कुल 800 से अधिक सत्रों का सफल आयोजन किया गया। इन सत्रों में से 360 क्करूस्रू सत्रों की निगरानी राज्य तथा जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा प्रभावी रूप से की गई तथा आयोजित सत्रों के दौरान लगभग 30 हजार गर्भवती महिलाओं ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। इनमें से लगभग 9000 से अधिक महिलाएं उच्च जोखिम गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेग्नेंसी) की श्रेणी में चिन्हित की गईं, जिन्हें विशेष चिकित्सकिया देखभाल प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि अधिकांश मातृ मृत्यु के पीछे उच्च जोखिम गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताएं प्रमुख कारण हैं। ऐसे में समय रहते एचआरपी की पहचान, उचित उपचार एवं सतत निगरानी अभियान के प्रमुख उद्देश्य बनाए गए हैं। इस संदर्भ में राज्य के समस्त जिलों में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कलेक्टरों द्वारा अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की समीक्षा के साथ-साथ मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा, ₹हर गर्भवती महिला को सुरक्षित मातृत्व का अधिकार है, और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान इस दिशा में एक सशक्त एवं प्रभावी कदम है। राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है कि छत्तीसगढ़ की हर महिला को सुरक्षित प्रसव की सुविधा मिले। उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान के माध्यम से न केवल प्रसवपूर्व जांच, रक्त की जांच, अल्ट्रासाउंड, वजन एवं रक्तचाप की निगरानी जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं दी जा रही हैं, बल्कि पोषण संबंधी परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं को बड़ा लाभ मिल रहा है। अभियान के दौरान अब तक हजारों महिलाओं को लाभ मिला है, जिनमें से कई उच्च जोखिम गर्भावस्था की समय रहते पहचान होने से समुचित उपचार प्राप्त कर सकीं। राज्य सरकार का मानना है कि यदि इस पहल का धरातल पर बेहतर व सुचारु क्रियान्वयन किया जाए तो छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु दर को राष्ट्रीय औसत से भी नीचे लाया जा सकता है। अभियान की सघन निगरानी सुनिश्चित करने हेतु सभी जिला कलेक्टरों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रत्येक अस्पताल की गुणवत्ता की निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी गर्भवती महिलाओं को समय पर समुचित सेवाएं प्राप्त हों। छत्तीसगढ़ सरकार मातृत्व स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कटिबद्ध है।

पहला कालम

रूस का आरोप- यूक्रेन पुतिन की हत्या करना चाहता था:राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर पर 46 ड्रोन दागे, रूसी डिफेंस ने मार गिराए

नई दिल्ली। रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का हेलिकॉप्टर गिराने की कोशिश की। रूसी वायु सेना के मेजर जनरल यूरी डैशकिन के मुताबिक पुतिन २० मई को कुर्स्क के दौरे पर गए थे। डैशकिन ने बताया कि इस दौरान यूक्रेनी एयरफोर्स ने पुतिन के हेलिकॉप्टर पर ४६ ड्रोन से हमला किया लेकिन हमने सभी ड्रोन मार गिराया। डैशकिन ने कहा- हमने एक साथ कई ड्रोन का मुकाबला किया और राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर की सुरक्षा सुनिश्चित की।कुर्स्क वही जगह है जहां पिछले साल अगस्त में यूक्रेन की सेना ने अचानक हमला किया था और ११०० वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। यह हमला इसलिए बहुत खास था, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार किसी विदेशी सेना ने रूस की जमीन पर हमला किया था। पुतिन ने इस इलाके का दौरा करते हुए कहा था कि अब इस जमीन पर फिर से रूस का कब्जा हो गया है। उन्होंने यहां पर बारूदी सुरंगें हटाने के लिए और सैनिक भेजने का आदेश भी दिया था, ताकि लोग अपने घर वापस लौट सकें। हालांकि, यूक्रेन का कहना है कि उसकी सेना अब भी उस इलाके में डटी हुई है और लड़ाई जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सेना कुर्स्क और बेलगोरोड जैसे इलाकों में रूस के खिलाफ अभियान चला रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने २० मई को कुर्स्क का दौरा किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने २० मई को कुर्स्क का दौरा किया था। यूक्रेन पर ३ साल में सबसे बड़ा रूसी हमला, २९८ ड्रोन दागे रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर ३ साल में सबसे बड़ा हमला किया। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक रूस ने कीव पर ३६७ हथियारों से हमले किए।

इसमें ९ बैलिस्टिक मिसाइलें, ६० क्रूज मिसाइलें और २९८ ड्रोन थे। एयरफोर्स ने दावा किया कि वे २६६ ड्रोन और ४५ मिसाइलों को मार गिराने में सफल रहे। हालांकि इस हमले में तीन बच्चों समेत १३ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए।

रायपुर में महाराष्ट्र और हिमाचल ब्रांड की शराब जब्त, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। शहर में महाराष्ट्र और हिमाचल ब्रांड की शराब जब्त किया गया है, आबकारी सचिव मुकेश बंसल एवम आबकारी आयुक्त सह प्रबन्ध निदेशक सी एस एम सी एल श्यामलाल धावड़े के निर्देश एवम उपायुक्त आबकारी रामकृष्ण मिश्रा के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा ताबड़तोड़ कार्यवाही की गई, अलग-अलग प्रकरणों में कुल ७० लीटर शराब जप्त कर ०३ आरोपियों को जेल दाखिल किया गया ।

कालीघाट के पास अवैध अतिक्रमण हटाने एनएच 43 पर घंटे भर चक्काजाम

तहसीलदार के लिखित आश्वासन पर बहाल हुआ आवागमन

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण करके कबाड़ का व्यवसाय किए जाने के मामले में शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने रविवार को करीब घंटे भर एनएच ४३ पर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम की वजह से यात्रियों को धूप और उमस में परेशानी का सामना करना पड़ गया। अंबिकापुर तहसीलदार द्वारा तीन दिनों के भीतर कार्यवाही का लिखित आश्वासन दिए जाने पर आंदोलन को समाप्त किया गया। गौरतलब है कि पिछले दिनों २७ व २९ मार्च को अंबिकापुर कलेक्टर को दिए ज्ञापन में युवक कांग्रेस भटगांव विधानसभा के अध्यक्ष विक्की समद्दार ने उल्लेख किया था कि दीपक कुमार जायसवाल द्वारा ग्राम पंचायत अजिरमा कालीघाट अम्बिकापुर में

शासकीय भूमि खसरा नंबर १९९ पर जबरन अवैध रूप से अतिक्रमण कर कबाड़ का अवैध कारोबार किया जा रहा है। जिस पर उक्त अवैध अतिक्रमण को अविलंब हटाते हुए कार्यवाही किए जाने की मांग की गई थी। जिस पर नायब तहसीलदार अंबिकापुर-२ द्वारा उक्त शासकीय भूमि से अवैध कब्जा को हटाए जाने के संबंध में बेदखली आदेश २ अप्रैल २०२५ को जारी कर १२ अप्रैल तक पूर्ण रूप से उक्त शासकीय भूमि से कब्जा हटाने का निर्देश दिया गया था। बावजूद इसके आज तक उक्त शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया नहीं गया है। इसी बात से नाराज ग्रामीणों द्वारा पूर्व में शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किए जाने की सूचना भी अंबिकापुर प्रशासन को दी गई थी। इसी तारतम्य में निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को सुबह पौने बारह बजे से युवक कांग्रेस भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार के नेतृत्व में ग्रामीणों द्वारा कालीघाट के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक ४३ पर चक्काजाम कर दिया गया। करीब घंटे भर एनएच ४३ पर चक्काजाम की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी व गांधीनगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच लोगों को समझाइश दिया। लंबे समय तक तक चली समझाइश की प्रक्रिया उपरांत भी ग्रामीणों ने अपना आंदोलन बरकरार रखा। अंततः तहसीलदार अंबिकापुर उमेश्वर सिंह बाज द्वारा तीन दिनों के भीतर उक्त अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने संबंधी लिखित आश्वासन दिए जाने के उपरांत ग्रामीणों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया। प्रशासन की ओर से दी गई तीन दिन की समय सीमा पर अब सभी की नजरें टिकी हैं। चक्काजाम के कारण नेशनल हाइवे-४३ पर घंटे भर यातायात बाधित रहा। अंबिकापुर से मनेंद्रगढ़ और अन्य क्षेत्रों की ओर जाने वाले वाहन सड़क पर फंस गए थे। यात्रियों को भी गर्मी और उमस में भारी असुविधा का सामना करना पड़ा और वाहनों की सड़क के दोनों ओर लंबी कतार लग गई थी।पुलिस ने यातायात को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शन समाप्त होने के बाद ही स्थिति सामान्य हो सकी। चक्काजाम करने वालों में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार समेत एनएसयूआई प्रदेश सचिव कुंदन विश्वकर्मा, अभय लकड़ा, अनिल यादव, भीमा सिंह, अभय खराती, आकाश मंडल मिक्का, अजित बेक, अभय मित्रा, अरुण टोप्पो, आयुष मिर्धा, राहुल दास, विपिन चौधरी, सूरज चौधरी, अशोक यादव, सोनू मंडल, सोनू केरकेट्टा, कृपा शंकर व अन्य मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद की भावना के साथ कार्य कर रही-भानु प्रकाश दीक्षित

भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता के नेतृत्व में प्रथम कार्य समिति की हुई बैठक

रामानुजगंज।(अम्बिकावाणी समाचार)। भारतीय जनता पार्टी मंडल सनवाल के कार्यकारणी विस्तार के बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता के नेतृत्व में प्रथम कार्य समिति की बैठक व नवगठित मंडल के पदाधिकारी का परिचय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय दुर्गा मंदिर प्रांगण में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जनपद पंचायत बलरामपुर के पूर्व उपाध्यक्ष भानु प्रकाश दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान भाजयुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष बलवंत सिंह, जिला पंचायत के सभापति मुंशी राम, जनपद पंचायत अध्यक्ष मुंद्रिका सिंह सहित भाजपा मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भानु प्रकाश दीक्षित ने भाजपा मंडल सनवाल के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक दल के आप पदाधिकारी बने हैं यह आप सबके लिए गर्व की बात है।

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद की भावना के साथ कार्य कर रहा है। भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक विकास कार्य समाज के सभी वर्गों के लिए हो रहे हैं आज भारत का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता ने भाजपा मंडल के प्रथम सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम सब मंडल पदाधिकारी भारतीय जनता पार्टी के नीति सिद्धांतों के अनुसार कार्य करते हुए हर एक घर तक केंद्र सरकार की एवं राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचना हमारा पहला लक्ष्य है। समय-समय पर भाजपा प्रदेश एवं जिला से जो भी निर्देश मिलेगा उसका हम सबको पालन करते हुवे संगठन के मजबूती एवं विस्तार के लिए कार्य करना है।

भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष बलवंत सिंह ने भी संबोधित करते हुए सभी नवनियुक्त भाजपा मंडल के पदाधिकारी को बधाई देते हुए संगठन के मजबूती के लिए कार्य करने का आह्वान किया।इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष सुखदेव सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामचरित्र सोनवानी,अभिषेक सिंह जसवंत सिंह,धर्मजीत सिंह सहित मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बरसते पानी के बीच निकाली गई तिरंगा यात्रा

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया इस ऑपरेशन सिंदूर की सफलता व सैनिकों के सम्मान में उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा दुर्गा मंडप प्रांगण से रेस्ट हाउस तक निकाली गई। तिरंगा यात्रा में लोगों का उत्साह देखते बन बरसते पानी के बीच देश भक्ति के भावना से ओत प्रोत होकर तिरंगा यात्रा निकली।इस दौरन भारत माता के जयकारे जमकर लगाए गए।

अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर सेजेस जयनगर में नारी सशक्तिकरण का मिला प्रेरणास्रोत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। पीएम श्री सेजेस जयनगर में समाज सुधारिका और महिला सशक्तिकरण की मिसाल राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल उनके जीवन व कार्यों को याद करना था, बल्कि नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ना भी था। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय प्रांगण में दीप प्रज्वलन और अहिल्याबाई जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद जैसे ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आरंभ हुई, विद्यार्थियों की प्रतिभा और जोश ने सबका मन मोह लिया। चित्रकला, निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिताओं के जरिए बच्चों ने अहिल्याबाई के व्यक्तित्व और समाज में उनके योगदान को सजीव कर दिया। किसी ने चित्र के माध्यम से उनके न्यायप्रिय और करुणामयी शासन को उकेरा, तो किसी ने शब्दों के माध्यम से उनकी सोच और कार्यशैली को रेखांकित किया।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शांतनु सिंह चौहान,

सदस्य जाहिद, विनोद बिंझिया, देवशरण सिंह, आरक्षक कमलेश, विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र जायसवाल एवं सभी शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता अमृता सिंह द्वारा किया गया। सम्मान समारोह में प्राचार्य द्वारा प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसएमडीसी अध्यक्ष शांतनु सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर केवल एक शासिका नहीं थीं, वे न्याय, करुणा, धर्म और सेवा की विचार थीं। उनका जीवन आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक है। विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र जायसवाल ने कहा कि एक शिक्षित नारी न केवल अपने परिवार को दिशा देती है, बल्कि समाज को बदलने की शक्ति रखती है। अहिल्याबाई ने यह कर दिखाया था कि नारी भी कुशल प्रशासक और समाज सुधारक बन सकती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर ने न केवल विद्यालय परिसर को गौरवमयी बनाया, बल्कि विद्यार्थियों के मन में नारी सशक्तिकरण, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की नई चेतना भी जागृत की।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाया शमा परवीन ने

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)। नगर वार्ड क्रमांक २ निवासी जेके निजाम की पुत्री शमा परवीन ने अपने अद्भुत कौशल से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। आर्ट में इतिहास रचते हुए उन्होंने मात्र ५२ सेकंड में एट पेटल्स बनाकर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रथम स्थान हासिल किया।शमा को इस उपलब्धि के लिए शमा को विगत दिनों मुंबई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गोल्ड मेडल, अवार्ड व सर्टिफिकेट प प्रदान किया गया।उसने कीर्तिमान स्थापित किया है। शुरू से मेधावी रही शमा के इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों एवं शुभचिंतकों ने बधाई दी।

फुफेरे भाई ने किया दुष्कर्म,हुआ गिरफ्तार

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। दुष्कर्म के मामले में थाना बतौली पुलिस द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता के फुफेरा भाई द्वारा घटना को दिया गया अंजाम दिया गया था।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया द्वारा थाना उपस्थित आकर इस आशय का रिपोर्ट दर्ज कराया गया है। कि उसकी पीड़िता चचेरी बहन पढ़ाई छोड़कर घर में ही अपने दादा-दादी के साथ रहती है, उसके द्वारा बताया गया कि माह मार्च २०२५ में उसकी पीड़िता चचेरी बहन अपने भाभी के साथ थाना बतौली क्षेत्रान्तंगत स्थित गांव गई हुई थी, साथ में उसका आरोपी फुफेरा भाई भी गया हुआ था। आरोपी फुफेरा भाई द्वारा रात्रि

करीब ०९ बजे लगभग पीड़िता को बोला कि चलो घर से बाहर कहीं घूम के आते हैं। आरोपी द्वारा पीड़िता को घुमाने ले जाने के बहाने घर से करीब १०० मीटर की दूरी पर कुंआ स्थित खेत पर ले गया। जहां आरोपी फुफेरा भाई द्वारा पीड़िता के साथ कई बार दुष्कर्म को अंजाम दिया गया है।

उसके बाद हाल ही में आरोपी फुफेरा भाई के द्वारा पुनः पीड़िता को गलत काम करने के लिए बोला जिससे पीड़िता काफी परेशान है। प्रार्थिया के रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपी जय मिंज उर्फ छोटे भंटा उर्फ नटवा, उम्र १९ वर्ष निवासी कांतिप्रकाशपुर, नहरपारा थाना कोतवाली अम्बिकापुर को तलब कर पूछताछ किया गया जो घटना कारित करना स्वीकार किया। जिसके विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही/गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बतौली उनि सी.पी.तिवारी, उनि रम्भा साहू, सउनि संजय गुप्ता, प्रआर देवेन्द्र सिंह, आरक्षक राजेश खलखो, विजय, संतोष बरवा, भगलू राम, महिला आरक्षक मेरी क्लॉरिट, पूनम इत्यादि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रूस ने अमेरिकी हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक चुराई..

वॉशिंगटनः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर अमेरिकी हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक चुराने का आरोप लगाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सैन्य दीक्षांत समारोह के दौरान ये बात कही। उन्होंने कहा, आज यहां आट कैडेटों ने अपना खुद का हाइपरसोनिक रॉकेट डिजाइन करने की चुनौती ली। हम अभी उन्हें बना रहे हैं। हमारा रॉकेट चुराया गया था। हम इसके डिजाइनर हैं। ओबामा प्रशासन के दौरान इसे चुरा लिया गया था। वेस्ट पॉइंट के मिची स्टेडियम में बोलते हुए ट्रंप ने रूस पर इसे चोरी करने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'कुछ बुरा हुआ, रूसियों ने इसे चुरा लिया। लेकिन अब हम उन्हें बना रहे हैं, बहुत सारे।' इस दौरान उन्होंने अमेरिकी सैन्य अकादमी में स्नातक कैडेटों से कहा कि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका के सशस्त्र बलों का पुनर्निर्माण किया था। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना को राष्ट्रीय रक्षा के अपने मूल मिशन पर वापस लौटना चाहिए।अमेरिकी सेना को बताया सबसे शक्तिशाली कैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप दुनिया की अब तक की सबसे महान और सबसे शक्तिशाली सेना के अधिकारी बनेंगे और मैं जानता हूं, क्योंकि मैने उस सेना का पुनर्निर्माण किया था। हमने अपने पहले कार्यकाल में इसे इस तरह से पुनर्निर्मित किया जैसा पहले किसी ने भी नहीं किया।

1971 की जंग में कराची पर हमले में रॉ के जासूसों की क्या थी भूमिका

नई दिल्ली। सन १९७१ में भारत और पाकिस्तान की लड़ाई शुरू होने से करीब दो महीने पहले दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी जिसमें तत्कालीन रक्षा मंत्री जगजीवन राम, नौसेनाध्यक्ष एडमिरल एसएम नंदा और भारतीय खुफिया एंजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के प्रमुख रामनाथ काव शामिल हुए थे.भारतीय नौसेना को खुफिया सूचना मिली कि पाकिस्तान ने कराची बंदरगाह पर एक अत्याधुनिक नौसैनिक सर्विलांस सिस्टम लगाया है.एडमिरल नंदा ने काव से पूछा कि क्या आप अपने सूत्रों से इस बारे में और सूचनाएं उपलब्ध करा सकते हैं?काव को अंदाजा था कि उन्हें पाकिस्तानी सर्विलांस सिस्टम की क्षमताओं को जाँचने के लिए वहाँ की तस्वीरों की जरूरत होगी. इस तरह की जानकारी मामूली जासूस नहीं जमा कर सकते थे. इसके लिए स्पेशल एक्सपर्ट जासूसों की जरूरत थी.पाँच दिन बाद उस एजेंट ने नायर से संपर्क कर उन्हें अपना प्लान बताया और ये भी कहा कि वो एक ऐसे शख़्स को जानता है जो इसमें मददगार हो सकता है. नायर इस योजना को अंतिम रूप देने के लिए खुद बंबई गए.नायर अपनी आत्मकथा 'इनसाइड आईबी एंड रॉ, द रोलिंग स्टोन दैट गैदर्ड मास' में लिखते हैं, ₹मुझे मेरे बंबई के एजेंट ने बताया कि इस काम में मेरी मदद वहाँ रहने वाले पारसी डॉक्टर कावसजी कर सकते थे, जो काम के सिलसिले में अपने जहाज से कुवैत होते हुए पाकिस्तान जाया करते हैं.दिलचस्प बात है कि ये किसी को नहीं पता कि कावसजी के जहाज को पाकिस्तानी अपने बंदरगाह पर क्यों और कैसे आने देते थे.उनके अनुसार, ₹इसकी वजह शायद ये थी कि कावसजी का परिवार १८८० के दशक से शिपिंग के कारोबार में था, वे कराची पोर्ट से ऑपरेट करते थे, उनका परिवार भी कराची में रहता था, देश के विभाजन के बाद भी इस समृद्ध पारसी परिवार के लोग कराची में भी थे और बंबई में भी.दो महीने पहले कावसजी एक मुसीबत में फंस गए थे जब बंबई के कस्टम अधिकारियों ने उनके जहाज पर अघोषित माल पकड़ लिया था. अब उनके खिलाफ कस्टम की एक जाँच चल रही थी. संभावना थी कि डॉक्टर को इसके लिए एक बड़ा जुमार्ना देना पड़ेगा. मुझे पता था कि मुझे क्या करना है.बंबई कस्टम का प्रमुख संकरन नायर का दोस्त था. उन्होंने फोन उठाकर उनका नंबर डायल किया. सामान्य शिष्टाचार के बाद नायर ने उन्हें अपनी समस्या बताई.१० मिनट बाद तय हो गया कि रॉ अपने गुप्त फंड से डॉक्टर पर लगाए जाने वाले जुमार्ने की रकम अदा करेगा और कस्टम विभाग एक पत्र के जरिए बताएगा कि डॉक्टर के खिलाफ मामला खत्म हो गया है.उस पत्र के साथ नायर अपने दो भरोसेमंद जासूसों को लेकर डॉक्टर कावसजी के डीएन रोड स्थित क्लीनिक पर गए.उन्होंने भारतीय नौसेना के कमांडर मेनन के तौर पर अपना परिचय कराया. उन्होंने डॉक्टर से कहा, ₹मैं आपको कस्टम विभाग का ये पत्र दे सकता हूँ जिसमें लिखा है कि आपके खिलाफ मामला वापस ले लिया गया है, बशर्ते आप मेरा एक छोटा सा काम कर दें.कमांडर मेनन बने संकरन नायर ने डॉक्टर से कहा, ₹आप इसके लिए मना भी कर सकते हैं. उस स्थिति में मैं इस पत्र को जला दूँगा और आप के खिलाफ जाँच शुरू हो जाएगी.डॉक्टर कावसजी को अंदाजा हो गया कि उनके पास नायर के प्रस्ताव को मानने के सिवा और कोई विकल्प नहीं है.अनुषा नंदाकुमार और संदीप साकेत अपनी किताब 'द वॉर दैट मेड आर एंड ए डब्ल्यू' में लिखते हैं, ₹डॉक्टर कावसजी ने नायर से कहा आप मुझसे क्या चाहते हैं? नायर ने कहा कि आप पाकिस्तान की अपनी अगली यात्रा पर अपने जहाज में मेरे दो आदमी लेकर जाएंगे. ये यात्रा दो दिन बाद शुरू होगी. डॉक्टर ने उनसे पूछा कम से कम मुझे उन लोगों के नाम तो बता दीजिए. नायर ने कहा कि उनका नाम 'रॉड' और 'मॉरियार्टी' है. उनका असली नाम राव और मूर्ति था. राव नायर के नेवल असिस्टेंट थे जबकि मूर्ति रॉ के फोटोग्राफी विभाग के विशेषज्ञ थे.दो दिन बाद योजना के अनुसार कावसजी अपने दो नए साथियों 'रॉड' और 'मॉरियार्टी' के साथ पानी के छोटे जहाज से कराची के लिए रवाना हुए. पाकिस्तानी जल क्षेत्र में घुसने तक कोई खास घटना नहीं हुई.अनुषा और संदीप अपनी किताब में लिखते हैं, तब तक पाकिस्तानियों को पता चल चुका था कि भारत ने एक नई खुफिया एजेंसी बनाई है जिसमें साहसी और मुश्किल मिशन पूरा करने की क्षमता है. उनको अब तक नई एजेंसी का नाम पता नहीं चल पाया था.जैसे ही कावसजी का जहाज कराची बंदरगाह पर लगा पाकिस्तानी सीआईडी के इंस्पेक्टर अपने दो साथियों के साथ उनके जहाज पर चढ़ गए.

खबर का असर- नशे में धुत पंचायत सचिव, प्रशासन ने दिखाई सख्ती, नोटिस जारी

नशे में चूर पंचायत सचिव, ठप पड़ा नवापारा का विकास कार्य, प्रशासन की चुप्पी पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कहा- जब सचिव ही लड़खड़ाएगा तो विकास कैसे चलेगा?

कोरबा अम्बिकावाणी- जिले की पौड़ी उपरोड़ा ग्राम पंचायत में पदस्थ एक सचिव का नशे की हालत में वायरल हुआ वीडियो इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अम्बिकावाणी में खबर प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है और संबंधित सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, पंचायत सचिव की कार्यशैली को लेकर लंबे समय से असंतोष था। सचिव पर विकास योजनाओं में लापरवाही बरतने, कार्य में उदासीनता और मनमानी करने जैसे आरोप पहले भी लगते रहे हैं, लेकिन हाल ही में सामने आए वीडियो ने इस असंतोष को सार्वजनिक कर दिया। वायरल वीडियो में सचिव नशे की हालत में नजर आ रहे हैं, जो न केवल सरकारी सेवा की गरिमा को ठेस पहुंचाता है बल्कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सचिव को दो दिनों के भीतर उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय पर संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ, तो सचिव के विरुद्ध निलंबन अथवा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गांव के दुकानदार बने मजदूर, बिना योजना के हुए निर्माण कार्य, 60-70 लाख रुपये के गबन की आशंका, निष्पक्ष जांच की मांग लेकर उठी आवाज

पैसे देकर अफसर खरीद लेता हूं- जामपानी के रोजगार सहायक

कोरबा अम्बिकावाणी- जनपद पंचायत करतला की ग्राम पंचायत जामपानी में पदस्थ रोजगार सहायक बुधवार पटेल की मनमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ ग्रामीणों ने एकजुट होकर मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि रोजगार सहायक द्वारा मनरेगा सहित अन्य योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितता की गई है और सरकारी राशि का दुरुपयोग कर अपनों को लाभ पहुंचाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब भी पंचायत क्षेत्रवासी किसी कार्य की मांग करते हैं, तो रोजगार सहायक टालमटोल करता है और केवल अपने चहेते लोगों से ही कार्य करवाता है। योजनाओं में स्वीकृत स्थल के नक्शा-खसरा को बदलकर कार्य दूसरी जगह कराया जाता है। उदाहरण स्वरूप, लगभग १० लाख ८६ हजार रुपये की लागत से बड़े झाड़ के जंगल में तालाब निर्माण कराया गया, जहां लगभग १००० से अधिक पेड़ों की अवैध कटाई की गई, जिसमें सरई, साजा, धवड़ा, बिजरा जैसे प्रजातियों के पेड़ शामिल हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस कार्य के लिए वन विभाग से कोई अनुमति भी नहीं ली गई। तालाब गहरीकरण के नाम पर केवल मेंढ पार खुदवाया गया जबकि अमृत लाल केंवटा की डबरी भी बिना योजना के जंगल में खोदी गई। इसी तरह कन्हैया लाल पटेल के समतलीकरण कार्य में केवल २० गड्ढे खोदकर कार्य पूर्ण बता दिया गया। जयलाल पटेल की डबरी भी दूसरी जगह बनाई गई जबकि परसराम पटेल की जमीन पर अधूरा समतलीकरण कर भुगतान कर दिया गया। असली मजदूरों को मजदूरी नहीं मिली, जबकि कई ऐसे नामों पर भुगतान हुआ है जो घर बैठे हैं। पशु शेड योजना में भी भारी गड़बड़ी उजागर हुई है। जिन घरों में मवेशी नहीं हैं, वहां पशु शेड बना दिया गया है, और जिनके पास मवेशी हैं, वे वंचित रह गए हैं। प्रत्येक शेड निर्माण के एवज में हितग्राहियों से ५,००० रुपये की अवैध वसूली की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते पांच वर्षों में ऐसे कई कार्य किए गए हैं जिनकी हकीकत केवल कागजों तक सीमित है। मस्टर रोल में फर्जी हाजिरी दर्ज कर राशि का गबन किया गया है। नरमदा प्रसाद पटेल को ९० दिन और हिमेंद्र कुमार को ६० दिन की मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ है, जबकि लगभग ५०-६० अन्य ग्रामीण भी भुगतान से वंचित हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में की गई शिकायत पर एसडीओ जांच टीम आई थी और भ्रष्टाचार की पुष्टि के बाद एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार सहायक बुधवार पटेल खुलेआम कहता है कि च्मैं पैसे देकर अधिकारियों को खरीद लेता हूं, तुम लोग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते।ज्ञ ग्रामीणों ने यह भी बताया कि देवप्रसाद पटेल, जनबाई, उषाबाई, महावीर, मनमोहन पटेल, रामरतन पटेल, कांति पटेल, दीपक पटेल, दिनेश पटेल, सुद्रा यादव, फूलबाई यादव, ओमकुमार पटेल, शिवकुमारी मांझवार सहित कई रिश्तेदारों और जानकारों के खातों में लाखों रुपये डाले गए हैं। इनमें से कई लोग गांव में किराना, बर्तन और कपड़ा की दुकानें चलाते हैं, जिससे स्पष्ट है कि वे श्रमिक नहीं हैं और फर्जी तरीके से मजदूरी प्राप्त कर रहे हैं।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि रोजगार सहायक के खिलाफ निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जाए, बीते पांच वर्षों के मस्टर रोल, बैंक खातों और सभी योजनाओं का लेखा-जोखा खंगाला जाए ताकि ६० से ७० लाख रुपये के घोटाले का पदार्फाश हो सके और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

चिमनीभट्ठा मोहल्ले में जप्त किए गए १२ टुल्लू पम्प

कोरबा अम्बिकावाणी - नलों में टुल्लू पंप लगाकर पेयजल की सुचारू व्यवस्था में बाधक बनने वालों पर निगम ने कार्यवाही करते हुए वार्ड क्र. १४ चिमनीभट्ठा में १२ टुल्लू पंप की जप्ती आज फिर की है तथा संबंधितों को चेतावनी दी है कि वह दोबारा टुल्लू पंप न लगाये अन्यथा और अधिक कड़ी कार्रवाई होगी, अर्थदंड भी लगेगा तथा नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही भी की जाएगी। यहां उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा नियमित रूप से सुबह शाम दिन में दो बार शुद्ध पेयजल की आपूर्ति वितरण पाईप लाईन व नल कनेक्शन के माध्यम से निगम क्षेत्र के वार्ड व बस्तियों में की जाती है, निगम का प्रयास रहता है कि सभी घरों में पर्याप्त रूप से पानी पहुंचे तथा नागरिकों को पेयजल को लेकर किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े , किंतु कतिपय लोगों द्वारा अपने नल कनेक्शन में टुल्लू पंप लगाकर अपने घरों में ज्यादा पानी खींचा जाता है , जिससे अन्य लोगों के घरों में पानी का प्रेशर कम हो जाता है तथा उन्हें आवश्यकता के अनुरूप पानी नहीं मिल पाता है, इस दिशा में आवश्यक कदम उठाते हुए निगम के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा बस्तियों में भ्रमण कर निरीक्षण किया जा रहा है तथा जिन लोगों द्वारा टुल्लू पम्प लगाकर पानी खींचा जा रहा है, उनके टुल्लू पम्पों को जप्त करने की कार्यवाही की जा रही है। शुक्रवार को वार्ड क्र. ०६ करामत अली गली में ०८ नग टुल्लू पंप जप्त किए गए थे, इसी कड़ी में आज निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने वार्ड क्र. १४ चिमनीभट्ठा मोहल्ले में १२ नग टुल्लू पम्प जप्त किए।

नियमित की जा रही पर जल शुद्धता की जांच - नगर निगम कोरबा के पेयजल विभाग के द्वारा संपूर्ण निगम क्षेत्र के विभिन्न निर्धारित प्वाइंटों पर नियमित रूप से पेयजल शुद्धता की जांच की जा रही है इस हेतु विभिन्न बस्तियों में बिछाई गई पेयजल वितरण पाइपलाइन के विभिन्न प्वाइंटों से पानी के नमूने लेकर उनका मौके पर ही वैज्ञानिक रूप से परीक्षण किया जा रहा है तथा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आपूर्त किए जाने वाले पेयजल की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप हो ।

चाकाबुड़ा पंचायत सचिव के खिलाफ सरपंच व पंचों का मोर्चा, सचिव बदलने की मांग लेकर कलेक्टर पहुंचे

कोरबा अम्बिकावाणी- जनपद पंचायत कटघोरा अंतर्गत ग्राम पंचायत चाकाबुड़ा में सचिव रजनी सूर्यवंशी के खिलाफ सरपंच और पंचों ने नाराजगी जताते हुए उन्हें हटाने की मांग की है। सरपंच उमा बाई के नेतृत्व में ग्राम पंचायत के पंचों और ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से सचिव को बदलने की मांग की है।

सरपंच उमा बाई का कहना है कि वर्तमान सचिव रजनी सूर्यवंशी का व्यवहार ग्रामीणों के प्रति अभद्र है, साथ ही वह एक साथ तीन पंचायतों का प्रभार संभाल रही हैं, जिसके कारण चाकाबुड़ा पंचायत में उनका आना-जाना बहुत कम होता है। इससे प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन, जन्म प्रमाण पत्र जैसी जरूरी शासकीय योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को समय पर नहीं मिल पा रहा है।

पंचायत विकास कार्य भी ठप पड़ा हुआ है। सरपंच व पंचगणों ने मांग की है कि चाकाबुड़ा ग्राम पंचायत को एक नया सचिव नियुक्त किया जाए, ताकि पंचायत में विकास कार्यों की गति बढ़े और ग्रामीणों को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।

सीईओ का बयान-

जनपद पंचायत कटघोरा के सीईओ यशपाल सिंह ने बताया कि सचिव के खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर रिपोर्ट जिला कार्यालय भेज दी गई है। जांच प्रक्रिया जारी है और रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कोरबा में 36.83 करोड़ की वॉटर सप्लाई स्कीम प्रस्तावित, डीएमएफ से स्वीकृति प्रक्रियाधीन

कोरबा अम्बिकावाणी- नगर निगम क्षेत्र में पेयजल संकट से निपटने और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ३६.८३ करोड़ रुपये की इम्प्रूवमेंट टू कोरबा वॉटर सप्लाई स्कीम का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह योजना जिला खनिज न्यास से स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन है। कलेक्टर अजीत वसंत ने कोहड़िया जल उपचार संयंत्र पहुंचकर योजना से जुड़े कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। नगर निगम क्षेत्र में कई टेल एरिया और बस्तियों में पानी की आपूर्ति या दबाव कम है। इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु यह स्कीम तैयार की गई है, जिसकी मदद से दादरखुर्द, भिलाईखुर्द, रूमगरा, पीएम आवास योजना दादर समेत करीब २० इलाकों में पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

योजना की प्रमुख बातें-

पुराने ६ रूरुष्ठ संयंत्र की जगह २० रूरुष्ठ ट्रीटमेंट प्लांट, लागत ९.२४ करोड़, १५ किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी, अनुमानित व्यय १५.७२ करोड़, ओवरहेड टैंक निर्माण (दादरखुर्द, भिलाईखुर्द, रूमगरा में), लागत ९.८७ करोड़, पंप व मशीनरी, लागत ४५.५ लाख, नगर निगम ने नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से योजना को लेकर सुझाव मांगे हैं, जिन्हें निगम कार्यालय या कलेक्ट्रेट में प्रस्तुत किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान निगम प्रभारी आयुक्त विनय मिश्रा, एसई सुरेश बरूवा, ईई राकेश मसीह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम आवास पर जोर, लेकिन आवास मित्रों को मानदेय का इंतजार, छह माह से लंबित भुगतान, फील्ड में काम करने में आ रही दिक्कतें

कोरबा अम्बिकावाणी- जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीब परिवारों को पक्का मकान दिलाने प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। कलेक्टर से लेकर पंचायत सचिव और आवास मित्रों तक की बैठकें लगातार हो रही हैं ताकि योजना को गति मिल सके। वहीं आवास मित्रों ने भी बताया कि वे शत-प्रतिशत प्रयासरत हैं कि सभी स्वीकृत आवास तय समय में पूर्ण हो जाएं।

लेकिन इस योजना को गति देने वाले आवास मित्र स्वयं आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। नवंबर २०२४ में जिले में क्लस्टर वाइज आवास मित्रों की भर्ती की गई थी। शासन द्वारा तय मानदेय के अनुसार, लेआउट पर ३०० रुपये, छत ढलाई पर ३०० रुपये और प्लास्टर-पुताई पर ४०० रुपये दिए जाने थे। साथ ही निर्देश था कि १२ माह के भीतर निर्माण पूर्ण नहीं होने पर १०० रुपये की कटौती की जाएगी। हालांकि, भर्ती के छह महीने बाद भी अधिकांश आवास मित्रों को एक भी किस्त का मानदेय नहीं मिला है। स्थिति यह है कि फील्ड में कार्यरत मित्रों के पास पेट्रोल डलवाने तक के पैसे नहीं हैं। फोटोग्राफी और दस्तावेज अपलोड जैसी प्रक्रिया के बाद भी भुगतान नहीं होने से वे मानसिक और आर्थिक दोनों रूप से परेशान हैं। जहां एक ओर प्रशासन पीएम आवास की प्रगति को लेकर गंभीर है, वहीं दूसरी ओर योजना को जमीनी स्तर पर लागू करने वालों की अनदेखी से उनकी कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है। आवास मित्रों ने शासन-प्रशासन से जल्द मानदेय भुगतान की मांग की है।

असहाय लड़कियों को बेचने का काम करने वाली मप्र की महिला गिरफ्तार, पति की तलाश जारी

रायपुर। फरार सह आरोपी राजेश उर्फ राजेन्द्र कामडे एवं उसकी पत्नी लक्ष्मी के साथ मिलकर ने मिलकर असहाय लडकियों को बेचकर उसकी शादी कराने वाली लक्ष्मी को गुढि ?ारी पुलिस ने मध्यप्रदेशके हिम्मतपुरा चौकी पंडरिया थाना सतई जिला छतरपुर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

तीन माह पहले 21 फरवरी को पीडिता की भाभी ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि उसकी ननद घर से बिना बताये कहीं चली गयी है। उसने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण कर ले जाने की आशंका जताई थी। गुढियारी पुलिस धारा 137 (2) बीएनएस दर्ज कर तलाश कर रही थी। गुढि ?ारी में दर्ज यह गुमशुदगी की 55 वां मामला था। 21 मार्च 25 को पीडिता ने अपने भाई को फोन कर बतायी की राजेश नामक व्यक्ति ने बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाकर छतरपुर म0प्र0 मे बाबूलाल नामक व्यक्ति को बेचकर उसके साथ विवाह करा दिया है। गुढियारी पुलिस टीम रवाना होकर पीडिता को ग्राम हिम्मतपुरा चौकी पंडरिया थाना सतई जिला छतरपुर से बरामद 01 अप्रैल 25 को थाना गुढियारी लाया। पीडिता ने बताया की राजेश नामक व्यक्ति बहला फुसलाकर अपने साथ छतरपुर ले जाकर बाबूलाल अहिरवार को एक लाख रुपए लेकर उसे बेचकर उसका विवाह बाबूलाल अहिरवार से करा दिया। विवाह के बाद बाबूलाल ने उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया। प्रकरण में धारा 64, 143, 144 बीएनएस 4, 6 पास्को एक्ट सबूत पाये जाने से जोडी गयी। आरोपी बाबूलाल उर्फ बबलू के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने से दिनांक 01/04/2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। प्रकरण के फरार आरोपियो की पता तलाश लगातार की जा रही थी पता चलने पर पुलिस टीम महिला बल के साथ छतरपुर म0प्र0 भेजकर आरोपिया को पकडकर थाना गुढियारी लाया गया।

अमेरिकी खेमे में आते ही सीरिया ने फिलीस्तीनी आतंकी समूह के खिलाफ शुरू की कार्रवाई,

दमिश्कः सऊदी अरब के साथ मिलकर अमेरिकी खेमे में आते ही सीरिया की नई सरकार ने फिलीस्तीनी आतंकी समूह के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इससे पहले आई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सीरिया जल्द ही अब्राहम अकॉर्ड में शामिल होकर इजरायल को मान्यता दे सकता है। लेकिन फिलीस्तीनी आतंकी समूह के खिलाफ कार्रवाई का शुरू होना उसकी शुरूआत है। क्योंकि अभी तक सीरिया की पुरानी बशर अल-असद की सरकार के दौरान इजरायल के खिलाफ सीरिया का फ्रंट भी खुला था, लेकिन अब माना जा रहा है कि सीरिया फ्रंट करीब करीब बंद हो गया है। सीरिया की नई अल-जुलानी की सरकार ने सीरिया में फिलिस्तीनी संगठनों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ऐसे में उन्हें अपना बोरिया-बिस्तर बांधकर सीरिया छोड़कर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

फिलीस्तीन में इजरायल के खिलाफ लड़ने वाले कई आतंकवादी समूह पिछले कई दशकों से दमिश्क से ऑपरेट होते रहे हैं। इन संगठनों को ईरान का सक्रिय समर्थन हासिल रहा है। इनमें फिलीस्तीनी इस्लामिक जिहाद, पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलीस्तीन जनरल कमांड (क्कस्नरुक्क-त्र्रष्ट) और कुछ अन्य संगठन शामिल हैं। हमास के सदस्यों को भी एक बार दमिश्क ने पनाह दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स में ३ मई को कहा गया था कि दमिश्क में अधिकारियों ने क्कस्नरुक्क-त्र्रष्ट के प्रमुख तलाल नाजी को हिरासत में लिया है। इससे पहले अप्रैल के अंत में, नए अधिकारियों ने इस्लामिक जिहाद के दर्जनों सदस्यों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इन कदमों को सीरिया की नई सरकार की तरफ से ईरान समर्थक समूहों पर नकेल कसने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है। फिलीस्तीनी आतंकवादी समूह अक्सर ईरान समर्थक होते हैं। ईरान ने सीरिया की पुरानी असद शासन का सालों से समर्थन किया और असद ने इन फिलीस्तीनी आतंकी समूहों का समर्थन किया, जिन्होंने हमेशा से इजरायल के खिलाफ हिंसा का सहारा लिया। लेकिन अब नई अहमद अल-शरा, जिसे अल-जुलानी भी कहा जाता है, उनकी सरकार यह दिखाना चाहती है कि वह अमेरिका और पश्चिम देशों के खेमे में है और इसलिए वो आतंकवादी समूहों पर नकेल कस सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मई के मध्य में रियाद में अल शरा से मुलाकात की थी और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाल ही में सीरिया के साथ बातचीत के महत्व के बारे में बात की थी। तुर्की में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक अब सीरिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत हैं।

अजरबैजान ने भारत के खिलाफ क्यों दिया पाकिस्तान का साथ, कैसे हैं दोनों देशों के रिश्ते?

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के बाद जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की तो अजरबैजान ने इसकी निंदा की.तुर्की ने भी पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया. वहीं, दुनिया के अधिकतर देशों ने भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने की अपील की.इसके बाद से ही भारत में सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अजरबैजान और तुर्की का बहिष्कार करने की बात कही.वहीं, कांग्रेस और बीजेपी के बीच अजरबैजान के साथ व्यापार और पर्यटन के बहिष्कार को लेकर बयानबाजी भी हुई.वैसे तुर्की तो पिछले कई साल से कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान का साथ देता रहा है, लेकिन सवाल उठ रहे हैं कि अजरबैजान ने आखिर पाकिस्तान का साथ क्यों दिया? आइए जानते हैं अजरबैजान कहां है और भारत के साथ उसके रिश्ते कैसे हैं?अजरबैजान दक्षिण कॉकेशस क्षेत्र में स्थित है. यह ईरान के पड़ोस में है. सोवियत संघ के विघटन के बाद बने देशों में से अजरबैजान भी एक था.भारत और पाकिस्तान के बीच हुए हालिया संघर्ष के दौरान अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि हम उन सैन्य हमलों की निंदा करते हैं, जिसमें पाकिस्तान में कई नागरिकों की जान गई और कई लोग घायल हुए हैं.पाकिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता प्रकट करते हुए, हम निर्दोष पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैंजेएनयू में सेंटर फॉर रशियन एंड एशियन सेंट्रल स्टडीज में प्रोफेसर संजय कुमार पांडे अजरबैजान के पाकिस्तान के प्रति समर्थन के पीछे अजरबैजान, पाकिस्तान और तुर्की के आपसी रिश्ते को बताते हैं.प्रोफेसर संजय पांडे बीबीसी हिंदी से कहते हैं, ₹अजरबैजान तुर्की का बेहद करीबी है. वहां कहा भी जाता है कि अजरबैजान और तुर्की 'वन नेशन, टू स्टेट' हैं. कभी-कभी तुर्की, अजरबैजान और पाकिस्तान के लिए भी ये बात कही जाती है.₹तुर्की पिछले काफी समय से पाकिस्तान का समर्थक रहा है. रेचेप तैय्यप अर्दोआन और उनकी जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (एकेपी) एक तरह से सॉफ्ट इस्लामिज्म. पर चल रही है. अर्दोआन के प्रभाव बढ़ने के साथ ये बढ़ा है.

संजय पांडे आगे कहते हैं, तुर्की की पारंपरिक नीति मुस्तफा कमाल अतातुर्क वाली थी, जिसमें वो सेक्युलरिज्म का एक बड़ा ही कड़ा वर्जन अपनाते थे. उन्होंने धर्म को स्टेट से पूरी तरह दूर रखा और तुर्की को आधुनिक किया, लेकिन ८० साल बाद और इस शताब्दी की शुरूआत के दशक में आम लोगों की प्रतिक्रिया इस नीति के खिलाफ रही.विशेषज्ञों के मुताबिक अर्दोआन के शासनकाल के दौरान वहां लोगों का मजहब को लेकर रुझान बढ़ने लगा और मुस्लिम बहुल देशों के प्रति तुर्की का सॉफ़्ट कॉर्नर यानी नरम रुख रहने लगा.संजय पांडे बताते हैं कि यही कारण है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने मशहूर म्यूजियम हागिया सोफिया को मस्जिद में बदल दिया.हागिया सोफिया म्यूजियम असल में एक चर्च हुआ करता था, जिसे छठी सदी में बैजेंटाइन सम्राट जस्टिनियन ने बनवाया था.वो दूसरा कारण अजरबैजान और आर्मीनिया के बीच के विवाद को बताते हैं.संजय पांडे बताते हैं कि अजरबैजान-आर्मीनिया के बीच विवाद काफी पुराना है.

सोवियत संघ के विघटन के बाद आर्मीनिया को पाकिस्तान ने एक देश के रूप में मान्यता नहीं दी है.वो कहते हैं, अजरबैजान-आर्मीनिया के मामले में पाकिस्तान की नीति एकतरफा रही है. पाकिस्तान पूरी तरह से अजरबैजान का नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र के मुद्दे पर समर्थन करता रहा है.

अम्बिकावाणी
अम्बिकापुर, सोमवार 26 मई, 2025

संपादकीय

सम्पादकीय

प्रेम के आंसू दुःख नहीं पहुंचाते, वे तो मोती बन जाते हैं।
0 ब्रम्हकुमारी

न्यायपालिका पर हमले

न्यायपालिका पर हमले जारी रखते हुए उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब ये विवादास्पद बात कही है कि भारतीय व्यवस्था में संसद सर्वोच्च है। इस तरह उन्होंने अवरोध एवं संतुलन की संवैधानिक व्यवस्था को सिरे से नकारने की कोशिश की है। धनखड़ के मुताबिक संसद के ऊपर सिर्फ मतदाता हैं, जो संसद का चुनाव करते हैं। इस तर्क को आगे बढ़ाया जाए, तो उसका अर्थ निकलेगा कि निर्वाचित होने के बाद संसद कोई भी विधेयक पारित कर सकती है, जिनमें संविधान संशोधन बिल भी शामिल हैं। यह तर्क सीधे तौर पर संवैधानिक अदालतों के अस्तित्व को चुनौती है।

इसलिए कि संवैधानिक अदालतों (सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट) को संविधान ने संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या का अधिकार दिया है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट को संसद से पारित विधेयकों के परीक्षण का अधिकार भी हासिल है। भारत में न्यायशास्त्र के विकास के साथ सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के बुनियादी ढांचे का सिद्धांत विकसित किया है।

इस ढांचे से हेरफेर करने वाले कानूनों को रद्द कर देने का अधिकार उसे हासिल है। फिर संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रावधान है कि 'न्याय को पूर्णता प्रदान करने के लिएइ सुप्रीम कोर्ट आदेश जारी कर सकता है। यह आदेश सारे देश में लागू होगा। जहां तक सर्वोच्चता का सवाल है, तो भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में शक्तियों के अलगाव का सिद्धांत अपनाया गया है।

इसके तहत कोई राजकीय संस्था सर्वोच्च नहीं है। हर संस्था को ऐसे अधिकार हैं, जिससे वह अवरोध एवं संतुलन का दायित्व निभा सके। अवरोध एवं संतुलन की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि हर संस्था संवैधानिक दायरे में काम करे। इस तरह अधिनायकवाद की प्रवृत्तियों पर नियंत्रण बना रहता है। उप-राष्ट्रपति खुद एक बड़े संवैधानिक पद पर हैं, जहां उनसे भी ऐसी भूमिका की अपेक्षा की जाती है। मगर हाल के भाषणों में उन्होंने 'न्याय को पूर्णता प्रदान करनेइ संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को चुनौती दी है और अब उन्होंने संसद की सर्वोच्चता का एलान किया है।

उनके इस नजरिए से राष्ट्रीय जनमत के एक बड़े हिस्से में कौतूहल देखा गया है। ये सवाल उठा है कि आखिर धनखड़ ऐसे दावे क्यों कर रहे हैं?

उप-राष्ट्रपति ने संसद को सर्वोच्च बताया है। यानी संसद कोई भी विधेयक पारित कर सकती है, जिसका न्यायिक परीक्षण नहीं होना चाहिए। इस तरह जगदीप धनखड़ ने अवरोध एवं संतुलन की संवैधानिक व्यवस्था को सिरे से नकारने की कोशिश की है।

भारतीय संविधान में कलात्मकता

गजेंद्र सिंह शेखावत

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का एक जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को एक दस्तावेज के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो।

लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल एक कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है। यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वगीर्कृत किया गया है: मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ। संविधान की शुरूआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर-तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिडि?ाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है। संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दशार्या गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है। संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग-अलग पृष्ठों पर अलग-अलग बॉर्डर डिजाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दशार्ता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से पेरुमलदा कहा जाता था। संविधान का भाग 4, जो प्रथम अनुसूची के भाग, में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक-एक पेड़ हैं और फ्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को दशार्ता है। यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिजाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं। भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र धीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। बॉर्डर डिजाइन पर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें जयपुर की प्रतिष्ठित ब्लू पॉटरी की कला को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता है। शांतिनिकेतन में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत और दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और कलाकारों को आकर्षित किया, इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को समाहित करते हुए उत्कृष्टता की निरंतर खोज करते हुए एक इकोसिस्टम निर्मित किया और अंत में, एक अनूठी भारतीय शैली और कला निर्मित की। इस पर काम करने वाले कई कलाकारों ने अपने करियर में महान ऊंचाइयों को हासिल किया, लेकिन इस परियोजना के समय शांतिनिकेतन के छात्र और सहयोगी ही थे जो अपने श्रद्धेय 'मास्टर मोशायइ नंदलाल बोस के सपने को जीवंत करने के लिए प्रयत्नशील थे। संविधान में चित्रों की प्रेरणा भारत के विशाल इतिहास, भौतिक परिदृश्य, पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता संग्राम में निहित है। भारत के संविधान का भाग 13 'भारतीय क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और उनके परस्पर संबंधोइ से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण महाबिलापुरम में स्मारकों के समूह का हिस्सा है जो यूनेस्को द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल है। 'गंगा का अवतरणइ एक बड़ी, खुली हवा में बनी चट्टान की नक्काशी वाली मूर्ति है जो स्वर्ग से धरती पर गंगा नदी के उतरने के कथा को पत्थर में दर्शाती है। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्र पर दिखाई देते हैं और जमुना सेन का नाम बॉर्डर के बाएं निचले कोने पर दिखाई देता है।

भाग 3 जो मौलिक अधिकारों से संबंधित है, उसमें रामायण का एक दृश्य दिखाया गया है। इस पृष्ठ के बॉर्डर पर जमुना सेन के हस्ताक्षर हैं। भाग 4 जो राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित है, उसमें महाभारत का एक दृश्य दिखाया गया है।

बानी पटेल और नंदलाल बोस के नाम दाईं ओर नीचे दिए गए चित्रण पर दिखाई देते हैं और विनायक शिवराम मसोजी का नाम बॉर्डर के बाएं कोने पर दिखाई देता है।

संविधान का भाग 7 'पहली अनुसूची के भाग बी में शामिल राज्योंइ से संबंधित है। इस खंड की शुरूआत में दिए गए चित्रण में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रसार को

छात्रों के विरोध अश्लील और असभ्य

प्रियंका सौरभ

दिल्ली विश्वविद्यालय, जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने क्लासरूम की दीवारों पर गोबर लीपा और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया। यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव-यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक वक्तव्य।

यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती है: क्या विविद्यालय सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं? क्या छात्र आंदोलन केवल 'विचारोंइ से नहीं, अब 'गंधइ से भी संवाद करने लगे हैं?

यह विरोध दिल्ली यूनिर्वसटी के साउथ कैम्पस के एक कॉलेज में हुआ जहां छात्रों ने गोबर लीप कर क्लासरूम को 'पवित्रइ करने की कोशिश की। दरअसल, 'पवित्रताइ का यह तंज था-एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र 'अपवित्रइ मानते हैं। कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय, और प्रशासन की असंवेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लीपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया।

भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवन शैली के प्रतीक के रूप में होता आया है। लेकिन इस मामले में इसका प्रयोग गहराई से व्यंग्यात्मक था। यह ऐसा प्रतीक था जो न केवल सत्ता की 'पवित्रताइ को उलट देता है, बल्कि दिखाता है कि छात्र अब विरोध के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर सत्ता की भाषा को उसके ही प्रतीकों से जवाब दे रहे हैं। यह विरोध दरअसल उस छद्म सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर चोट करता है जो गाय, गोबर और गंगा जल को पवित्र मानता है, लेकिन दलित, आदिवासी व वंचित समुदायों की पीड़ा को अपवित्र विषय मानता है।

भारतीय विविद्यालय धीरे-धीरे उस विचारभूमि से हटते जा रहे हैं, जहां असहमति को प्रोत्साहन मिलता था। आज यदि कोई छात्र या प्रोफेसर सत्ता के खिलाफ बोलता है, तो उसे 'राष्ट्रविरोधीइ, 'गद्दारइ, या 'विकास-विरोधीइ कहा जाने लगता है। कैम्पस अब लोकतांत्रिक संवाद के केंद्र नहीं, बल्कि डर के घेरे बनते जा रहे हैं। छात्रों के इस कदम को केवल 'असभ्यताइ कह कर खारिज करना आसान है, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि यह घटना उस निराशा और हताशा की उपज है जो वर्षों से भीतर ही भीतर सुलग रही है। जब संवाद के सारे रास्ते बंद कर दिए जाते हैं, तो प्रतीकात्मक और चौंकाने वाले कदम ही विकल्प बनते हैं।

यह विरोध 'हिंसक नहीं था, लेकिन 'सुगंधितइ भी नहीं था। निश्चित रूप से गोबर से दीवारें लीपना किसी भी संस्थान के लिए अनुशासनहीन हरकत मानी जाएगी। लेकिन यह भी सोचना होगा कि जब छात्र अपनी बात कहने के लिए इतना असामान्य तरीका अपनाते हैं, तो समस्या छात्रों में नहीं, व्यवस्था में भी है। वे किस हद तक खुद को असहाय और अनसुना समझते हैं, यह इस घटना से जाहिर होता है। अलबत्ता, यह विरोध मानसिक और सांस्कृतिक असहजता पैदा करने वाला जरूर था। छात्रों का प्रदर्शन प्रिंसिपल के निजी घर तक पहुंचना न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि दशार्ता है कि छात्रों को अब संस्थागत दायरे में न्याय की उम्मीद नहीं रही। यह खतरनाक संकेत है-न केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी।

मीडिया ने इस घटना को सनसनीखेज ढंग से दिखाया -'छात्रों ने लीपा गोबर !इ, 'गाय के नाम पर राजनीति फिर से !इ- लेकिन दुर्भाग्यवश किसी ने यह नहीं पूछा कि छात्र ऐसा क्यों कर रहे हैं? किस घटना ने उन्हें इस हद तक पहुंचाया? किसने संवाद के रास्ते बंद किए? मीडिया अक्सर लक्षणों पर बहस करता है, लेकिन बीमारी की जड़ तक नहीं जाता। सत्ता जब गाय और गोबर को संस्कृति का हिस्सा मान कर उन्हें नीतियों में शामिल करती है-जैसे गोबर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना, पंचगव्य को चिकित्सा बताना-तब वह 'धर्म-सम्मतइ होता है।

लेकिन जब यही प्रतीक छात्रों के विरोध में आते हैं, तो वे 'अश्लीलइ और 'असभ्यइ बन जाते हैं। यही सत्ता का दोहरापन है। छात्रों का विरोध सत्ता के इस पाखंड की पोल खोलता है-दिखाता है कि सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग केवल सत्ता के लिए सुरक्षित नहीं है, बल्कि जनता भी उन्हें विरोध के औजार बना सकती है। इस घटना के बहाने जरूरी हो गया है कि विविद्यालयों में संवाद की संस्कृति को फिर से मजबूत किया जाए। यह घटना प्रतीकात्मक चेतावनी है-शिक्षा का मंदिर यदि सत्ता की चौकी बन जाए, तो छात्र वहीं पर 'शुद्धि यज्ञइ करने लगते हैं। गोबर का यह विरोध हमें याद दिलाता है कि

व्यंग्य: आस्तीन में घर हैं जिनके

सोशल मीडिया में खालिस भारतीय 'विदेशी भक्त' और उनकी दोहरे चरित्र देखने लायक हैं। भारत के डिजिटल जंगल में इस नई प्रजाति का उदय हुआ है, जिनकी जुबान 'वैश्विक नागरिकता' का राग अलापती है, पर भारत की आस्तीन में छुपा उनका 'घर' किसी और ही महाद्वीप का पता बताता है। ये वो शख़्सियतें हैं जो भारत की मिट्टी में पलती-बढ़ती हैं, पर उनकी नजरें हमेशा विदेशी स्टैंडर्ड्स के पैमाने से ही देश को नापती हैं। अगर कोई भारत सरकार की आलोचना करे, तो ये उसकी पीठ थपथपाने को तैयार मिलते हैं। यदि सरकार के समर्थन में कुछ लिख दिया तो यह ब्रिगेड भक्त का टाइटिल देने में देर नहीं लगाती, इस तरह वे स्वयं को कथित सेक्युलर साबित करने में जुट जाते हैं। विदेशी सरकारों के मुंह से भारत पर कोई टिप्पणी निकले, तो ये उसे सच्चाई का आईना घोषित कर देते हैं। आस्तीनों में बसे इनके 'घर' की नींव तो शायद, न्यूयॉर्क या जेनेवा की मिट्टी से बनी है! इनके रहने वाली बांबी भीतर ही भीतर पाकिस्तान और बंगलादेश तक जुड़ी हुई है। इनका व्यंग्य-शस्त्रागार बेहतरीन होता है। सरकार ने कोई नीति बनाई? तुरंत ट्विटर पर ट्रेंड करो: अरे, स्वीडन में ऐसा होता तो...। किसी भारतीय संस्था ने कोई उपलब्धि हासिल की? ..पर सिंगापुर में तो ये सालों पहले...। ये लोग कॉम्पेयर एंड डिस्प्लेयर के मास्टर हैं। इन्हें पता ही नहीं कि स्वीडन की आबादी भारत के एक छोटे राज्य जितनी है, या सिंगापुर का भूगोल चंडीगढ़ से छोटा है। पर इन्हें यथार्थ से क्या लेना-देना? इनका काम वर्चुअल एक्सपर्ट बनकर अपने ही देश को लताड़ना है। ये अभिव्यक्ति की आजादी की दुहाई देते हैं, पर इनकी परिभाषा में आजादी सिर्फ सरकार की आलोचना करने तक सीमित है। अगर कोई इनसे पूछे, भई, आप जिस देश को आइडियल मानते हो, वहाँ तो पुलिस प्रोटेस्टर्स पर घोड़े दौड़ाती है! तो जवाब मिलता है वो अलग बात है, वहाँ की सरकार 'परफेक्ट' है। यानी, इनके लिए आलोचना का अधिकार सिर्फ भारत के लिए रिजर्व्ड है। बाकी दुनिया?, उन्हें तो समझने की जरूरत है! ये विदेशी मीडिया के प्रति 'हैलो प्रिंसिपल' सिंड्रोम से ग्रस्त होते हैं। ये अंग्रेजी जानते हैं, विदेशी मीडिया के प्रति बेहिसाब लगाव रखते हैं। किसी विदेशी मीडिया ने भारत पर कोई रिपोर्ट छापी, तो ये उसे गॉस्पल मानकर शेयर करते हैं। पर अगर भारतीय मीडिया विदेशों में हो रहे अत्याचारों की बात करे, तो ये उसे प्रोपेगैंडा बताते हैं। इनके मुताबिक, ऑब्जेक्टिविटी की मोहर सिर्फ विदेशी चैनलों पर लगती है। और हाँ, अगर कोई भारतीय इस दोहरे मापदंड पर सवाल उठाए, तो वह अंधभक्त कहा जाता है!

इनके ट्वीट्स और पोस्ट्स देखकर लगता है मानो भारत की हर समस्या का समाधान विदेशी सलाहकारों के पास है। गंगा प्रदूषण? यूरोपियन एक्सपर्ट्स को बुलाओ! किसान आंदोलन? यूएन को हस्तक्षेप करना चाहिए! 0 विवेक रंजन श्रीवास्तव

पर इन्हें यह नहीं सूझता कि जिन देशों को ये रोल मॉडल मानते हैं, उन्होंने अपनी समस्याएँ खुद सुलझाई

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1316

संकेत: बाएं से दाएं

1. 3 जून 1918 को मध्यप्रदेश में यहां गांधीजी की अध्यक्षता में हिंदी साहित्य सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें पारि प्रस्ताव द्वारा हिंदी राजभाषा मानी गई (3)
4. ये यूनानी दर्शनिक जो प्लेटो के गुरू थे (4)
8. पन्ने की चौड़ाई में विभाग, स्तंभ (3)
9. दंत पंक्तियों वाली लोहे की चौकोर कंघी, अरहर के डंठलों की झाड़ू (4)
10. मनोयोग से काम में लगा हुआ (2)
11. जो रिश्तें में पिता का पिता हो (2)
12. सहयोग, मदद, इमदाद (4)
14. एक भूमिगत तना जो औषधि और मसाले में प्रयक्त होता है (4)
16. भूलना, भुला देना (4)
17. कुल, सारा, समाप्त (3)
18. यह इंद्र का सारधि था कहते हे राम रावण के युद्ध में यही श्रीराम का सारथि था (3)
19. यह जंबू द्वीप के अरबखंड में स्थित एक देश जो 1971 में स्वतंत्र हुआ (4)
20. विश्व की एक मात्र फिल्म जो एक पात्रीय थी (2)

ऊपर से नीचे

1. मना या वर्जित करने का भाव (3)
2. धन-संपत्ति, रूपया-पैसा (3)
3. तरंग, लहर-पेंग एक विलायती मदिरा (2)
4. सुखदेने वाला, सुखदाता (5)
5. टेक्स देने वाला, करदायक (4)
6. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
7. करी से काट-छांट करना (4)
12. सवौच्च स्थान (3)
13. पराजित होना, शिकस्त खाना (3)
14. घर-गृहस्थी का सामान आदि (4)
15. इस देश का पूर्व में सोमाली लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में जाना जाता था (2)
17. वह वाद्य जिसमें तार लगे हो, वहीं (2)
18. प्रतिष्ठा, इज्जत, नापने की क्रिया (2)

वर्ग पहेली 571 1315 हल

श्र	मे	व	ज	य	ते		गु
मि	ल	न		म	ह	सू	ल
क	न		ग	ज	रा		फा
	बै	रा	ग		न	सी	म
म	ठ		न	बी		प	
	ना	का	म				गा
क		म	णि	र	त्न	म	
वि	य	ना		क्स		घा	ट

एकदा

टिकाऊ हल की तलाश

प्रदूषण से भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में हर साल औसतन 275 दिन खराब हवा दर्ज की जाती है। ये मुश्किलें स्पष्ट हैं। फिर भी टिकाऊ हल की तलाश का कोई गंभीर प्रयास होते हम नहीं देख रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में छाया जहरीला धुआं इस महीने की प्रमुख खबरों में रहा है। इस बीच यह जिक्र भी हुआ है कि एनसीआर की बदहाली तो फिर भी सुर्खियों में आ जाती है, लेकिन देश के बहुत-से शहरों के प्रदूषण पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, जबकि वहां हाल किसी रूप में बेहतर नहीं है। फिर प्रदूषण पर चर्चा अक्सर स्वास्थ्य के नजरिए से होती है- जबकि अर्थव्यवस्था पर होने वाले खराब असर पर अक्सर बात नहीं होती। जबकि हकीकत यह है कि इसका अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण से हर साल देश की जीडीपी के लगभग तीन प्रतिशत हिस्से का का नुकसान हुआ है। डलबर्ग नाम की ग्लोबल कंसल्टेंसी फर्म ने यह अनुमान लगाया था। बेशक प्रदूषण के नुकसान को पैसों में नहीं तोला जा सकता। फिर भी इसकी आर्थिक कीमत भी बहुत महंगी है, यह साफ है। सघन प्रदूषण के समय दफ्तरों का बंद होना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण लोगों का काम पर ना जा पाना, बीमारियों के इलाज, समय से पहले मौत, और इन सबके परिवारों पर पडने. वाले असर की कीमत बेहद महंगी है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

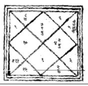

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज अपने व्यक्तित्व और स्वभाव में लाया गया परिवर्तन बेहतरीन रहेगा। सामाजिक तथा पारिवारिक लोगों की तरफ से विशेष मान-सम्मान मिलेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी अपरिचित व्यक्ति से ज्यादा घुलने-मिलने से आपको बचना चाहिए। आज अपनी खास योजना किसी से भी शेयर न करें। कभी-कभी बहुत ज्यादा आत्म निर्भर होना और ईगो की भावना रखने से आपको समस्या हो सकती है। आज माता जी की सलाह से लिया गया निर्णय आगे चलकर लाभदायक साबित होगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना दूसरों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसायिक कार्यप्रणाली में बेहतर सुधार आने से आपके कार्य समय से पूरे होते रहेंगे। यह समय रुकी हुई पेमेंट को कलेक्ट करने तथा आर्थिक स्थितियों को मजबूत करने के लिए उत्तम है।

सिंह राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित जानकारी हासिल करने से ज्यादा सफलता मिलेगी। आप अपनी प्रतिभा को पहचाने और पूरी ऊर्जा के साथ अपनी दिनचर्या व कार्यप्रणाली को व्यवस्थित रखेंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा।

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज का समय उपलब्धियों वाला है। आज अपनी पूरी मेहनत व ऊर्जा अपने कार्यों के प्रति लगायेंगे। आज आपको ध्यान रखना होगा कि आपका प्रोजेक्ट तय समयानुसार पूरा हो जाये।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज आपके लिए घर का सदस्य कुछ खरीद सकता है जिसे पाकर आप आनन्दित होंगे। आज वर्कस्पेस पर सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है तो उसे गंभीरता से लें,

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप जानते हैं कि आपका काम मुश्किल नहीं है बस आपको हौसला बनाकर रखना है। करियर में सुधार करने के लिए जिन बातों में बदलाव करना है, वह स्पष्ट रूप से जानने की कोशिश करें।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके परिवार में आपसी सौहार्द बना रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में मामले स्पष्ट रखें। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ ठीक रहेगा। आपकी इनकम अच्छी रहेगी। आपके धन प्राप्ति के मार्ग में यदि कुछ समस्याएं आ रही है, तो वह आज दूर होगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको खुशी होगी। आज आप घर के कामों में अपनी माँ की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप बातचीत भी करेंगे। आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आप समस्या से बच जायेंगे।

मीन राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। अन्य लोगों की मदद से आज आपके रुके कार्य पूरे हो जायेंगे।

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

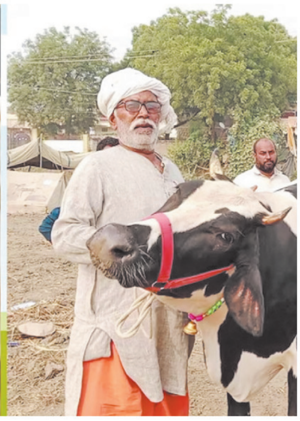

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है।

फ

भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा। किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावरण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए।

यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्रायः बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

मिर्च को कीट से बचायें

बरसाती मिर्च की खेती में कीड़े एवं बीमारियों से सुरक्षाकर उपाय कर उपज में बढ़ोत्तरी एवं गुणवत्ता अच्छी की जा सकती है। क्योंकि फसलों के कुल में मिर्च एक प्रमुख नगदी फसल है। जिसे पूरे देश में वर्ष भर उगाया जाता है। वर्षा के मौसम में मिर्च की फसल में कीड़े एवं बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ने लगा है जिससे उपज में भारी कमी आने लगी है इसलिये मिर्च की कीड़ों और रोगों के लिये सुरक्षात्मक प्रबंध कर अधिक उपज प्राप्त कर लाभ लें।

वर्षाकालीन मिर्च के प्रमुख कीट व उनका प्रबंधन

(अ) सफेद मक्खी, चूषक कीट, थ्रिप्स, हरा तेला एवं माहू

सफेद मक्खी जहां पर्ण कुंचन रोग फैलाने में उत्तरदायी है वहीं हरा तेला, थ्रिप्स एवं माहू पौधों के मुलायम भाग पत्ती, फल व कलिकाओं का रस चूसकर पौधे को कमजोर बना देती है जिससे बढ़वार रुक जाती है और संक्रमण से उत्पादन घट जाता है।

प्रबंधन

- पौधों की लाइन से लाइन की दूरी उपयुक्त रखें। घना नहीं लगायें। संक्रमित पौधे को खेत से निकालकर नष्ट कर दें।
- मित्र को खरपतवार रहित रखें जिसके लिये निराई-गुड़ाई नियमित रूप से करें।
- कीट प्रकोप होने पर सुरक्षित कीटनाशक नीम गोल्ड, ईकोनीम ग्रोनिम आदि दवाईयों का छिड़काव करें।
- मेलाथियान 50 ईसी 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।

(ब) सफेद लट-

इस कीट की गिडार मोटी, लम्बी एवं मजबूत शरीर वाली होती है। जो पौधे की जड़ों को काटकर खाती हैं। यह कीट मुख्य जड़ को काट देता है। जिससे फसल सूख जाती है। इस कीट के प्रोढ़ रात्रि के समय बेर, अमरूद, नीम और बबूल पर बैठते हैं तथा पत्तियों को खाते हैं। सबेरा होते ही खेतों में जाकर अंडे देते हैं जिससे 8-10 दिन में फिर गिडार निकल आती है जो पत्तियों को खाकर नुकसान पहुंचाती है।

प्रबंधन

- खेतों में अधपका या गोबर खाद न डालें। प्रकाश प्रपंच लगाकर कीट के प्रोढ़ इकट्ठा कर नष्ट करें।
- फोरेट 10 जी की 5 किलोग्राम मात्रा खेत की आखिरी जुताई के समय मिट्टी में मिला दें।

- कीटग्रसित पौधों के ऊपर रात्रि में लम्बे लाठी घुमाकर कीड़े नीचे गिरा दें तथा भृंग कीटों को इकट्ठा कर नष्ट करें।

मुख्यमंत्री साय का पहली बार दिखा यह तेवर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आमतौर पर सरलता और सहजता के रूप में पहचाने जाते हैं,लेकिन जब बात सरकारी योजनाओं में लापरवाही या अनियमित्ता की आती है तो उनका रौद्र रूप भी देखने को मिलता है। आज ऐसा ही वाक्या गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिले के ग्राम चुकतापानी में देखने को मिला। मुख्यमंत्री सुशासन तिहार के अन्तर्गत आज आकस्मिक भ्रमण में चुकतापानी पहुंचे, महुआ के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुन रहे थे, तभी ग्रामीणों ने पेयजल की समस्या बतायी। मुख्यमंत्री ने तत्काल पीएचई विभाग के अधिकारियों को बुलाया। उन्होंने सब इंजिनियर से गांव में हैण्डपम्प की संख्या और जलजीवन मिशन के बारे में ग्रामवासियो से पूछा। सब इंजीनियर का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह सरकारी काम है, कोई मजाक नहीं है। काम करो या सस्पेंड होने के लिए तैयार रहो। उनका यह रूप देखकर वहां मौजूद सरकारी अमला सहम गया, जबकि ग्रामीणों ने तालियां बजाकर उनका समर्थन किया।

न्यूज गैलरी

विष्णु के सुशासन में हो रहा संवाद और समाधान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विष्णु के सुशासन में संवाद और समाधान की कड़ी निरंतर रूप से चल रही है। इस सुशासन की सरकार में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित हर योजना का लाभ हितग्राही को सुनिश्चित कराने हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश के मुखिया श्री विष्णु देव साय की पहल पर सुशासन तिहार-2025 का आयोजन प्रदेशभर में किया जा रहा है। शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत से रूबरू होने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय स्वयं लोगों के बीच पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार-2025 के तहत आमागोहन समाधान शिविर में पहुंचे और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। सुशासन तिहार-2025 के अंतर्गत तीसरे चरण में समाधान शिविर का आयोजन हो रहा है, जिसका उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की जानकारी लेना और स्थानीय समस्याओं का त्वरित निवारण करना है। इस कड़ी में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बिलासपुर के कोटा विकासखंड के आमागोहन गांव पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार सुशासन के माध्यम से हर गांव तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। समाधान शिविर के जरिए हम ग्रामीणों की समस्याओं को सुन रहे हैं और उनका तुरंत समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने राज्य में सरकार बनते ही 18 लाख पीएम आवास स्वीकृत किए। हमने महतारी वंदन के तहत माताओं-बहन को आर्थिक सहायता देने का काम किया। प्रदेश में 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। आज महिला सशक्तीकरण का काम महतारी वंदन के माध्यम से हो रहा है। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला दर्शन योजना के जरिए प्रदेश के 22 हजार से ज्यादा लोग श्रीरामलला के दर्शन का लाभ मिल रहा है। इसके अलावा मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा दर्शन योजना के तहत देशभर के धार्मिक स्थलों में दर्शन की व्यवस्था हमने शुरू की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जो सरकार अच्छा काम करती है, उसी की जनता के बीच जाने की हिम्मत होती है। हम अपने डेढ़ साल का रिपोर्ट कार्ड लेकर जा रहे हैं। अपने काम का फीडबैक ले रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कई लाभार्थियों को योजनाओं के तहत प्रमाण पत्र और सहायता राशि वितरित की। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

यह शिविर छत्तीसगढ़ सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें ग्रामीण विकास और सुशासन को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति मिलेगी और लोगों की समस्याओं का समाधान होगा।

हितग्राहियों से सीएम श्री साय का सीधा संवाद :

आमागोहन समाधान शिविर के दौरान सीएम श्री साय और हितग्राहियों के बीच सीधा संवाद हुआ। इस दौरान ग्रामीण महिला श्रीमती विमला साहू ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन के तहत हर महीने एक हजार रुपए मिल रहे हैं, इस पैसे को वो अपने नातिन के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना में राशि बैंक में जमा करती हैं। ग्राम मोहली के श्री छोटेलाल बैगा ने बताया कि पहले उनका कच्चा था, जहां बारिश में पानी टपकने से लेकर जहरीले जीव जंतुओं का खतरा हमेशा बना रहता था, अब पीएम आवास बनने से जीवन आसान हुआ है, अब सिर पर छत सुनिश्चित हो गया है। श्रीमती दिलेश्वरी खुसरो ने बताया घर में दो लोगों का आयुष्मान कार्ड बनने से अब उन्हें बीमार होने की स्थिति में किसी तरह की चिंता नहीं रही।

मुख्यमंत्री ने जनहित में घोषणाएं की : मुख्यमंत्री ने आमागोहान में समाधान शिविर में बेलगहना में कॉलेज शुरू करने की घोषणा की। वहीं क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए कहा कि आमागोहन में 32 केवी का विद्युत सब स्टेशन स्थापित किया जाएगा। जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए आमागोहन में एक सामुदायिक भवन की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों संग किया भोजन : मुख्यमंत्री ग्रामीणों के साथ बैठकर भोजन किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं ग्रामीणों के साथ भोजन करने की मंशा जताई। मुख्यमंत्री के साथ अनीता ध्रुव, कलेशिया बाई, विमला पुरी, छोटेलाल बैगा, दिलेश्वरी खुसरो और अन्य ग्रामीणों के साथ भोजन किया।

मुखिया को हाथों से बनाया स्कैच किया भेंट : एमएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहे 24 वर्षीय देव सिंह खुसरो ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को अपने हाथों से बनाया गया पेंसिल स्कैच भेंट किया और कहा कि प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय किसान कल्याण की दिशा में बहुत बेहतर काम कर रहे हैं, जिसके लिए उनके परिवार, गांव के लोगों समेत किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

27वीं वर्षगांठ पर विशेष -------

कोरिया-पहाड़ों और घने वनों की छांव में पलती उम्मीदों की कहानी

कोई जमीन सिर्फ नक्शों से नहीं बनती, वो बनती है वहाँ के लोगों की मेहनत, संस्कृति और संकल्प से और जब बात कोरिया जिले की हो, तो यह सच और भी चमकने लगता है। आज २५ मई को कोरिया अपनी स्थापना की २७वीं वर्षगांठ मना रहा है। यह सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि गौरव, यादों और भविष्य की उम्मीदों से भरा हुआ दिन है।

संगठन से पहचान तक का सफर

१९९८ में सरगुजा से अलग होकर कोरिया ने अपने नए जिले के रूप में पहला कदम रखा था। तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह शांत, हरियाली से भरपूर इलाका आगे चलकर छत्तीसगढ़ की पहचान का हिस्सा बनेगा। और दो साल बाद

जब २००० में छत्तीसगढ़ राज्य बना, तो कोरिया ने अपनी संस्कृति, सादगी और संकल्प के साथ उसमें आत्मा की तरह प्रवेश किया।

प्रकृति, परंपरा और परिवर्तन का संगम,

घने जंगल, कलकल बहती नदियाँ, पहाड़ों की गोद और जनजातीय जीवनशैली कोरिया अपने आप में एक जीवंत विरासत है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत की महक है और लोगों की आँखों में उम्मीद की चमक। महिलाएँ जंगलों से महुआ लाती हैं, पुरुष कठोर रास्तों को पगडंडियों में बदलते हैं और बच्चे किताबों से सपने बुनते हैं। यही कोरिया की असली संपत्ति है।

संघर्ष से समर्पण की ओर,

बैकुंठपुर से लेकर चरचा और सोनहत तक, विकास की किरणें अब गाँवों तक पहुँच रही हैं। स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़कें और रोजगार योजनाएँ कोरिया के नक्शे को रोशनी से भर रही हैं। यह सब संभव हो पाया है दूरदर्शी नेतृत्व और स्थानीय प्रशासन की प्रतिबद्धता से। जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सुशासन और कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन ने मिलकर विकास की गति को नई दिशा दी है।

कोरिया बोल रहा है 'मैं समय के साथ चला हूँ...' २७ वर्षों की यह यात्रा केवल तारीखों की नहीं, बल्कि तजुर्बों की गवाही है। कोरिया कहता है 'मैंने कठिन रास्ते देखे, पर रास्ते बनाना नहीं छोड़ा। मैंने समय बदलते देखे, पर अपनी सादगी नहीं छोड़ी। मैं पहाड़ों में हूँ, पर मेरी उड़ानें आसमान तक जाती हैं। मैं कोरिया हूँ सुकून- सादगी और सपनों का संगम।

खुले में जलती मिली किसी निजी फर्म की आयुर्वेदिक दवाएं

मौके पर पहुंचकर जिला आयुष अधिकारी ने की जांच

कोरिया बैकुंठपुर - जिले के मार्गदर्शन संस्थान, तलवापारा (बैकुण्ठपुर) के पास आज बड़ी मात्रा में आयुर्वेदिक औषधियों को खुले में जलाए जाने की सूचना सोशल मीडिया पर वायरल होते ही सम्बंधित विभाग ने खबर पर संज्ञान लेते हुए जिला आयुष अधिकारी डॉ. एलवीना ग्रेस टोप्पो स्वयं मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया।

मौके पर निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि जलाई जा रही औषधियां किसी शासकीय संस्था की नहीं, बल्कि किसी निजी फर्म की थीं। आयुष विभाग की टीम ने घटनास्थल से औषधियों के नमूने एकत्रित किए हैं और उनकी सूची तैयार की जा रही है। अब यह जांच की जा रही है कि संबंधित औषधियां किस कंपनी की हैं और उन्हें इस प्रकार खुले में नष्ट क्यों किया गया। डॉ टोप्पो ने यह भी बताया कि समस्त दवाई दुकानदारों को एक्सपायरी दवाई के सही डिस्पोजल हेतु एसओपी जारी किया जाएगा।

महुआ पेड़ की छांव में सुशासन की चौपालः चुकतीपानी में मुख्यमंत्री का अचानक दौरा, बैगा समुदाय ने जताया आत्मीय स्वागत

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बिना पूर्व सूचना के हेलीकॉप्टर से गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के बैगा बाहुल्य ग्राम चुकतीपानी पहुंचे। ग्रामीण अपने बीच मुख्यमंत्री श्री साय को यूं अचानक पाकर आश्चर्यचकित हो गए, लेकिन कुछ ही क्षणों में यह हैरानी स्वागत में बदल गई। ग्रामीणों ने गुलमोहर की माला, तेंदू फल की टोकरी और स्थानीय फूल-पत्तियों से बना गुलदस्ता भेंट कर मुख्यमंत्री श्री साय का आत्मीय अभिनंदन किया।

गांव के मिडिल स्कूल परिसर में महुआ पेड़ के नीचे लगी चौपाल में मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से करते हुए कहा कि सरकार कैसे काम कर रही है, यह जानने मैं स्वयं आपके घर आया हूं। जो भी परेशानी है, निःसंकोच बताइए। चौपाल के दौरान जब मुख्यमंत्री की नजर ओवरफ्लो हो रही पानी टंकी पर पड़ी, तो उन्होंने पानी की बबार्दी पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने ग्रामीणों की शिकायत पर पीएचई विभाग के सब इंजीनियर को फटकारते हुए कहा कि या तो काम करो, या सस्पेंड होने के लिए तैयार रहो। जनसंवाद के दौरान महिलाओं ने बताया कि वे महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि से स्व-सहायता समूह बनाकर जैविक खेती कर रही हैं और स्थानीय मंडियों में सब्जियाँ बेचकर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट से उगाई गई लाल भाजी भी मुख्यमंत्री को भेंट की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों की मांग पर मिडिल स्कूल भवन के मरम्मत की घोषणा की, साथ ही स्कूल मैदान को मिनी स्टेडियम के रूप में विकसित करने की भी घोषणा की। उल्लेखनीय है कि गांव के लिए 179 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, ताकि हर जरूरतमंद को छत मिल सके। चुकतीपानी में मुख्यमंत्री का यह अप्रत्याशित दौरा न सिर्फ जनता से सीधा संवाद था, बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी था कि सरकार सिर्फ फाइलों में नहीं, गांव की मिट्टी में उतरकर सुशासन को परखती है। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री श्री सुबोध सिंह और मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद सहित अन्य अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने मुंगेली जिला ग्रंथालय में किया अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण, विद्यार्थियों को दिए सफलता के सूत्र

मुंगेली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मुंगेली जिला ग्रंथालय में 29.90 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, मुंगेली विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले तथा पूर्व सांसद श्री लखन साहू भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के स्वागत में युवाओं एवं छात्र-छात्राओं ने तालियों की गडगड़ाहट और पुष्पगुच्छ भेंटकर उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, शिक्षा ही जीवन की असली पूंजी है। इसके बिना जीवन अधूरा है। यह न केवल रोजगार का माध्यम है, बल्कि समग्र विकास का आधार भी है। उन्होंने अपने छात्र जीवन के संघर्ष साझा करते हुए बताया कि अविभाजित रायगढ़ जिले में शिक्षा के अवसर सीमित थे। नटवर स्कूल ही एकमात्र विकल्प था। उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करने, कभी निराश न होने और परिश्रम को अपना मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने आदर्श विद्यार्थी के पाँच गुण काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पाहारी गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासित, मेहनती और लक्ष्यनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी। एक छात्र द्वारा सोशल मीडिया के प्रभाव पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, डिजिटल युग में अच्छाई को अपनाएं और बुराई से दूर रहें। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में राज्य व जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में तोप सिंह कुंभकार ने मुख्यमंत्री को उनके ही चित्र का हस्तनिर्मित छायाचित्र भेंट किया। छात्र-छात्राओं एवं जिला प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री को भगवद् गीता, पुस्तिका और स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गए। मुख्यमंत्री ने 'प्रयास' और 'नालंदा परिसर' जैसे नवाचारी शैक्षणिक प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार प्रत्येक जिले में आधुनिक ग्रंथालय स्थापित कर रही है, ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए एक प्रेरणादायक वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रंथालय केवल अध्ययन का स्थल नहीं, बल्कि सफलता की नींव रखने का केंद्र भी है। उन्होंने जिला ग्रंथालय मुंगेली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां से सैकड़ों युवाओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है, जो गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री अचानक पहुंचे अछोटी, निमार्णाधीन महतारी सदन का लिया जायजा, पानी से की तराई

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सुशासन तिहार के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड अंतर्गत ग्राम अछोटी का औचक दौरा किया। ग्राम अछोटी में मुख्यमंत्री श्री साय हेलीकॉप्टर से अचानक पहुंचे और डायट कॉलेज परिसर में 29 लाख 20 हजार रुपये की लागत से निमार्णाधीन महतारी सदन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का मुआयना किया और स्वयं अपने हाथों से भवन के कॉलम की तराई कर कार्य की मजबूती और पारदर्शिता का संदेश दिया। महतारी सदन, ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और सामुदायिक संवाद का केंद्र बनेगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री मुरमुंदा पहुंचे, जहां उन्होंने अटल आवास योजना के अंतर्गत निर्मित 226 आवासों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने अटल आवास क्रमांक 226 के हितग्राही श्री तुषार को अपने हाथों से चाबी सौंपी और उन्हें गृह प्रवेश कराया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अन्य हितग्राहियों को भी उनके मकान की चाबी सौंपते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे। सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाना, जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में समाधान शिविर, निरीक्षण दौरे, विकास कार्यों की समीक्षा और योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन जैसे विविध कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय का प्रदेश के गांव-गांव में आकस्मिक दौरा समाधान शिविर में उनकी स्वयं की मौजूदगी और जनसमस्याओं का निदान सुशासन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण आयाम है, जिससे आमजनता में सरकार के प्रति विश्वास और सहभागिता की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई है।

रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली के पलटने से दो लोग हुए घायल

जगदलपुर। जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बिनाका मॉल के पास आज मंगलवार की सुबह एक हादसे में रेत से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली के पलटने और उसकी चपेट में आने की वजह से एक गर्भवती महिला सहित दो लोग घायल हो गए है। दोनों ही घायलों को उपचार के लिए स्थानीय लोगों की मदद से महारानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार शहर के अनुपमा चौक की तरफ से रेत से भरा एक ट्रैक्टर तेज रफ्तार से धरमपुरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान बिनाका मॉल के नजदीक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो वाहनों को टक्कर मार दिया। वाहनों को टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर के पीछे रेत से भरी ट्रॉली पलट ग ई। इस हादसे में एक गर्भवती महिला सहित दो लोग घायल हो गए. हादसे के तत्काल बाद घटनास्थल के आस-पास मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को ईलाज के अस्पताल पहुंचाया।

सोनहनी शहद की मिठास पहुंची प्रधानमंत्री तक

कोरिया के किसानों को मिली राष्ट्रीय पहचान, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात में जैविक शहद उत्पादकों की सराहना, आत्मनिर्भर भारत की मिसाल बताया

कोरिया बैकुंठपुर - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम की १२२वीं कड़ी में छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के किसानों द्वारा तैयार किए गए जैविक शहद सोनहनी की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि यह शुद्धता और मेहनत का ऐसा प्रतीक है, जो न केवल स्थानीय आत्मनिर्भरता को बल देता है बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान को भी मजबूती देता है।

श्री मोदी ने कहा 'कोरिया जिले के किसानों ने च्सोनहनीज नाम से एक शुद्ध जैविक शहद ब्रांड बनाया है। आज वह शहद जेम पोर्टल समेत अनेक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। यानी गांव की मेहनत अब ग्लोबल हो रही है।' प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में भी हजारों महिलाएं और युवा हनी उद्यमी बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब शहद की मात्रा के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता और शुद्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ स्टार्टअप्स, एआई और डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से शहद की शुद्धता को प्रमाणित करने का कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों

से आग्रह किया 'अगली बार जब भी शहद खरीदें, तो कोशिश करें कि किसी लोकल किसान या महिला उद्यमी से खरीदें। क्योंकि उस हर बूंद में भारत की मेहनत और उम्मीदें घुली होती हैं। शहद की यह मिठास आत्मनिर्भर भारत का स्वाद है।' च्सोनहनीज शहद की सराहना कोरिया जिले के किसानों के लिए न केवल गर्व की बात है, बल्कि यह देशभर के जैविक उत्पादकों के लिए भी एक प्रेरणा है।

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सोनहनी' शहद का 'मन की बात' में जिक्र किया है। कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हम जैविक शहद उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं ताकि 'सोनहनी' शहद से कोरिया को एक नई पहचान मिल सके।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम

शुभमन बने भारतीय टीम के नये टेस्ट कप्तान, ऋषभ उपकप्तान

■ मुंबई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टीम के नये उपकप्तान होंगे। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा करते हुए युवाओं पर भरोसा जताया है। इससे पहले माना जा रहा था कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी की जिम्मेदारी दी जाएगी। बुमराह के अलावा केएल राहुल भी कप्तानी के दावेदार थे। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास लेने के बाद से ही माना जा रहा था कि भविष्य को देखते हुए बीसीसीआई शुभमन को कप्तान बनायगा और ये बात सही साबित हुई। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, इसका पहला मैच 20 जून से लीड्स क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

अगरकर ने कप्तान के नाम की घोषणा करते हुए कहा कि शुभमन टीम के कप्तान रहेंगे और ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि बुमराह सभी मैच के लिए उपलब्ध रह पायेंगे। राहुल के बारे में अगरकर ने कहा कि राहुल ने पहले कप्तानी की, लेकिन तब मैं वहां नहीं था। हम उम्मीद करते हैं कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। बुमराह के लिए फिट गेंदबाज के रूप में रहना अधिक महत्वपूर्ण है उनपर कप्तानी का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता। अगरकर ने जोर देकर कहा कि कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय के लिए चुना जाता है। उन्होंने कहा कि आप कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं चुनते, बल्कि दीर्घकालिक योजना बनाते हैं। हमें उम्मीद है कि शुभमन समय के साथ सीखेंगे।

वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास को लेकर उन्होंने कहा कि विराट ने अप्रैल में ही अपनी संन्यास की योजना को लेकर जानकारी दे दी थी। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को टीम में शामिल नहीं किये जाने को लेकर अगरकर ने कहा कि शमी अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। इसलिए उन्हें शामिल नहीं किया गया है। हाल में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और आकाश दीप को शामिल किया गया है।

आकाश दीप

इंग्लैंड सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम - शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम-

13 जून - बेकेनहम में भारत बनाम इंडिया-ए

20 जून-लीड्स में भारत बनाम इंग्लैंड

2 जुलाई-बर्मिंघम में भारत बनाम इंग्लैंड

10 जुलाई-लॉर्ड्स में भारत बनाम इंग्लैंड

23 जुलाई-मैनचेस्टर में भारत बनाम इंग्लैंड

31 जुलाई- द ओवल में भारत बनाम इंग्लैंड।

आरबीसी के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने वाले क्लब में पहुंचे ईशान

मुम्बई सनराजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज ईशान किशन ने आईपीएल में एक नया रिकार्ड बनाया है। ईशान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों के क्लब में शामिल हो गये हैं। आरसीबी के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के महेंद्र सिंह धोनी शीर्ष पर हैं। धोनी ने आरसीबी के खिलाफ अब तक सबसे अधिक 50 छक्के लगाए हैं, जो इस मामले में रिकॉर्ड है। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 44 छक्कों के साथ दूसरे और दिल्ली कैपिटलस के केएल राहुल 43 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं आंद्रे रसेल और रोहित शर्मा ने संयुक्त रूप से 38-38 छक्के लगाए हैं। अब इस सूची में ईशान भी शामिल हो गये हैं।

ईशान के नाम 32 छक्के हैं। ईशान ने 14 मैच में ही ये आंकड़ा हासिल किया है। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर और कीरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। बटलर और कीरोन पोलार्ड ने भी 32-32 छक्के लगाये हैं। ईशान किशन ने कहा कि जब आप पारी की शुरुआत के के लिए पहले बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप रन गति बनाए रखें।

जिस क्षण मैंने अभिषेक और

रोहित-विराट के बगैर भी भारतीय टीम मजबूत

■ लंदन.

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के दौरे पर अगले महीने जाने वाली है। इसकी खास वजह ये है कि टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं होंगे क्योंकि इन दोनों ही दिग्गज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी के बावजूद भारत मजबूत होगा। भारत के पास बड़ी संख्या में वर्ल्ड क्लास बल्लेबाज हैं। बेन स्टोक्स 20 जून से शुरू होने वाली इस सीरीज में घरेलू टीम की अगुआई करेंगे। दिसंबर में बाएं पैर की मांसपेशियों की सर्जरी के बाद टीम में वापसी कर रहे 33 साल के स्टोक्स ने कहा कि कोहली के रूप में भारत को मैदान पर कड़ी चुनौती पेश करने वाले और प्रतिस्पर्धात्मक खिलाड़ी की कमी खलेगी। स्टोक्स ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि भारत के बारे में एक बात यह है कि उनके पास स्तरीय बल्लेबाजों की बड़ी संख्या है, यह अविश्वसनीय है। स्टोक्स ने कहा कि शुरुआती टेस्ट में भारत को दबाव में लाने की जिम्मेदारी उनके गेंदबाजों पर होगी। उन्होंने कहा कि हम हमेशा टेस्ट मैच की शुरुआत में विपक्षी टीम को आउट करने की कोशिश करते हैं और फिर देखते हैं कि जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, हम कैसे खुद को ढालते हैं। मुझे पता है कि भारत ने दो बड़े संन्यास का सामना करना पड़ा है। वे भारतीय टीम और उनकी सफलता का एक अहम हिस्सा रहे हैं। कोहली की प्रतिस्पर्धी होने की क्षमता ने पिछले कुछ सालों में टीम की सफलता में बहुत योगदान दिया है। स्टोक्स ने आगे कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से मैदान पर उनकी कमी महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत को शायद मैच में उनकी मैदान पर कड़ी चुनौती पेश करने की क्षमता, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता, जीतने की इच्छा की कमी खलेगी। उन्होंने नंबर 18 जर्सी को अपना बना लिया है, है ना? स्टोक्स ने कहा कि इसलिए हमने किसी भी भारतीय शर्ट के पीछे नंबर 18 नहीं देखा है। उनके खिलाफ नहीं खेलना निराशाजनक होगा क्योंकि हम दोनों एक दूसरे के खिलाफ खेलते रहे हैं, हम दोनों की मैदान पर एक जैसी मानसिकता होती है।

पोलैंड : ओरलेन मेमोरियल भाला फेंक में दूसरे स्थान पर रहे नीरज

■ वारसा

भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा यहां पोलैंड में आयोजित ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और दूसरे स्थान पर रहे। वहीं जर्मनी के जूलियन वेबर ने पहला स्थान हासिल किया। नीरज इस स्पर्धा में लय में नहीं थे। वह अंतिम दौर से पहले तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में अपना भाला 84.14 मीटर की दूरी पर फेंका जिससे वह दूसरे स्थान पर आ पाये। वह अपने दूसरे और पांचवें प्रयास में 81.28 मीटर और 81.80 मीटर तक ही भाला फेंक पाये। इसके अलावा उनके बचे

हुए तीन प्रयास फाउल रहे थे। वहीं जर्मनी के वेबर दूसरे दौर में 86.12 मीटर की दूरी तक थ्रो के साथ ही नंबर एक स्थान हासिल किया ।

इस मुकाबले में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और 83.24 मीटर तक भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे। नीरज ने पिछले साल 2024 फेडरेशन कप में 82.27 मीटर तक भाला फेंका था।

उसके बाद ये पहली बार है जब

एंजेलो मैथ्यूज कहेगें टेस्ट क्रिकेट को अलविदा

■ कोलंबो

श्रीलंका क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। 37 वर्षीय मैथ्यूज जून में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट के साथ अपने टेस्ट करियर का अंतिम मुकाबला खेलेंगे। यह मुकाबला 17 से 21 जून के बीच गॉल में खेला जाएगा। हालांकि, मैथ्यूज सफेद गेंद के प्रारूप यानी वनडे और टी20 क्रिकेट में अपने करियर को आगे बढ़ाते रहेंगे।

मैथ्यूज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, कृतज्ञ हृदय और अविस्मरणीय यादों के साथ अब समय आ गया है कि मैं खेल के सबसे अद्भुत प्रारूप, टेस्ट क्रिकेट से

विदा लूं। बांग्लादेश के खिलाफ जून में पहला टेस्ट मेरे अंतरराष्ट्रीय टेस्ट करियर का आखिरी मैच होगा। मैथ्यूज ने आगे लिखा कि अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी टेस्ट क्रिकेट में कमान संभाले। मैं सिर्फ सफेद गेंद क्रिकेट के लिए उपलब्ध रहूंगा।

मैथ्यूज के टेस्ट करियर पर एक नजर डाले को उनका टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने 2009 में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी और अब तक 118 टेस्ट मैचों में 8167 रन बना चुके हैं। वह श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट की इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनसे आगे केवल कुमार संगकारा (12400 रन) और माहेला जयवर्धने (11814 रन) हैं। उनके करियर में 14 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं।

मैथ्यूज एक उपयोगी मध्यम गति के गेंदबाज भी रहे हैं, जिन्होंने टेस्ट में 33 विकेट झटके हैं। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैथ्यूज के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें श्रीलंका क्रिकेट का असली सेवक बताया। बोर्ड ने कहा, 17 वर्षों तक आपके नेतृत्व, प्रतिबद्धता और प्रदर्शन ने हमें गौरवान्वित किया है। टेस्ट क्रिकेट में आपकी यादगार पारियां और जुनून ने कई युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। हम सफेद गेंद क्रिकेट में आपके भविष्य के योगदान की प्रतीक्षा करेंगे। मैथ्यूज के संन्यास के साथ ही श्रीलंका टेस्ट टीम एक नए युग में प्रवेश करेगी, जहां युवा खिलाड़ियों को अब बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी।

चेतेश्वर पुजारा ने चुनी ऑल टाइम इंडिया टेस्ट इलेवन

■ नईदिल्ली

भारतीय टेस्ट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने हाल ही में अपनी ऑल टाइम इंडिया टेस्ट इलेवन का ऐलान किया है। पुजारा ने इस टीम में देश के दिग्गज क्रिकेटरों को शामिल किया है, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किए हैं। उन्होंने यह टीम एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान साझा की। ओपनिंग के लिए पुजारा ने सुनील गावस्कर और वीरेंद्र सहवाग को चुना है। उन्होंने कहा कि दोनों का खेल एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत है गावस्कर शांत और संयमित, जबकि सहवाग आक्रामक और बेखौफ बल्लेबाज।

नंबर तीन पर पुजारा ने खुद को नहीं, बल्कि राहुल द्रविड़ को रखा और यह स्वीकार किया कि द्रविड़ उनसे बेहतर खिलाड़ी रहे हैं। द्रविड़ को उन्होंने भारतीय क्रिकेट की दीवार बताते हुए सम्मान दिया। मिडिल ऑर्डर में चौथे नंबर पर सचिन तेंदुलकर, पांचवें पर विराट कोहली और छठे पर वीवीएस लक्ष्मण को रखा गया है। पुजारा ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों की स्थिति उनके डेब्यू क्रम के आधार पर तय की है। उन्होंने लक्ष्मण की भूमिका को 'कम सराहे गए लेकिन अहम' बताया। गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो पुजारा ने दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों को शामिल किया है। स्पिन विभाग में अनिल कुंबले और आर अश्विन को चुना गया, जबकि तेज गेंदबाजी के लिए कपिल देव, जहीर खान और जसप्रीत बुमराह को जगह दी गई। बुमराह का चयन थोड़ा चौंकाने वाला था, क्योंकि उन्होंने अभी तक केवल 45 टेस्ट खेले हैं, लेकिन पुजारा का मानना है कि वे ऑल टाइम ग्रेट्स में गिने जा सकते हैं।

विकेटकीपर के तौर पर पुजारा ने राहुल द्रविड़ का नाम लिया ताकि उन्हें एक अतिरिक्त खिलाड़ी शामिल करने का विकल्प मिल सके। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी विशेषज्ञ की बात करें, तो वह एमएस धोनी को चुनते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भविष्य में ऋषभ पंत इस स्थान के प्रबल दावेदार हो सकते हैं। इस तरह पुजारा की यह टेस्ट इलेवन अनुभवी और आधुनिक सितारों का संतुलित मिश्रण है। चेतेश्वर पुजारा ऑल टाइम टेस्ट इलेवन - सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, वीवीएस लक्ष्मण, आर अश्विन, कपिल देव, अनिल कुंबले, जहीर खान, जसप्रीत बुमराह।

आईपीएल 2025 : सबसे ज्यादा छक्के लगें राशिद खान की गेंदों पर

■ नईदिल्ली

इस समय आईपीएल 2025 अपने पूरे शबाब पर हैं, प्लेऑफ की चारों टीमें लगभग तय हो चुकी हैं। यह सीजन बल्लेबाजों के लिए काफी धमाकेदार रहा है। चौकों-छक्कों की बारिश ने गेंदबाजों की खूब परीक्षा ली, और कई नामी गेंदबाज रन लुटाने में सबसे आगे नजर आए। इस सीजन कुछ गेंदबाज ऐसे रहे, जिन्हें बल्लेबाजों ने निशाना बनाकर सबसे ज्यादा छक्के जड़े। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि टॉप पर अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान का नाम है। राशिद खान ने इस सीजन सबसे ज्यादा 28 छक्के खाए हैं। गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे राशिद की सबसे ज्यादा धुलाई लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ हुई थी। मिशेल मार्श और निकोलस पूरन ने उन्हें बुरी तरह निशाना बनाया, जिसके चलते वह अपने चार ओवर भी पूरे नहीं कर सके। महज दो ओवर में ही उन्होंने 36 रन दे दिए।

छक्के खाने वालों की सूची में दूसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज खलील अहमद हैं। उन्होंने इस सीजन 13 मैचों में 14 विकेट तो लिए, लेकिन रन रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे। खलील ने अब तक 26 छक्के झेले हैं और उनकी गेंदबाजी में निरंतरता की कमी साफ नजर आई। तीसरे स्थान पर लखनऊ के स्पिनर रवि बिश्नोई हैं। उन्होंने इस सीजन 25 छक्के खाए हैं। उनका प्रदर्शन इस बार उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और वह बल्लेबाजों को दबाव में नहीं ला सके।

'बेबी मलिंगा' कहे जाने वाले मथीशा पथिराना भी इस लिस्ट में शामिल हैं। श्रीलंकाई गेंदबाज पथिराना ने अब तक 23 छक्के खाए हैं और चेन्नई के लिए यह सीजन उनके लिए कुछ खास नहीं रहा। हालांकि चेन्नई का एक मुकाबला अभी बाकी है, जिससे यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। इस सूची में आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज युजवेंद्र चहल भी हैं। उन्होंने इस सीजन 12 मैचों में 14 विकेट लिए, लेकिन वह भी छक्के खाने से नहीं बच सके। चहल ने अब तक 21 छक्के झेले हैं और वह इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। इस सीजन की ये लिस्ट दिखाती है कि बड़े नाम वाले गेंदबाज भी आईपीएल 2025 में बल्लेबाजों के कहर से नहीं बच सके।

सनराइजर्स से हारी आरसीबी, शीर्ष पर रहने की उम्मीदें कम हुई

लखनऊ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए अपने अंतिम लीग मुकाबले में हार गयी। इससे उसके शीर्ष पर रहने की संभावना समाप्त कम हुई हैं। इस मैच में आरसीबी की ओर से विराट कोहली और फिल सॉल्ट ने शानदार पारियां भी टीम की हार के कारण बेकार हो गयीं। इस मैच में सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड की सहायता से तेज शुरुआत की पर दोनो ही बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। अभिषेक ने 34 जबकि ट्रेविस हेड ने 17 रन बनाकर। क्लासेन भी 24 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। ईशान किशन ने तेजी से खेलते हुए 48 गेंदों पर 7 चौके और पांच छक्के लगाकर 94 रन बनाये इस प्रकार सनराइजर्स ने 231 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी असफल रही। हैदराबाद की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने 28 रन देकर 3 जबकि मलिंगा ने 2 विकेट लिए।

आरसी की शुरुआत तेज रहीं। सॉल्ट ने 32 गेंदों पर 62 रन बनाए जबकि विराट ने 25 गेंदों पर 43 रन बनाये। वहीं मयंक अग्रवाल, रोमारियो शैफर्ड और जितेश शर्मा अधिक रन नहीं बना पाये। इस मैच में आरसीबी का मध्यक्रम असफल रहा। मयंक अग्रवाल 10 रन ही बना पाए वहीं रजत पाटीदार ने 16 गेंदों पर 18 रन बनाए।

अर्शदीप को इस खूबी के कारण मिली इंग्लैंड दौरे के लिए जगह

मुम्बई पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन कर रहे बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इंग्लैंड दौरे के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की जगह शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के अनुसार शमी पूरी तरह से अभी फिट नहीं हैं। ऐसे मे अर्शदीप जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। अर्शदीप को टीम में जगह मिलने का कारण लगातार अच्छा प्रदर्शन करना रहा है। जब उन्हें अवसर मिला है उन्होंने अपने को साबित किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज होने का भी उन्हें लाभ मिला है इससे तेज गेंदबाजी आक्रमण को संतुलन मिलता है। वह ड्यूक्स गेंद के साथ दोनों तरफ स्विंग कराने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में इंग्लैंड के हालातों में जहां स्विंग गेंदबाजी मैच की दिशा तय करती है अर्शदीप काफी फायदेमंद हो सकते हैं। उनकी गेंदबाजी में विविधता से भी बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान नहीं होता। साल 2023 में अर्शदीप ने काउंटी चैंपियनशिप में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच मैच में 13 विकेट लिए। इससे भी उन्हें वहां के हालातों का अधिक अंदाजा हुआ है। जिसके कारण माना जा रह है कि वह टेस्ट सीरीज प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल सत्र में भी अबतक पंजाब किंग्स की ओर से काफी विकेट लिए हैं।

आईपीएल 2025 में 9 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए

■ नईदिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हर सीजन बल्लेबाजों ने रनों का अंबार लगाया है। 2025 सीजन में अब तक का रिकॉर्ड बना, जिसमें 9 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए, जो टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की बढ़ती आक्रामकता को दिखाता है। इससे पहले, 2018 और 2023 में 8-8 खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की, जबकि 2013 और 2024 में 7-7 बल्लेबाजों ने 500 रन का आंकड़ा पार किया।

दरअसल 2025 सीजन में गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन 638 रन बना चुके हैं, जबकि कप्तान शुभमन गिल भी 500 से ऊपर रन

बना चुके हैं। सूची में तीसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 583 रन बनाए हैं। मिशेल मार्श 560 रन के साथ चौथे पायदान पर है। 559 रन के साथ यशस्वी जायसवाल सूची में पांचवें नंबर पर हैं। जबकि निकोल्स पूरन 511 रन के साथ छठे स्थान पर हैं। विराट कोहली भी 505 रन बना चुके हैं। केएल राहुल 504, जोस बटलर 500 रन बना चुके हैं।

वहीं आईपीएल के 2018 सीजन में केएल राहुल (659 रन), डेविड वॉर्नर, और क्रिस गेल जैसे खिलाड़ियों ने 500 से अधिक रन बनाए, जिसने उस सीजन को बल्लेबाजी के लिए यादगार बनाया। 2023 में गिल (890 रन) और कोहली (639 रन) ने शानदार प्रदर्शन किया, और कुल 8 बल्लेबाजों ने 500 रन का आंकड़ा छुआ। इन सीजनों में बल्लेबाजों की निरंतरता और बड़े शॉट्स की रणनीति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इतना ही नहीं 2013 सीजन में माइकल हसी और कोहली (634 रन) जैसे खिलाड़ियों ने 500 प्लन रन बनाए, जबकि 2024 में कोहली (741 रन) और रुतुराज गायकवाड़ (583 रन) ने ऑरेंज कैप की दौड़ में 7 बल्लेबाजों को मुकाम तक पहुंचाया।

विराट को गेंद लगने पर घबरायी अनुष्का

■ लखनऊ

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में एक गेंद लग गयी। जिसको देखकर स्टेडियम में बैठी उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा परेशान हो गयीं। इस मैच के दौराज जब गेंद विराट कोहली के हेलमेट पर लगी तो अनुष्का घबरा गयीं।

इससे विराट के प्रशंसक भी परेशान हो उठे। वायरल क्लिप में कोहली के हेलमेट पर जैसे ही गेंद लगती है, अनुष्का काफी परेशान हो जाती हैं विराट ने इस मैच में 25 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के की सहायता से 43 रन बनाए हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। विराट ने इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी की है और वह ऑरेंज कैप की दौड़ में बने हुए हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर चिंता के भाव के साफ नजर आये। एक प्रशंसक ने विराट के हेलमेट पर गेंद लगने के बाद अनुष्का की एक तस्वीर साझा की और लिखा, 'विराट के हेलमेट पर गेंद लगने पर अनुष्का घबराई। गौरतब है कि कुछ समय पहले ही विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। जिसके बाद वह अपनी पत्नी अनुष्का के साथ वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के दर्शनों के लिए पहुंचे थे। तब कोहली ने अपनी पोस्ट में लिखा था। 'टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के 14 साल हुएए। इस फॉर्मेट ने मुझे वो सिखाया है जो जो जिंदगी भर साथ रहेगा। इस मैदान पर सफेद कपड़ों में खेलना हमेशा खास रहेगा।

संन्या का फैसला लेना आसान

बोरियाकला इलाके में बदमाशों ने खुलेआम पीटा युवक को, बताया रायपुर का डान

रायपुर। बोरियाकला इलाके में कुछ बदमाशों को खुलेआम रंगदारी मांगने और विरोध पर मारपीट करने की छूट मिल गई है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि ये असामाजिक तत्व मारपीट का वीडियो बनाकर खुद को रायपुर का डान बताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मुजगहन थाना क्षेत्र के बोरिया कला इलाके में पंकज सिंह नामक युवक से अमन बंजारे और उसके साथियों ने रंगदारी की मांग की। जब पंकज ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उसे घर से उठाकर बेरहमी से पीटा। इस घटना का वीडियो बनाकर आरोपी अमन ने सोशल मीडिया पर डाला, जो अब वायरल हो चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। कुछ युवकों ने इलाके में गैंग बना रखा है और लगातार दहशत फैलाकर रंगदारी वसूल रहे हैं। अब सवाल यह है कि रायपुर पुलिस कब हरकत में आएगी और इन सोशल मीडिया डानों पर शिकंजा कसेगी?

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में बस्तर के नवाचारों की खुलकर सराहना

00 मुख्यमंत्री साय ने बताया–कैसे बस्तर बना संस्कृति, सहभागिता और विकास का मॉडल

रायपुर। राजधानी दिल्ली स्थित अशोक होटल में आयोजित मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन मॉडल, नवाचारों और जनभागीदारी आधारित योजनाओं ने विशेष पहचान बनाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा प्रस्तुत बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे अभिनव आयोजनों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों का ध्यान आकर्षित किया। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने प्रस्तुतीकरण की शुरूआत राज्य में सुशासन की संस्थागत पहल से की। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन कर योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। अटल मॉनिटरिंग पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से योजनाओं की निगरानी की जा रही है, जिससे शिकायतों का समाधान निर्धारित समय में संभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर ईमानदारी व संवेदनशीलता से लागू करना है। बैठक में केंद्र की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी विशेष चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं को छत्तीसगढ़ में ग्रामसभा, जनसंवाद और तकनीक के माध्यम से आमजन तक पहुँचाया गया है।

बैठक का सबसे प्रेरक क्षण तब आया जब मुख्यमंत्री ने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम पर विशेष प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के खेलोगे इंडिया, जीतोगे इंडिया मंत्र को उद्धृत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने इसे धरातल पर साकार किया है। बस्तर ओलंपिक अब सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति बन चुका है – जिसने युवाओं के हाथों से बंदूकें छीनकर गेंद, भाला और तीर थमा दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया इस आयोजन में 7 जिलों के 32 विकासखंडों से 1.65 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन चरणों – विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर आयोजित यह प्रतियोगिता 11 पारंपरिक खेलों जैसे तीरंदाजी, खो-खो, कबड्डी, दौड़, रस्साकसी आदि पर केंद्रित थी। चार श्रेणियों – जूनियर, सीनियर, महिला और दिव्यांग – में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

मुख्यमंत्री साय ने दोरनापाल के पुनेन सन्ना का उदाहरण साझा किया, जो कभी नक्सल प्रभाव वाले क्षेत्र से थे, पर आज व्हीलचेयर दौड़ में पदक जीतकर पूरे समाज के लिए प्रेरणास्तंभ बन गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी 'मन की बातइ कार्यक्रम में बस्तर ओलंपिक की प्रशंसा करते हुए कहा था कि यह आयोजन केवल खेल नहीं, बल्कि बस्तर की आत्मा का उत्सव है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर पंडुम उत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ ने न केवल आदिवासी संस्कृति, लोककलाओं और परंपराओं को संरक्षित किया, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय मंच भी प्रदान किया। इस आयोजन में 7 जिलों के 32 विकासखंडों की 1,885 ग्राम पंचायतों के 1,743 सांस्कृतिक दलों और 47,000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। लोकनृत्य, गीत-संगीत, हाट-बाजार, पकवान प्रतियोगिताएं जैसे विविध रंगों से सजा यह उत्सव बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक को जोड़ते हुए बस्तर की एकता, पहचान और विकास का प्रतीक बन गया। सरकार द्वारा 2.4 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इस आयोजन ने उत्सव और खेल के माध्यम से सकारात्मक भविष्य की नई चेतना जगाई है।

बैठक में जिन राज्यों को अपनी योजनाओं के प्रस्तुतीकरण का अवसर मिला, उनमें छत्तीसगढ़ का 'बस्तर मॉडलइ बेहद प्रभावशाली रहा।जनभागीदारी, संस्कृति और विकास के इस अनोखे मेल ने सभी को प्रभावित किया। बैठक में सुझाव दिया गया कि जनभागीदारी व सांस्कृतिक जुड़ाव पर आधारित ऐसे मॉडल्स को अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इन पहलों को अनुकरणीय बताते हुए सुझाव दिया कि ऐसे नवाचार, जो समाज की जड़ों से जुड़ते हों और विकास की दिशा तय करते हों, उन्हें विस्तार दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ के 'बस्तर मॉडलइ को जिस तरह सराहा गया, उसने यह स्पष्ट किया कि जनसहभागिता, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और विकास के समन्वय से किस तरह दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी बदलाव की मजबूत नींव रखी जा सकती है।

न्यूज गैलरी

भूपेश कैसे देंगे झीरम घटना के सबूत, देंगे तो कांग्रेस की ही होगी बदनामी- मोतीलाल साहू

रायपुर। झीरम नक्सल घटना को लेकर अभी सियासी आरोप-प्रत्यारोप थमता नहीं दिख रहा है। 25 मई 2013 को सुकमा जिले की झीरम घाटी में माओवादियों ने कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर हमला कर दिया था। जिसकी आज 12वीं बरसी है। इस नृशंस वारदात में कांग्रेस के शीर्ष नेता मारे गए थे। वहीं रायपुर ग्रामीण से भाजपा विधायक मोतीलाल साहू ने इसे याद करते हुए कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर एक गंभीर आरोप लगाया है। भूपेश कैसे देंगे झीरम घटना के सबूत,देंगे तो कांग्रेस की ही होगी बदनामी,इसलिए वे जेब में रखे रहें तो अच्छा होगा।

बता दें कि, विधायक मोतीलाल साहू ने अपने बयानों में कहा कि, झीरम में उन्हे (मोतीलाल साहू) की पीठ और जांघ में गोली लगी थी। तब साहू कांग्रेस में थे। नक्सल हमले के बाद बचने वाले कुछ लोगों में साहू भी थे। अब वे भाजपा में हैं। बारहवीं बरसी पर तल्ख भरी टिप्पणी करते हुए साहू ने कहा है कि भूपेश बघेल इसके सबूत अपनी जेब में रखे हुए हैं। वे जेब में रखे सबूत को क्यों नहीं दे रहे हैं? इसका कारण यह है कि अगर वे सबूत देंगे, तो कांग्रेस की बदनामी होगी। भूपेश बघेल की जेब में रखे सबूत को जनता जानना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाए हैं कि, झीरम घाटी हमले में कांग्रेस के लोगों का हाथ था। लेकिन आज डबल इंजन की सरकार नक्सलियों पर कार्रवाई कर रही है और झीरम में दिवंगतों को न्याय मिल रहा है।

18 ट्रेनें रद रहेंगी, एक से नौ जून तक यात्रियों के लिए मुश्किल

रायपुर। एक जून से नौ जून तक तकरीबन 18 ट्रेनें रद रहेंगी। ट्रेन रद होने की वजह से हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ेगी। बिलासपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले झलवारा स्टेशन में अधोसंरचना विकास के लिए नान-इंटरलाकिंग कार्य किया जाएगा। इसकी वजह से 18 ट्रेने रद रहेंगी और दो ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया गया है। इस कार्य के तहत कटनी ग्रेड सेपरेटर लाइन (कटनी-मुड़वारा से) और सिंगरौली दिशा की ओर टाइ-लाइन की कनेक्टिविटी को इरकोन के माध्यम से जोड़ा जाएगा। कार्य की वजह से एक से नौ जून के बीच रेल परिचालन पर असर पड़ेगा।

ये ट्रेनें रहेंगी कैंसल

1. ट्रेन नंबर 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस एक से सात जून तक रद्द रहेगी। 2. 18235 भोपाल - बिलासपुर एक्सप्रेस तीन से नौ जून तक रद्द रहेगी। 3. 11265 जबलपुर - अम्बिकापुर एक्सप्रेस दो से सात जून तक रद्द रहेगी। 4. 11266 अम्बिकापुर - जबलपुर एक्सप्रेस तीन से आठ जून तक रद्द रहेगी। 5. 11751 रीवा - चिरमिरी एक्सप्रेस : दो, चार एवं छः जून को रद रहेगी। 6. 11752 चिरमिरी - रीवा एक्सप्रेस तीन, पांच एवं सात जून को रद रहेगी। 7. 12535 लखनऊ - रायपुर एक्सप्रेस दो एवं पांच जून को रद रहेगी। 8. 12536 रायपुर - लखनऊ एक्सप्रेस तीन एवं छः जून को रद रहेगी। 9. 22867 दुर्ग - निजामुद्दीन एक्सप्रेस तीन एवं छ जून को रद रहेगी। 10. 22868 निजामुद्दीन - दुर्ग एक्सप्रेस चार एवं सात जून को रद रहेगी। 11. 18213 दुर्ग - अजमेर एक्सप्रेस एक जून को रद रहेगी। 12. 18214 अजमेर - दुर्ग एक्सप्रेस दो जून को रद रहेगी। 13. 18205 दुर्ग - नवतनवा एक्सप्रेस पांच जून को रद रहेगी। 14. 18206 नवतनवा - दुर्ग एक्सप्रेस सात जून को रद रहेगी। 15. 51755 चिरमिरी - अनुपपुर पैसेंजर तीन, पांच और सात जून को रद रहेगी। 16. 51756 अनुपपुर - चिरमिरी पैसेंजर तीन, पांच और सात जून को रद रहेगी। 17. ट्रेन नंबर 61601 कटनी - चिरमिरी पैसेंजर दो और सात जून को रद रहेगी। 18. ट्रेन नंबर 61602 चिरमिरी - कटनी पैसेंजर तीन और आठ जून तक रद रहेगी।

ये ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी - ट्रेन नंबर 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस दो से छ जून तक परिवर्तित मार्ग बरौनी-कटनी-जबलपुर-नैनपुर-बालाघाट-गोंदिया होते हुए चलेगी। 0-ट्रेन नंबर 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस दो से छ जून तक परिवर्तित मार्ग गोंदिया-बालाघाट-नैनपुर-जबलपुर-कटनी-बरौनी होते हुए चलेगी।

राज्य में कोविड-19 पूरी तरह नियंत्रण में, घबराने की जरूरत नही: स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

00 कोविड-19 की स्थिति में अस्पतालों में पर्याप्त बेड, आक्सीजन, दवाइयां और मैन पावर उपलब्ध
00 स्वास्थ्य सचिव कटारिया एवं आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला ने जिला सवेर्लेन्स अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दिए आवश्यक निर्देश
00 भारत सरकार के डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेस के अनुसार देश में कोविड-19 की स्थिति पूरी तरह से अंडर कंट्रोल

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा सभी जिलों में इन्फ्लूएंजा के लक्षणों वाले मरीजों का सवेर्लेन्स को सुदृढ़ करने हेतु सभी जिलों के जिला सवेर्लेन्स अधिकारियों का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया के निदेर्शानुसार तथा आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अस्पतालों में आने वाले ऐसे मरीज जिन्हें सर्दी खाँसी, बुखार अथवा गले में खराश हो , की समुचित देखभाल किया जाए। एकीकृत रोग निगरानी के दिशा निर्देश अनुसार एसएआरआई (सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन) मरीजों को चिकित्सक की सलाह पर भर्ती किया जाए।

जिलों में सामान्य इन्फ्लूएंजा वाले लक्षणों के मरीजों के इलाज हेतु जरूरी दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। इस दौरान जिला रायपुर में एक व्यक्ति को कोविड टेस्ट पॉजिटिव होने की पुष्टि की गई है , यह मरीज नियमित स्वास्थ्य निगरानी की प्रक्रिया में है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विभाग के सभी अधिकारियों को इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षणों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि राज्य में ऐसे वायरस जनित रोगों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा है कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग की की सभी तैयारियां पूरी हैं, कोविड केसेस के आने पर बेड भी आरक्षित हैं, इसके लिए दवाइयां और मैन पावर भी पर्याप्त है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम किसी भी स्थिति से निपटने के ले तैयार है। श्री जायसवाल ने ये भी कहा है कि सभी लोगों से अपील की जाती है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और घबराने की जरूरत नही है।

ज्ञात हो कि हाल ही में भारत सरकार के डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेस की अध्यक्षता में हुई बैठक में ये बात सामने आई है कि देश में कोविड-19 की स्थिति पूरी तरह से अंडर कंट्रोल है। रिपोर्ट के अनुसार अभी तक जितने भी केसेस आए हैं वो माइल्ड हैं जिसमें अस्पताल में भर्ती होना जरूरी नहीं है। कोविड-19 केस की संभावित स्थितियों को लेकर तैयारियों की समीक्षा करने के लिए राज्य के सबसे बड़े अस्पताल डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में ओपीडी, वार्ड एवं उपचार व्यवस्थाओं की समीक्षा की गयी है। इसमें डॉक्टरों तथा नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी, दवाओं की उपलब्धता, आक्सीजन, बेड की व्यवस्था तथा ओपीडी के संचालन की सम्बन्ध में चर्चा हुई है। यहां कोरोना के संभावित प्रकरणों से निपटने के लिए अस्पताल में पर्याप्त व्यवस्था है। सामान्य ओपीडी से अलग कोविड -19 ओपीडी की व्यवस्था की गई है। संभावित गंभीर मरीजों को भर्ती कर उपचार प्रदान करने के लिए अलग से एंट्री पॉइंट बनाया गया है। इन क्षेत्रों की पहचान के लिए साईनएज बोर्ड लगाए जा रहे हैं। अस्पताल में कोविड - 19 के लिए स्क्रीनिंग, टेस्टिंग और ट्रीटमेंट की पूरी व्यवस्था है।

भोरमदेव कॉरिडोर से पर्यटन विकास को मिलेगी नई पहचान : नीलू शर्मा

00 कबीरधाम जिले में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं
00 छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल अध्यक्ष श्री शर्मा ने भोरमदेव मन्दिर पहुच कर किया विशेष पूजा अर्चना

कवर्धा। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने कहा है कि कबीरधाम जिले में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं, और भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। कवर्धा प्रवास के दौरान श्री शर्मा ने भोरमदेव मंदिर पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना की और बाबा भोरमदेव से प्रदेशवासियों की समृद्धि की कामना की।

श्री शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन व विशेष प्रयासों से भारत सरकार के केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत कबीरधाम जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के समग्र विकास के लिए 146 करोड़ रूपए की स्वीकृति मिली है। इस राशि से भोरमदेव मंदिर, मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुवा मंदिर और सरोदा बांध जैसे स्थलों का समग्र विकास किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। श्री शर्मा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, पर्यटन मंडल के अधिकारियों, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस परियोजना को अंतिम रूप दिया गया है।

बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि भोरमदेव मंदिर के इतिहास में पहली बार जल शुद्धिकरण (वाटर ट्रीटमेंट) की ऐतिहासिक पहल की जा रही है। मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण कर उसे भव्य और सुविधायुक्त स्वरूप में विकसित किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत छह भव्य प्रवेश द्वार, नागद्वार, पार्क, संग्रहालय, परिधि दीवारों का संवर्धन, नई सीढि?ों का निर्माण, पिलर हॉल, चिल्ड्रन पार्क, प्रसाद मंडप, अनुष्ठान भवन, यज्ञ स्थल, शौचालय, मेला ग्राउंड की ओर से पार्किंग सहित प्रवेश द्वार जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

मंदिर के समीप एक आधुनिक संग्रहालय का निर्माण प्रस्तावित है, जो वर्तमान संग्रहालय से चार से पांच गुना बड़ा होगा। श्रद्धालुओं के लिए जूते रखने की व्यापक व्यवस्था, तालाब क्षेत्र का सौंदर्यीकरण, म्यूजिकल फाउंटेन, जल संरक्षण की व्यवस्था, भंडारा भवन, कांवडि?ों के लिए डोम, छायायुक्त सीढि?ां, मंच, पार्किंग और कई अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा। बैठक के बाद छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री शर्मा ने प्रदेश तथा जिले सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल सरोदा दादर(चिल्फी घाटी) में बने पर्यटन रिसोर्ट का निरीक्षण किया।

कोरबा निगम के सभागृह को संवारने उद्योग मंत्री ने दी 2 करोड़ 19 लाख के कार्यो की सौगात

कोरबा। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य व श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के नेहरू सभागार को संवारने, सभागार को सर्वसुविधायुक्त बनाने एवं परिसर का सौदंयीकृत किए जाने हेतु कल सोमवार $को 02 करोड़ 19 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यो व सुविधाओं को बढ़ाने से संबंधित कार्यो का भूमिपूजन किया। इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, प्रभारी आयुक्त श्री विनय मिश्रा, मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा पुराने कोर्ट के पास स्थित नेहरू सभागृह में 01 करोड़ 62 लाख 53 हजार रुपए की लागत से फर्नीचर संबंधी कार्य, पब्लिक एड्रेस, वीडियो कांफ्रेसिंग व साउण्ड सिस्टम का विस्तार कार्य किया जाना हैं, इसी प्रकार सभागृह परिसर में 56 लाख 75 हजार रुपए की लागत से लैण्ड स्केपिंग व संबंधित सिविल कार्य कराए जाने हैं। आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए इन कार्यो का भूमिपूजन किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने की, उन्होने विधिवत पूजा अर्चना की, शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया तथा कार्यो का शुभारंभ कराया। मंत्री श्री देवांगन ने सभागृह में उपलब्ध कराई जाने वाली विविध आधुनिक सुविधाओं व परिसर के विकास कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं समयसीमा में सभी कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस मौके पर अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि निगम के इस सभागृह में निगम के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पार्षद, निगम क्षेत्र के विकास व निगम से जुड़े विविध कार्यो से संबंधित निर्णय लेते हैं, जिनका क्रियान्वयन कर नगर निगम शहर का समुचित विकास व मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। उन्होने कहा कि मुझे खुशी है कि जिस स्थल पर नगर के विकास व जनता की सुविधाओं की बेहतरी हेतु निर्णय लिए जाते हैं, उस स्थल को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है, बेहतर स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी नगर निगमों के सभागारों में सबसे अच्छा व सुविधायुक्त सभागार कोरबा नगर निगम का बनेगा, ऐसा मैं मानता हूँ, इस हाल में जो कमियॉं है वे दूर की जाएंगी तथा इसे सर्वसुविधायुक्त व आधुनिक व्यवस्थाओं से पूर्ण बनाया जाएगा।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

C M Y K

सरगुजा संभाग

अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

मधुमक्खी की तरह गुणों रूपी मिठास एकत्र करते रहे ।

डिप्टी कलेक्टर संजय मरकाम प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे दिल्ली- 10

अम्बिकापुर सोमवार, 26 मई 2025

■ गंगा दशहरा पर रेणुका नदी के तट पर होगा भव्य धार्मिक उत्सवी- 12

बाहर किराना दुकान का बोर्ड... अंदर संचालित है मेडिकल दुकान... बीमारी का उपचार भी कर रहे झोलाछाप

ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ कर रहे खिलवाड़, सीएमओ ने कहा.... झोलाछाप डॉक्टरों पर की जाएगी कार्रवाई

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

सरगुजा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अनुमति बिना अन्य प्रांतों से आए झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा क्लिनिक संचालित किया जा रहा है। झोलाछाप डॉक्टर ग्रामीणों का इलाज धड़ल्ले से कर मोटी कमाई कर रहे हैं। कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जहां झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के बाद ग्रामीणों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग द्वारा इन झोलाछाप डॉक्टरों पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं करने के कारण इनके हौसले बुलंद हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से आकर झोला छाप डॉक्टर प्रत्येक गांव में क्लीनिक खोलकर ग्रामीणों का इलाज कर उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।कुछ ऐसा ही मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम पुटा में देखने को मिला, जहां उत्तर प्रदेश बनारस से आए युवक जो बिना डिग्री , रजिस्ट्रेशन के किराए के मकान में बाहर किराना दुकान लिखकर अंदर क्लिनिक खोल उल्टी, दस्त, बुखार, दाद खाज खुजली सहित अन्य गंभीर बीमारियों का इलाज अपने क्लीनिक और घर-घर जाकर करता है। यही नहीं बिना अनुमति कई अन्य दवाइयां धड़ल्ले से बिक्री भी कर रहा है। लखनपुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कई ग्रामों में झोलाछाप डॉक्टर मेडिकल दुकान की आड़ में और क्लीनिक खोलकर ग्रामीणों का इलाज कर उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इन झोलाछाप डॉक्टरों पर अंकुश लगाने नाकाम नजर आ रही है अब देखने वाली बात होगी कि इन झोलाछाप डॉक्टरों पर किस प्रकार की कार्रवाई की जाती है या फिर कार्रवाई के अभाव में यह झोलाछाप डॉक्टर इसी तरह फलते फूलते लोगों की जान के साथ खेलवाड़ करते रहेंगे। अब तक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के द्वारा इन झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर किसी भी प्रकार का अभियान नहीं चलाया जा रहा है।

लाइसेंस बनने के बाद खोलूंगा मेडिकल दुकान

इस संबंध में वहां प्रेक्टिस करने वाले सोनू पांडे से बात करने पर उनके द्वारा बताया गया कि मैं उत्तर प्रदेश का निवासी हूं। लाइसेंस बन रहा अभी मैं डिस्पेंसरी मेडिकल का प्रैक्टिस करता हूं। उल्टी दस्त बुखार संहित अन्य बीमारियों का दवा और इंजेक्शन के माध्यम से इलाज करता हूं। लाइसेंस बनने के बाद मेडिकल दुकान खोलकर दवा बिक्री और इलाज किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के कोई अधिकारी जांच के लिए आएंगे तो उन्हें बताऊंगा कि किस प्रकार का इलाज यहां किया जाता है।

जांच टीम भेज कर उचित कार्रवाई की जाएगी- डॉक्टर मार्को

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पीएस मार्को से चर्चा करने पर उनके द्वारा कहा गया कि आपके माध्यम से जानकारी मिली है नर्सिंग होम एक्ट के तहत जांच टीम भेज कर उचित कार्रवाई की जाएगी साथ ही उन्होंने कहां के जिले में अब तक चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा लोगों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा गंभीरता से जांच कर उचित कार्रवाई कराई जाएगी।

सेक्स रैकेट मामलें में फरार होटल संचालक कुणाल बाग और सुमित बावरिया गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के गंज थाना क्षेत्र में अनैतिक देह व्यापार के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। होटल आदित्य गेस्ट हाउस और गगन ग्रैण्ड में चल रहे संगठित देह व्यापार रैकेट का खुलासा होने के बाद फरार चल रहे मुख्य आरोपी होटल संचालक कुणाल बाग और उसके पार्टनर सुमित बावरिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसमें दो महिलाएं भी शामिल थीं।ऽद्यह्यश क्रद्गड्डस्र - ? ५३.८८ केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक रेड के दौरान छह आरोपी हुए थे गिरफ्तार पुलिस सूत्रों के अनुसार, गंज थाना और एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की संयुक्त टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर होटल गगन ग्रैण्ड और होटल आदित्य गेस्ट हाउस में एक साथ छापा मारा था। यह कार्रवाई अनैतिक देह व्यापार (सिट एक्ट) १९५६ की धाराओं ३, ४, ५, ७ के तहत की गई थी।

झीरम घाटी हमला मात्र नक्सली हमला न होकर एक षड़यंत्र था ,जिसका उद्देश्य तत्कालीन अध्यक्ष स्व नंदकुमार पटेल की हत्या थी- सिंहदेव

कहा,आज तक एनआईए की रिपोर्ट राज्य सरकार को नहीं सौपना अनेक शंकाओ को दे रहा जन्म

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में शहीद हुए कांग्रेस नेताओं और उनके सुरक्षा कर्मियों की १२ वीं पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरांत पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि झीरम घाटी हमला मात्र नक्सली हमला न होकर एक षड़यंत्र था जिसका उद्देश्य कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष स्व नंदकुमार पटेल की हत्या थी। २५ मई २०१३ को बस्तर के झीरम घाटी में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर हमला हुआ था। इस हमले में कांग्रेस के १४ नेताओं उनके सुरक्षकर्मियो सहित ३३ लोगों की मृत्यु हो गई थी। इसमें कांग्रेस के कद्दावर नेता पंडित विद्याचरण शुक्ल, नंद कुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार, योगेंद्र शर्मा, दिनेश पटेल आदि थे। उस समय तत्कालीन कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष स्व नंदकुमार पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस पूरे छत्तीसगढ़ में परिवर्तन यात्रा का कार्यक्रम कर रही थी जिसके प्रभारी पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव थे। घटना दिनांक को परिवर्तन यात्रा सुकमा में सभा उपरांत जगदलपुर की ओर लौट रही थी तभी नक्सलियों ने दरभा के झीरम घाटी में यात्रा पर हमला कर कांग्रेस नेताओं सहित ३३ लोगों की हत्या कर दी थी। झीरम घाटी हमलों की बरसी पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पूरी घटना को सिलसिलेवार ढंग से बतलाने के बाद उन पहलुओं का खुलासा किया जो २५ मई २०१३ की घटना में एक गहरे षडयंत्र की ओर इशारा कर रहे थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक एवं बस्तर कांग्रेस के नेता राजेश तिवारी सुकमा में परिवर्तन रैली के रवाना होने के कुछ समय पूर्व अगले सभा की तैयारियों के लिए वहाँ से वापस निकल गए थे। उस दौरान उन्होंने पूरे मार्ग में कहीं भी सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं देखा था। जबकि प्रशासन को रूट की जानकारी दी गई थी। प्रशासन के पास इलाके में नक्सलियों के मूवमेंट के कई इनपुट होने के बावजूद ऐसा नहीं होना आश्चर्यजनक था। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि नक्सलियों ने हमलों के दौरान कई बार स्व नंदकुमार पटेल के बारे में पूछताछ कर उनकी पहचाना की और उसके बाद उन्हें और उनके पुत्र को अलग जंगल में ले जाकर उनकी हत्या कर दी। वास्तव में हमला स्व नंद कुमार पटेल को लक्ष्य कर किया गया था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि २०१३ में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते स्व नंदकुमार पटेल का मुख्यमंत्री बनना तय था। कोई था जो नहीं चाहता था कि वो मुख्यमंत्री न बने। इसी उद्देश्य से झीरम हमलों की सुनियोजित साजिश रची गई। उन्होंने एनआईए जाँच के लिये तय बिंदुओं को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन रमन सिंह सरकार ने एनआईए की जांच के लिये यह बिंदु ही तय नहीं किया कि यह घटना कैसे हुई, इस घटना की चूक का जिम्मेदार कौन था, नक्सली मूवमेंट की सूचना के बावजूद सुरक्षा बंदोबस्त क्यों नहीं थे। घटना के षड़यंत्र को जानने के लिए इन बिंदुओं पर जांच करवाने के बजाय राज्य सरकार ने एनआईए को भविष्य में ऐसी घटना न हो को जांच का मुख्य बिंदु बनाया गया। लाख प्रयास के बावजूद भी आज तक एनआईए की रिपोर्ट राज्य सरकार को नहीं सौपना अनेक शंकाओ को जन्म देता है। उन्होंने कहा कि वे परिवर्तन यात्रा के प्रभारी थे, लेकिन कभी भी एनआईए के द्वारा उन्हें पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जाना आश्चर्यजनक है। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने भी झीरम हमलों और परिवर्तन यात्रा के राजनीतिक प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। श्रद्धांजलि सभा को श्री हेमंत सिन्हा, मो इस्लाम, शैलेंद्र प्रताप सिंह, मदन जायसवाल, अशफाक अली, लोकेश पासवान, मिथुन सिंह और अमित वर्मा ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम एवं व्यवस्था का संचालन अमित तिवारी एवं निक्की खान के द्वारा किया गया। सभा मे शफीक खान, दुर्गेश गुप्ता, अनिल सिंह, अतुल तिवारी, विनोद एक्का, हरभजन भामरा, राशिद अहमद, मेराज गुड्डू, जमील खान, नरेन्द्र विश्वकर्मा, काजू खान, संजय सिंह, रजनीश सिंह, अविनाश कुमार, विकास केशरी, मो रियाजुल, मो सिराजुद्दीन, तरणराज बाबरा, सोहन जायसवाल,हनुमान सिंह, बैजनाथ ठाकुर, बिज्जू गुप्ता, दुर्गा गुप्ता, सावित्री ठाकुर, साधना कश्यप, मंजू सिंह, अमित सिन्हा, राजेश पांडे, कृष्ण मुरारी शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

12वीं राज्य स्तरीय कैडेट व जूनियर किकबॉक्सिंग टूनार्मेंट में योद्धा किक बॉक्सिंग के बच्चों का शानदार प्रदर्शन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

फीलआनंदम स्पोर्ट्स कांप्लेक्स सरगुजा में स्थित योद्धा किक बॉक्सिंग एंड एमएमए क्लब के ६ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने १२वीं राज्य स्तरीय कैडेट एवं जूनियर किकबॉक्सिंग टूनार्मेंट २०२५ में भाग लिया। यह प्रतियोगिता १२ एवं १३ मई को कोरबा में आयोजित हुई। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल ६ पदक हासिल किए और सभी का चयन वाको इंडिया इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप २०२५ के लिए हो गया है। टूनार्मेंट में विराट राजवाड़े ने १ स्वर्ण, १ कांस्य, हर्ष मंडल १ स्वर्ण,नील फ्लांडर १ स्वर्ण,आयुष सारथी १ स्वर्ण, दिव्यांश पटेल १ कांस्य व ऋतु एक्का ने १ रजत पदक जीता।टीम मैनेजर नितिन श्रीवास्तव, टीम कोच गन्नू खत्री व सहायक कोच आदित्य मुंडा ,रेफरी श्रीमती सोनिया सिंह पूरे आयोजन में शामिल रहे। योद्धा किक बॉक्सिंग एंड एमएमए क्लब के संचालक सर्वर एक्का ने बताया कि यह सफलता खिलाड़ियों की मेहनत, कोचेस की तैयारी और माता-पिता के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि ये खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जिले और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। साथ ही, योद्धा क्लब के सदस्यों स्वाति राजवाड़े, खेलावन दास, वर्षा गुप्ता, अमन जेनीश लकड़ा, प्रत्युप्त पांडेय, दीपक प्रजापति, लकी ठाकुर एवं शिवांचल दास ने भी विजेता खिलाड़ियों को उनकी सफलता पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फीलआनंदम स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के संस्थापक अतुल मेहता एवं श्रीमती अतुल रेखा मेहता ने भी सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे सरगुजा जिले के लिए गर्व का विषय है।

रतनपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सुना मन की बात

रतनपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज रतनपुर स्थित अपने कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ₹मन की बात₹ का सामूहिक श्रवण क्षेत्र के नागरिकों एवं कार्यकताओं के साथ किया। यह अवसर ना केवल प्रधानमंत्री के विचारों को सुनने का था, बल्कि जनसंपर्क और जनसमर्पण का भी एक सशक्त उदाहरण बन गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह कार्यालय परिसर में एकत्रित लोगों के साथ हुई, जहां मंत्री जायसवाल ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और उपस्थितजनों को भी कार्यक्रम के संदेशों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी।

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर अंतर्गत रोड रनिंग दौड़ का हुआ आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर २०२५-२६ का आयोजन ०५ मई २०२५ से प्रारंभ किया गया है। इसी तारतम्य में रविवार को प्रातः ०६:०० बजे से खेलों के द्वारा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से रोड रनिंग दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ गांधी स्टेडियम परिसर के बास्केट बॉल ग्राउंड से प्रारंभ होकर घड़ी चौक, संगम चौक से ब्रम्ह रोड से नमनाकला रोड होते हुए पुनः गांधी स्टेडियम परिसर में समाप्त हुई। इस दौड़ में विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लगभग ३०० खिलाड़ी, अभिभावक, कोच तथा आमजनों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक श्री रामकुमार सिंह, व्हालीबॉल संघ से श्री राकेश कुमार मिश्रा एवं श्री संजय सिंह, बास्केटबॉल संघ से श्री राजेश प्रताप सिंह, शतरंज संघ से श्री शेषरतन जायसवाल, फुटबॉल संघ से श्री उल्बुलन संगा, ताईक्वांडो संघ से श्री गन्नू खत्री एवं श्री अमन गुप्ता, योगा से श्री प्रमोद यादव एवं श्री अमर प्रसाद सिंह, श्री संदीप कुमार देवांगन आदि उपस्थित रहे

तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिल रहा 5500 रुपये प्रति मानक बोरा का दाम

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा अंचल में तेंदू पान के नाम से विख्यात तेंदूपत्ता का संग्रहण ग्रामीण क्षेत्र में कृषि के बाद लघु वनोपज संग्रहण ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आय का एक पूरक स्रोत है। राज्य के लाखों ग्रामीण प्रतिवर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण में करते हैं, जिससे उन्हें खेती के अलावा अतिरिक्त आमदनी का जरिया मिलता है।

सरकार की पहल बनी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा तेंदूपत्ता दर में की गई १५०० रुपये प्रति बोरा वृद्धि ने संग्राहकों को आर्थिक मजबूती दी है। पहले जहां प्रति मानक बोरा की दर ४००० रुपए मिलता था, अब इसे बढ़ाकर ५५०० रुपए कर दिया गया है। इस १५०० रुपए की वृद्धि से संग्राहकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी और ग्रामीण परिवारों को खेती के अतिरिक्त आमदनी का सशक्त स्रोत मिला है। जिले में तेंदूपत्ता संग्रगण का कार्य तीव्र गति से जारी है। मिली रिपोर्ट के अनुसार, जिले में कुल ३६,२०० मानक बोरा के लक्ष्य में से अब तक ३५,२१७.१२९ मानक बोरा तेंदूपत्ता का संकलन किया जा चुका है, जो कि कुल लक्ष्य का ९७.२८त्न है।दरिमा क्षेत्र के बरगवां समिति में तेंदूपत्ता बेचने आई श्रीमती फूलेश्वरी ने बताया कि वे २०१९ से तेंदूपत्ता संग्रहण कर रही हैं। उनका पूरा परिवार इस कार्य में सहभागी है। खेती-किसानी के साथ-साथ तेंदूपत्ता संग्रहण से उन्हें अच्छी आमदनी हो जाती है। श्रीमती फूलेश्वरी कहती हैं कि पहले की तुलना में अब काफी बेहतर मूल्य मिल रहा है, जिससे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और अन्य जरूरतों में आर्थिक सहायता मिल जाती है।

नशे की लत से समुदाय को दूर रखने अभिभावकों के साथ -साथ बच्चों को भी आध्यात्म से जोड़ना होगा

नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान की टीम के कार्यों की एसपी ने की सराहना

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान की टीम ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में सरगुजा पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात कर साझा किया नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र द्वारा संचालित गतिविधियां सरगुजा पुलिस एवं सरगुजा जिले के गैर सरकारी संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के प्रतिनिधियों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में सरगुजा पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात कर नवा बिहान

नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के द्वारा विगत पांच वर्षों से संचालित गतिविधियों को साझा किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व एवं कुशल फैसलीटेशन में उपस्थित सदस्यों ने अपना-अपना परिचय दिया। सरगुजा पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए सभी उपस्थित गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों से नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के गतिविधियों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सुझाव साझा करने हेतु आग्रह किया। नवा बिहान समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा के द्वारा नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के बारे में प्रारंभ से अब तक की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। वरिष्ठ समाजसेविका विद्या बहन ने कहा कि नशे की लत से समुदाय को दूर रखने हेतु अभिभावकों के साथ -साथ बच्चों को भी आध्यात्म से जोड़ना होगा। वरिष्ठ समाज सेविका वन्दना दत्ता ने सुझाव दिया कि इस मुहिम में महिलाओं को साथ लेकर चलना अभियान के लिए लाभप्रद होगा। वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी ने सुझाव दिया कि स्लम एरिया एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी नवा बिहान के कार्यक्रमों को गति प्रदान करना होगा। नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के संयोजक वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय ने सुझाव दिया कि शासन के सम्बन्धित विभागों से समन्वय बैठक आयोजित कर सभी के सहभागिता से नशामुक्ति अभियान, यातायात व्यवस्था एवं साइबर क्राइम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बेहतर क्रियान्वयन किया जा सकता है। साथ ही मीडिया का सहयोग भी आवश्यक होगा।नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के सदस्य वरिष्ठ समाजसेवी अधिवक्ता विजय शंकर तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी साहित्यकार कवि संतोष दास ₹सरल₹, वरिष्ठ समाज सेवी मनोज भारती,समाजसेविका हिना खान, सुनिधि शुक्ला एवं उपस्थित अन्य प्रतिनिधियों ने भी अपने- अपने बहूमूल्य सुझाव साझा किया।

जिला सरगुजा का है ये प्रण-जच्चा-बच्चा रहे सुरक्षित-किसी भी सेवा से ना रहे वंचित

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान,37 स्वास्थ्य केंद्रों पर 1122 गर्भवती महिलाओं को मिला लाभ

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में से एक प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत जिले में माह के ९ और २४ तारीख को विशेष प्रसवपूर्व स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। पहले यह अभियान केवल ९ तारीख को आयोजित होता था, लेकिन अब इसे हर माह दो बार किया जा रहा है, जिससे अधिकाधिक गर्भवती महिलाओं को लाभ मिल सके।

इस अवसर पर जिले के ३७ स्वास्थ्य केंद्रों में कुल ११२२ गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया गया। इनमें से २१३ महिलाओं को उच्च जोखिम गर्भवती के रूप में चिन्हांकित किए गए हैं, जबकि शेष ७२२ महिलाओं को जांच, उपचार एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की जा रहीं हैं।

अभियान के सुचारू क्रियान्वयन हेतु समस्त सामुदायिक, प्राथमिक एवं चिन्हांकित उप स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा दल की तैनाती की गई थी।इस अवसर पर नवापारा शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जिला कलेक्टर विलास भोसकर ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की।

जिले में प्रत्येक माह के ९ व २४ तारीख को चिन्हांकित स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित किया जाता है ! इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक गर्भवति माताओ में उच्च जोखिम वाले लक्षणों की पहचान कर ,समूचे उपचार किया जाना है साथ ही समय रहते समय रहते उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओ की सुरक्षित देखभाल व प्रबंधन किया जाना है.जिससे राज्य व जिले से मातृत्व मृत्यु के अनुपात को कम ही नहीं ,पूर्णतया शून्य किया जा सके !इस कार्यक्रम में ग्राम स्तर पर प्रत्येक गर्भवती महिलाओं की लाइन लिस्टिंग तैयार की जाती है जिसमे खासकर उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को ९ एवं २४ तारीख को स्वास्थ्य केंद्र (प्राथमिक एवं सामुदायिक एवं जिला अस्पताल) मिटानींन द्वारा लेकर आया जाता है !

राज्य टीम ने उपस्थित समस्त स्टाफ को उचित दिशा निर्देश

राज्य से डॉ हासिम एवं महेश द्वारा सीएचसी सीतापुर एवं सीएचसी उदयपुर का निरीश्चन किया एवं हितग्राही को दी जाने वाली सेवाओ का आंकलन किया ,जहाँ हितग्राही मितानिन द्वारा आई हुई थी ,चिकित्सक द्वारा जाँच एवं उपचार किया जा रहा है ।राज्य टीम द्वारा उपस्थित समस्त स्टाफ को उचित दिशा निर्देश दिया गया ! इसके साथ ही जिला टीम एवं विकासखंड की टीम द्वारा कार्यक्रम का सफल मॉनिटर किया ,जिसमे डॉ पी.एस.मार्को,डॉ पुष्पेंद्र राम ,एवं अन्य विकासखंड अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे !

मेंड्राखुर्द में हमर गांव हमर पानी महाभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय वृहद श्रमदान कार्यक्रम आयोजित, जल संरक्षण की ली गई शपथ

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

जिले में जल संवर्धन एवं जल संरक्षण को लेकर हमर गांव हमर पानी महाअभियान ३१ मई २०२५ तक सभी ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जल शपथ, जल सभा, जन जागरूकता रैली तथा श्रमदान जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज जनपद पंचायत अंबिकापुर के ग्राम पंचायत मेंड्राखुर्द में जिला स्तरीय वृहद श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन अमृत सरोवर घाट के पास किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन ने मिलकर श्रमदान किया और जल संरक्षण की दिशा में अपना सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसौदिया, श्री भारत सिंह सिसौदिया, जनपद अध्यक्ष श्री विक्रम सोनपाकर, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी, मेंड्राखुर्द, खलिबा, डिगमा, कुल्हाड़ी एवं

चाठीरमा ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसौदिया ने वर्षा जल संरक्षण हेतु वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए लोगों को जागरूक किया। उन्होंने च्च्जल बचाओ, जीवन बचाओज्ज का आह्वान करते हुए सभी ग्रामीणों से जल प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल द्वारा जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। उन्होंने जल संकट की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल बचाने की जिम्मेदारी समाज के हर व्यक्ति की है। जल बचाने के लिए जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि,आप स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार और सगे-संबंधियों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाया जा सके। हमर गांव हमर पानी महाअभियान जिले में जल चेतना जगाने और सामूहिक सहभागिता से जल स्त्रोतों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहा है।

गंगा दशहरा पर रेणुका नदी के तट पर होगा भव्य धार्मिक उत्सव

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

प्रतिवषार्नुसार इस वर्ष भी गंगादशहरा के अवसर पर रेण नदी तट पर तत्पर सेवा समिति द्वारा भव्य धार्मिक अनुष्ठान गंगा आरती का आयोजन किया गया है। बता दें कि तत्पर एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसायटी बिश्रामपुर द्वारा रेणुका नदी के तट, संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर, रेण नदी पुल के समीप विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ही भव्य दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संस्था द्वारा यह आयोजन वर्ष २०१८ से निरंतर किया जा रहा है और प्रति वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि भी हो रही है। यह आयोजन अब क्षेत्र की पहचान बन चुका है और सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस वर्ष भी सोसायटी द्वारा गंगा दशहरा के दिन ५ जून को भव्य गंगा आरती, सैकड़ों दीपों से दीपदान, रामनाम का अनवरत संकीर्तन, विशाल भंडारा का कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। इस आयोजन की खास बात यह है कि यह केवल एक संस्था का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सम्पूर्ण नगर की सामूहिक सहभागिता से संपन्न होता है। आयोजन को सफल बनाने में समिति से कार्यक्रम संयोजक आचार्य बालकिशुन गर्ग, कार्यक्रम अध्यक्ष आचार्य राजेश दुबे एवं रविन्द्र कहर, समिति अध्यक्ष आलोक उपाध्याय, सचिव दीपेश दुबे के अलावा विजय कुमार दुबे, रविशंकर दुबे, इंद्र कुमार गर्ग, शिवपूजन मिश्रा, राजू योगी व अन्य सक्रिय हैं। समिति अध्यक्ष आलोक उपाध्याय ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धर्म, सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि गंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, जल संरक्षण की चेतना और सामाजिक एकता का उत्सव है। इस दिन दीपों की रौशनी से जब नदी का तट जगमगाता है, तो जैसे आत्मा भी आलोकित हो उठती है। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति का विशेष ध्यान पर्यावरण संरक्षण पर भी है। इस अवसर पर प्लास्टिक मुक्त आयोजन, स्वच्छता अभियान और पौधरोपण संकल्प भी सम्मिलित किए जाएंगे। समिति के सदस्यों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया गया है।

निर्वाचन आयोग द्वारा कानूनी ढांचे को सशक्त बनाने हेतु अधिवक्ताओं एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अपने कानूनी ढांचे को सुदृढ़ और आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप पुनः सरेंखित करने के उद्देश्य से नई दिल्ली स्थित आईआईआईडीईएम में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने इस सम्मेलन का उद्घाटन निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में किया।

सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट और देश के २८ उच्च न्यायालयों के वरिष्ठ अधिवक्ता, आयोग के वरिष्ठ अधिकारीगण, एवं सभी

राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के ३६ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शामिल हुए।इस पहल का उद्देश्य आयोग की कानूनी संरचना को उभरती परिस्थितियों और विधिक चुनौतियों के अनुरूप रूपांतरित करते हुए समन्वय को सुदृढ़ बनाना है। सम्मेलन में गैर-प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण अपनाने और समुचित सुनवाई के अवसर सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। यह एक दिवसीय सम्मेलन भारत निर्वाचन आयोग और देश के प्रमुख विधि विशेषज्ञों के बीच संवाद और विचार-विमर्श का एक प्रभावी मंच बना। यह रणनीतिक पहल भारत में निर्वाचन न्यायशास्त्र की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार आयोग के विधिक संसाधनों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चर्चा में आयोग की विधिक टीम की तैयारी, दक्षता और समन्वय विशेषकर निर्वाचन कानून, न्यायिक प्रक्रियाओं और विधिक सुधारों से संबंधित पहलुओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। इस संवाद के माध्यम से आयोग ने न्यायिक मंचों पर अपनी विधिक प्रस्तुति की प्रभावशीलता को और अधिक सशक्त करने का प्रयास किया।

इसके अतिरिक्त, शुक्रवार को आयोग ने नई दिल्ली स्थित ढ्ढढ्ढष्ठश्वरू में ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का सम्मेलन भी आयोजित किया। यह सम्मेलन भारत निर्वाचन आयोग की ढ्ढञ्ज पहलों को सशक्त करने एवं एक ठोस रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। आयोग ने वर्ष २०२५ में एक नई पहल प्रारंभ की है, जिसके तहत एक एकीकृत डैशबोर्ड का डिजाइन और विकास किया जा रहा है। यह डैशबोर्ड सभी हितधारकों को विधिक प्रावधानों के दायरे में प्रासंगिक डेटा तक एकल विंडो एक्सेस प्रदान करेगा। यह अभिनव प्रयास आयोग की सभी ढ्ढञ्ज पहलों को एकीकृत मंच पर लाकर डिजिटल परिवर्तन को गति देगा।

रात्रि कालीन प्रीमियर लीग (आरपीएल) के पहले सीजन का भव्य शुभारंभ

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)।

नगर के हाई स्कूल मैदान में रामानुजगंज रात्रि कालीन प्रीमियर लीग (आरपीएल) के पहले सीजन का भव्य शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जयसवाल, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रमन अग्रवाल, उपाध्यक्ष शीला जायसवाल, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष आर.के.पटेल वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैयालाल अग्रवाल सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। शुभारंभ मैच बलरामपुर ब्लास्टर एवं लावा ११ के बीच खेला गया दोनों के बीच मैच काफी रोमांचकारी रहा जिसमें बलरामपुर ब्लास्टर ने चार विकेट से जीत हासिल की।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने आयोजन की जमकर सराहना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से ऐसे आयोजनों से क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए ताकि क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को भरपूर मौका मिल सके। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि ऐसे आयोजन समय-समय पर

होते रहे। उन्होंने कहा कि जब-जब इस प्रकार के आयोजन होंगे आयोजन समिति के साथ मेरा पूरा सहयोग रहेगा। क्षेत्रीय खेल प्रतिभाएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक खेले ऐसी मेरी शुभकामना है। आयोजन समिति के प्रमुख एवं खेल प्रेमी अंकित गुप्ता कल्टू ने कहा कि रात्रि कालीन क्रिकेट टूनार्मेंट में ३२ टीमें भाग ले रही है १५ दिनों तक मैच चलेगा प्रत्येक दिन ३ मैच आयोजित होंगे। आयोजन को सफल बनाने में अंकित गुप्ता, आकाश कश्यप, कलीम, गोलू कश्यप, मनजीत कश्यप, संतोष ठाकुर, नैतिक पांडे, आयुष ठाकुर, सन्नी दास, मिठू गुप्ता, अभिषेक सिंह, सत्येंद्र भारती सहित अन्य लोग सक्रिय है। इस दौरान एसडीएम देवेंद्र प्रधान,अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ राजीव तिवारी, थाना प्रभारी अजय साहू, भाजपा नेता दीनानाथ यादव, पार्षद अर्जुन दास, मनीषी गुप्ता, अरुण नागवंशी, पवन गुप्ता, मुकेश जायसवाल, अजीत गुप्ता, अनूप कश्यप सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भव्य आतिशबाजी के साथ हुआ मैच का आगाज

लंबे समय के बाद रामानुजगंज में हो रहे रात्रि कालीन मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह देखते बन रहा था। आयोजन को लेकर एक माह पूर्व से व्यापक स्तर में तैयारी की जा रही थी।रामानुजगंज सहित आसपास गांव एवं झारखंड से भी बड़ी संख्या में दर्शक मैच का लुफ्त उठाने पहुंचे थे। मैच के शुभारंभ के पूर्व आयोजन समिति के द्वारा जमकर भव्य आतिशबाजी की गई। शुभारंभ के पहले दिन ही अंतिम समय तक दर्शकों की भीड़ बनी रही है।

चार राज्यों की टीम लेगी हिस्सा

आयोजन समिति के प्रमुख अंकित गुप्ता ने बताया कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ झारखंड, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश की टीम भी मैच में सम्मिलित होगी। आयोजन को लेकर व्यापक स्तर में तैयारी की गई है। श्री गुप्ता ने बताया कि प्रथम पुरस्कार ७१००० एवं द्वितीय पुरस्कार ४१००० दिया जाएगा साथ में अन्य कई आकर्षक उपहार भी दिए जाएंगे।

रायपुर रेल मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान मनाया जा रहा

रायपुर। रायपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान २०२५ (२२ मई से ५ जून) के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर पर्यावरण संरक्षण हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । इस वर्ष का अभियान केवल एक दिन तक सीमित न होकर एक विस्तारित चरणबद्ध में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें चरणबद्ध रूप से जागरूकता, संवाद, और व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक २५ मई २०२५ को यात्रियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत जागरुकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें प्लास्टिक उपयोग में कमी और कचरा प्रबंधन के महत्व को समझाते हुए रायपुर स्टेशन पर स्वच्छता रैली केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक निकाली गई।

मुख्यमंत्री को वायदा याद दिलाने निकले कांग्रेस जिला अध्यक्ष, पेज 09

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नियुक्त किए 48 कनिष्ठ न्यायिक सेवा में सिविल जज

नई दिल्ली।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत की पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और दोनों देशों के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान कई हथियारों की चर्चा हुई थी. इसमें से एक 'आकाशतीर' एयर डिफेंस सिस्टम भी है.दरअसल, समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख समीर वी कामत ने कहा कि ₹भारत की स्वदेश निर्मित 'आकाशतीर' वायु रक्षा प्रणाली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बहुत अच्छा प्रदर्शन किया.वहीं, भारत सरकार ने भी भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान 'आकाशतीर' की महत्ता के बारे में बताया.आखिर 'आकाशतीर' क्या है, ये कैसे काम करता है और 'आकाशतीर' को लेकर सरकार ने क्या कहा है?पाकिस्तान ने भारतीय सेना और नागरिक क्षेत्रों पर जब हमला किया था तब आकाशतीर ने हर आने वाली मिसाइल (प्रक्षेपास्त्र) को रोक कर बेअसर कर दिया.

दरअसल, २२ अप्रैल २०२५ को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए हमले में २६ लोग मारे गए थे. इसके बाद भारत ने ६-७ मई की दरमियानी रात पाकिस्तान और पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में कई जगहों पर हमले किए.इसको लेकर भारत सरकार ने कहा था कि उसने चरमपंथी ठिकानों को निशाना बनाया है. इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी हमला किया और दोनों देशों के बीच १० मई की शाम तक सैन्य संघर्ष चला.केंद्र सरकार ने बयान जारी कर 'आकाशतीर' की कई खासियतें बताई हैं.सरकार ने कहा है, ₹आकाशतीर स्वचालित एयर डिफेंस कंट्रोल और रिपोर्टिंग सिस्टम है, जो दुश्मन के विमानों, ड्रोन और मिसाइलों का पता लगाने, ट्रैक करने और उनसे निपटने में सक्षम है.सरकार ने अपने बयान में कहा, पाकिस्तान अपने आयातित एचक्यू-९ और एचक्यू-१६ प्रणालियों पर निर्भर था जो भारतीय हमलों का पता लगाने और उन्हें रोकने में बुरी तरह नाकाम रहे. आकाशतीर ने वास्तविक समय के आधार पर स्वचालित वायु रक्षा युद्ध में भारत के वर्चस्व को प्रदर्शित और स्थापित कर दिया.₹आकाशतीर ने दिखा दिया कि वह दुनिया के किसी भी अस्त्र को अधिक तेजी से देखता है, निर्णय लेता है और हमला नाकाम कर देता है.भारत सरकार ने बताया कि आकाशतीर सी४आईएसआर (कमांड, कंट्रोल, कम्यूनिकेशन, कंप्यूटर, इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस) फ्रेमवर्क का हिस्सा है. ये अन्य सिस्टम के साथ मिलकर काम करता है.सरकार का कहना है कि आकाशतीर में लगे सेंसर में टैक्टिकल कंट्रोल रडार रिपोर्टर, ३डी टैक्टिकल कंट्रोल रडार, लो-लेवल लाइटवेट रडार और आकाश हथियार प्रणाली रडार शामिल हैं.सरकार ने कहा, ₹आकाशतीर के साथ तीनों सेनाओं (थल सेना, वायु सेना और नौ सेना) का समन्?वय रहता है. इससे अपने ही लक्ष्यों पर गलती से हमला करने का जोखिम भी कम हो जाता है. वाहन पर रखे जाने के कारण आकाशतीर अत्यधिक गतिशील रहता है और इसलिए दुर्गम और सक्रिय युद्ध क्षेत्रों में तैनाती के लिए यह सर्वोत्?तम है.केंद्र सरकार का दावा है कि यह तेजी से देखने, निर्णय लेने और दुनिया भर में किसी भी अन्य प्रणाली की तुलना में तेजी से हमला करने में सक्षम है.हमने पहले ही बताया कि 'आकाशतीर' एयर डिफेंस सिस्टम है. दरअसल, एयर डिफेंस सिस्टम यानी वायु रक्षा प्रणाली एक ऐसा सैन्य तंत्र है, जो दुश्मन के विमानों, मिसाइलों, ड्रोन और अन्य हवाई खतरों से किसी देश की वायु सीमा की सुरक्षा करता है.इस प्रणाली में रडार, सेंसर, मिसाइल और गन सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है. ऐसा करके हवाई खतरों का पता लगाकर और फिर उन्हें ट्रैक कर नष्ट करने के लिए कार्रवाई की जाती है.एयर डिफेंस कई चरणों में काम करता है. जैसे कि खतरे का पता लगाना, खतरे को ट्रैक करना और उसे नुकसान पहुंचाने से पहले समाप्त करना इसमें शामिल है.किसी भी देश के एयर डिफेंस सिस्टम का मुख्य उद्देश्य हवाई हमलों से लोगों और सैन्य ठिकानों की रक्षा करना है.

दुनिया को लड़वाकर हथियार बेचता है अमेरिका, 100 सालों से यही काम...

इस्लामाबादः पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो कह रहे हैं कि दुनिया को जंग में झोंककर अमेरिका पैसे कमाता है। उनका ये बयान उस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जब उन्होंने कुछ दिन पहले देश की संसद में भारत के खिलाफ गलत मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला दिया था, जिसका फैक्ट चेक पाकिस्तान के डॉन अखबार ने ही कर दिया था। उनका जो नया वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें उन्हें कहते सुना जा सकता है कि 'दुनिया में कहीं भी.. अमेरिका ऐसा १०० सालों से करता आ रहा है। वो युद्ध को भड़काते हैं। उन्होंने तकरीबन २६० जंगे लड़ी हैं अभी तक। चीन ने तीन लड़ी हैं। और वो इससे पैसा कमाते हैं।' ख्वाजा आसिफ पाकिस्तान के वही रक्षा मंत्री हैं, जिन्होंने भारत से तनाव के बीच विदेशी मीडिया में कबूला था कि पाकिस्तान सालों से आतंकवाद को अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए बढ़ावा देता आया है। अब उन्होंने आरोप लगाया है कि अपनी डिफेंस इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका दुनिया में कहीं भी जंग भड़काता रहता है और फिर उसमें अपने हथियार बेचकर पैसा कमाता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि 'जंग के दौरान अमेरिका दोनों पक्षों की तरफ से भूमिका निभाता है और इस तरह से वो अपनी स्थापित डिफेंस इंडस्ट्री को वैश्विक अस्थिरता से सींचता है।' ख्वाजा आसिफ का ये वायरल वीडियो कब का है, इसके बारे में फिलहाल हमारे पास जानकारी नहीं है। इस वीडियो में तारीख नहीं है। इसमें वो कह रहा है कि ₹दुनिया में हर जगह...अमेरिकी युद्ध छेड़ रहे हैं । शायद पिछले १०० सालों से। उन्होंने २६० युद्ध लड़े हैं, चीन ने ३ लड़े हैं। वे (अमेरिका) अभी भी पैसा कमा रहे हैं...सैन्य उद्योग उनके सकल घरेलू उत्पाद का एक बड़ा हिस्सा है...इसलिए उन्हें युद्ध में शामिल होना पड़ता है...वे देशों को लड़वाते हैं...कभी यहां, कभी वहां...जब देश लड़ते हैं तो वे कमाते हैं।

उन्होंने फिलिस्तीन, सीरिया, मिस्र और लीबिया में ऐसा किया है...ये अमीर देश थे...वे अब युद्ध के कारण दिवालिया हो चुके हैं और अमेरिका ने कमाई की है। ख्वाजा आसिफ के इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इससे पहले भारत के साथ संघर्ष के दौरान उन्होंने सीएनएन को दिए गये एक इंटरव्यू में दावा किया था कि वह बलूचिस्तान के खुजदार जिले में एक स्कूल बस पर हुए हमले में भारत की कथित संलिप्तता को साबित करने के लिए ₹पूरे सबूत₹ पेश करेंगे।

पाकिस्तान में परिवार के सामने बलूच पत्रकार की गोली मारकर की हत्या, पाकिस्तानी फौज की हिरासत में हुई थी घर के 7 सदस्यों की मौत

इस्लामाबादः पाकिस्तान की सेना ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए बलूच पत्रकार की उनके परिवार के सामने गोली मारकर हत्या कर दी है। मशहूर पत्रकार अब्दुल लतीफ बलोच की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। ये घटना मश्के में हुई है। न्यूज एजेंसी हद्ध की रिपोर्ट के मुताबिक बलोच याकजेहती कमेटी (क्त्रङ्घष्ट) नाम के एक स्थानीय मानवाधिकार समूह ने पत्रकार की परिवार के सामने गोली मारकर हत्या किए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि कुछ हथियारबंद लोगों ने ३ बजे सुबह लतीफ पर हमला किया। ये हमला उनके परिवार के सामने हुआ। बलूच पत्रकार लतीफ बलोचिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन और सैन्य अभियानों पर बेखौफ होकर रिपोर्टिंग करते थे। इसलिए लोग उनका सम्मान करते थे। वे जबरन गायब किए जाने, गैरकानूनी हत्याओं और आम बलोच नागरिकों के संघर्षों के बारे में लिखते थे। उनकी मौत दिखाती है कि पाकिस्तान में पत्रकारों को कितना खतरा है। अब्दुल लतीफ बलोच की हत्या उस वक्त हुई, जब कुछ महीने पहले उनके बेटे सैफ बलोच और परिवार के सात अन्य सदस्यों को सुरक्षा बलों ने अगवा कर लिया था। बाद में वे सब मृत पाए गए थे। कार्यकताओं का कहना है कि पाकिस्तान की 'किल एंड डंप' पालिसी के तहत ऐसा किया जा रहा है। इसका मतलब है, विरोध करने वालों को मार डालना और चुप करा देना। ऐसा बलोच पहचान को दबाने के लिए किया जा रहा है।

पाकिस्तान में बलूच पत्रकार की बेरहमी से हत्या

बलोच वीमेन फोरम की शाले बलोच ने इस हत्या को बलोच लोगों के खिलाफ 'सिस्टमैटिक वायलेंस' का हिस्सा बताया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संगठनों और मीडिया से हस्तक्षेप करने की अपील की है। उनका कहना है कि अगर दुनिया चुप रहेगी, तो और खून खराबा होगा। मानवाधिकार समूहों और प्रेस की स्वतंत्रता के लिए काम करने वाले संगठनों ने इस हत्या की निंदा की है। वे पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि बलोचिस्तान में लगातार मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। लोगों को जबरन गायब किया जा रहा है, गैरकानूनी तरीके से मारा जा रहा है और विरोध करने वालों की आवाज दबाई जा रही है। ₹सिस्टमैटिक वायलेंस₹ का मतलब है, एक योजना के तहत हिंसा करना।. ये हिंसा किसी खास समूह या समुदाय को निशाना बनाकर की जाती है। ₹किल एंड डंप₹ पालिसी का मतलब है, लोगों को मारकर कहीं फेंक देना। ऐसा अक्सर सरकार या सुरक्षा बल करते हैं, ताकि किसी को पता न चले कि उन्होंने क्या किया है। आपको बता दें कि क्त्रङ्घष्ट एक मानवाधिकार समूह है। ये लोगों के अधिकारों के लिए काम करता है। ये बलोचिस्तान में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघनों के बारे में जानकारी इकट्ठा करता है और उसे दुनिया तक पहुंचाता है।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)
डॉ. मनीष चौरसिया — M.S. (General Surgery) M.Ch. (Neuro Surgery)
डॉ. गौरी शंकर सिंह — MBBS (AFMC) MD (Psychiatry)
डॉ. बी.बी.कुमार
डॉ.आकाश गर्ग — MBBS,DNB (MEDICINE)
डॉ.विनय कुमार
तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर — 1.5 TESLA MRI
डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड अम्बिकापुर
डॉ.आशु जैन — MS, MCH, FIHU, Neuro Surgery
डॉ.सलमान — MD Medicine (Mumbai)
डॉ.निशांत कुमार साहू
सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र 1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilites
01 जून 2025, प्रत्येक माह के प्रथम रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें 07774222555,9425583780,9826183780, 8224007799,8718003300,6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY (स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर, मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई, सीटी स्कैन, सोनोग्राफी, टी.एन.टी.
ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे), ई.ई.जी., ई.सी.जी., टीकाकरण की सुविधा प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता: माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

हितग्राही भी कम नहीं, PM आवास की राशि बेफिजूल में उड़ा दिए

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर से एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। जहां केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (क्करूड्ढ) का गलत इस्तेमाल होने का खुलासा हुआ है। २०१६ से २०२३ तक जिले में करीब ५९,५२३ घरों की मंजूरी मिली थी, लेकिन इनमें से ३६०० मकान आज भी अधूरे पड़े हैं। इसकी असली वजह जानने जब जिला पंचायत की टीम ने डोर-टू-डोर सर्वे कराया, तो नतीजे चौंकाने वाले थे। सर्वे में पाया गया कि कई लोगों ने सरकार से मिली राशि को मकान निर्माण में लगाने के बजाय बाइक खरीदने, शादी समारोह खर्च करने जैसे गैरजरूरी कामों में उड़ा दिया। कुछ लोगों ने घर बनाने की शुरूआत की भी, लेकिन नियमों को ताक पर रखकर ज्यादा जमीन पर निर्माण कर डाला, जिससे बजट बढ़ गया और घर अधूरा रह गया। कई लाभार्थी पैसा लेने के बाद दूसरे राज्यों में पलायन कर गए, तो कुछ ऐसे भी हैं जो अपने अधूरे मकान को पूरा करना चाहते हैं, मगर कानूनी अड़चनों में फंसे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नियुक्त किए 48 कनिष्ठ न्यायिक सेवा में सिविल जज...पेज 11

देवी अहिल्याबाई होल्कर के जयन्ती पर जिले के विद्यालयों में हुए विभिन्न कार्यक्रम

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायतकमलेश नन्दनी साहू के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी, भारती वर्मा एवं जिला मिशन समन्वयक, शशिकान्त सिंह के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न विद्यालयों में देवी अहिल्याबाई होल्कर के जयन्ती के अवसर पर देवी अहिल्याबाई होल्कर के छाया चित्र पर धूप दीप एवं माल्यार्पण कर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। देवीअहिल्याबाई होल्कर का (जन्म ३१ मई १७२५ एवं मृत्यु १३ अगस्त १७९५) १८वीं शताब्दी की असाधारण शासक और लोकमाता थी, उनमें कुशल प्रशासक, न्यायप्रीय, दुरदर्शी सोच,
जनकल्याणकारी कार्य, वीर योद्धा सैन्य रणनीतिकार, धार्मिक एवं नैतिक आचरण, महिला सशत्तिकरण की समर्थक तथा उन्होने पूरे भारत में ३०० से अधिक मंदिरों और अन्य धार्मिकसंस्थानों का निर्माण और जीणोर्धार करवाया, जिनमें काशी विश्वनाथ और सोमनाथ मंदिर प्रमुख हैं। सामाजिक सुधार रूप में स्कूलों और अस्पतालों की स्थापना की जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ। उन्हें लोकमाता, पुण्यश्रलोका और न्याय की देवी जैसे विशेषणों से सम्मानित किया जाता है। उनका जीवन, कार्य और उपलब्धीयां भारतीय इतिहास में प्रेरणा का स्त्रोत हैं। जिले के कस्तुरबा गान्धी आवासीय विद्यालयों, पी.एम. श्री विद्यालयों, सेजेस विद्यालयों, प्रा.शा., मा.शा. हाई स्कूल एवं हायरसेकेण्डरी विद्यालयों में देवी अहिल्याबाई होल्करके छाया चित्र पर धूप दीप एवं माल्यार्पण कर छात्रों के प्रतिभावों के विकास हेतु विभिन्न प्रकार से देवी अहिल्याबाई होल्कर के प्रेरणादायक जीवन परिचय, पोस्टर मेंकिंग, जीवनी पर आधारित निबन्ध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, कहानी का आयोजन तथा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम छात्र छात्राओं से आयोजित कर बच्चो को पुरस्कृत करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया गया। इस अवसर पर कईविद्यालयों में शिक्षकों एवं पालकों के द्वारा बच्चों को गीत संगीत सिखाया गया एवं देवी अहिल्याबाई होल्कर के जयन्ती संगीत के माध्यम से भी मनाया गया ।देवी अहिल्याबाई होल्कर के जयन्ती कार्यक्रम में विद्यालय के शाला प्रबंधन के
सदस्य, जन प्रतिनिधी, पालक, प्राचार्य, प्रधान पाठक, शिक्षक, शिक्षिकायें एवं छात्र छात्राओं के उपस्थिति में हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया तथा उनके प्रेरणादायक जीवनी से सीख लेकर समाज सुधार हेतु प्रेरणा लिया गया।

डिप्टी कलेक्टर संजय मरकाम प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे दिल्ली

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। डिप्टी कलेक्टर संजय कुमार

मरकाम का प्रतिनियुक्ति में स्थानांतरण मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी के पद पर कार्यालय आवासीय आयुक्त, पूर्व किदवईनगर, नई दिल्ली में हुआ है। नई दिल्ली स्थित कार्यालय आवासीय आयुक्त के अधीन छ. ग. भवन, छ. ग. सदन और छ. ग. निवास संचालित है, जहाँ छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण सहित सम्बंधित अधिकारीगण के शासकीय कार्यों का संपादन हेतु कार्यालय सह विश्राम भवन बने हुए है।कार्यालय आवासीय आयुक्त के द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार और भारत सरकार के मध्य विभागीय कार्यों व महत्वपूर्ण फाइलो के लिये मध्यस्था की भूमिका अदा की जाती है।

ऐसे 7 देश जहां नहीं रहता एक भी भारतीय, एक तो है पडोसी, शायद ही जनता होगा कोई इनका नाम

नई दिल्ली। दुनिया में ऐसे कई देश हैं, जहां भारतीय जनसंख्या बेहद ही कम है या फिर बिल्कुल भी नहीं है, जानिए उन देशों के बारे में जहां आप घूमने तो जा सकते हैं, लेकिन वहां बसने के लिए नहीं। ये लिस्ट काफी लंबी है लेकिन हमने ७ देशों के बारे में इस लेख में बताया है। भारत के कई लोग दूसरे देशों में जाते हैं और वहीं पढ़ने-लिखने कमाने के बाद बस जाते हैं। एशिया देशों से लेकर यूरोप और अमेरिका तक दुनिया के कई हिस्सों में आपको भारतीय लोग रहते हुए दिख जाएंगे। आप नाम लीजिए और वहां से भारतीयों की एक लंबी लिस्ट सामने आ जाएगी। लेकिन कुछ ऐसे देश भी हैं, जहां एक भी भारतीय नहीं मिलेगा, जी हां दुनिया में कुछ ऐसे देश हैं जहां इंडियंस का प्रतिशत ना के बराबर है। अगर आप इन देशों में रहने का सपना देख रहे हैं, तो पहले जान लें जीरो इंडियन पॉपुलेशन की लिस्ट कहां-कहां है। वेटिकन सिटी - वेटिकन सिटी, जो रोम के बीचों-बीच स्थित है, दुनिया का सबसे छोटा देश है! ये कैथोलिक धर्म का आध्यात्मिक केंद्र भी है और यहां की मशहूर जगहों में सेंट पीटर्स बेसिलिका और वेटिकन म्यूजियम्स शामिल हैं। भारतीय यहां टूरिस्ट के तौर पर जा सकते हैं, लेकिन यहां कोई भी भारतीय नहीं रहता। सैन मैरीनो - सैन मैरीनो, जो इटली के एपेनीन पहाड़ों में बसा हुआ है, दुनिया के सबसे पुराने गणराज्यों में से एक है। ये छोटा-सा देश अपनी शानदार इमारतों, खूबसूरत नजरों और पुरानी परंपराओं के लिए जाना जाता है। यहां दुनियाभर से टूरिस्ट आते हैं, भारतीय भी आते हैं, लेकिन यहां भारतीयों की आबादी ना के बराबर है। बुल्गारिया, यूरोप का एक बहुत ही खूबसूरत देश है, जहां आपको समुद्र तट, ब्लैक सी और बाल्कन पहाड़ियां देखने को मिलती हैं। लेकिन इतनी सुंदरता और संस्कृति होने के बावजूद, भारत से यहां बहुत कम लोग जाकर बसे हैं। यानी आप यहां घूमने जा सकते हैं, पर रहने वाले भारतीय शायद ही मिलें। तुवालू, प्रशांत महासागर के कोने में बसा एक बहुत ही छोटा और कम आबादी वाला देश है। ये ९ कोरल द्वीपों से मिलकर बना है और इसकी समुद्री खूबसूरती लाजवाब है। भारतीय यहां घूमने तो आ सकते हैं, लेकिन यहां कोई भी भारतीय स्थायी रूप से नहीं रहता, क्योंकि ये देश बाकी दुनिया से काफी कटा हुआ है।

तेंदुपत्ता प्रबंधक के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। ग्राम बटई चौकी रेवटी के रामजतन सिंह ने चौकी रेवटी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वर्ष २०२४ में इसकी पुत्री का तेन्दुपत्ता प्रबंधक के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर अब्दुल रहीम के द्वारा कई किस्तों में ३ लाख रुपए नगद लिया गया, काफी समय बीत जाने के बाद भी पुत्री की नौकरी नहीं लगा और न ही पैसा वापस किया। अब्दुल रहीम के द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करना पाए जाने पर अपराध क्रमांक ३५/२०२५ धारा ३१८(४), ३(५) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने धोखाधड़ी के आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने

के निर्देश दिए।

चौकी रेवटी पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान चलगली में घेराबंदी कर आरोपी अब्दुल रहीम पिता अब्दुल अजीज उम्र ४७ वर्ष ग्राम मानी, थाना प्रतापपुर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने नौकरी लगाने के नाम धोखाधड़ी कर रकम लेना और २ लाख ४५ हजार रुपए को एक अन्य व्यक्ति को देना बताया है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है वहीं एक अन्य फरार आरोपी की पतासाजी की जा रही है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी रेवटी कृष्णा सिंह, एएसआई ज्ञानचंद, प्रधान आरक्षक शरद सिंह, शिव राजवाड़े, आरक्षक बिरन सिंह व राजू मरकाम सक्रिय रहे।

नारी शक्ति, न्यायप्रियता एवं जनकल्याण की प्रतीक देवी अहिल्या

सूरजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
रविवार को पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नवापारा में देवी अहिल्या होल्कर जी की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा देवी अहिल्या जी के चित्र पर पुष्प अर्पित की गई ।कार्यक्रम की शुरूआत देवी अहिल्या होलकर जी के जीवन परिचय एवं उनके कार्यों पर प्रकाश डालते हुए की गई। वक्ताओं ने बताया कि देवी अहिल्या जी नारी शक्ति, न्यायप्रियता एवं जनकल्याण के प्रतीक के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने अपने शासनकाल में अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्य किए, जिनकी स्मृति आज भी प्रेरणादायक है ।इस अवसर में छात्रों के प्रतिभाओं के विकास हेतु विभिन्न प्रकार के भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला, निबंध से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया। व प्राचार्य पीएमश्री सेजेस नवापारा सूरजपुर मनोज कुमार झा व समस्त विद्यालयीन स्टॉफ के द्वारा आयोजन सम्पन्न कराया गया व बच्चों को पुरस्कृत किया गया ।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

आईफोन पर ट्रंप की चेतावनी भारत को कितना नुकसान पहुंचा सकती है

नई दिल्ली।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल भारत में फोन बनाना चाहे तो बनाए, लेकिन ये टेक कंपनी बगैर टैरिफ के अमेरिका में अपने प्रोडक्ट नहीं बेच पाएगी.ट्रंप ने शुक्रवार को राष्ट्रपति दफ्तर में अमेरिका में कुछ एग्जीक्यूटिव आदेशों पर दस्तखत के बाद ये बयान दिया.इससे पहले जब डोनाल्ड ट्रंप यूरोपियन यूनियन के साथ अमेरिका की ट्रेड डील शुरू होने से पहले बोल रहे थे, तब भी उन्होंने कहा था कि अमेरिका में बाहर से बन कर आने वाले आईफोन पर २५ फीसदी टैरिफ लगेगा.आईफोन को लेकर एक के बाद दिए गए ट्रंप के इन दोनों बयानों ने एपल की चिंता बढ़ा दी है क्योंकि चीन में टैरिफ बढ़ने के बाद वो भारत को आईफोन के मैन्युफैक्चरिंग बेस के तौर पर विकसित करने की कोशिश कर रही है.ये भारत और इसकी मैन्युफैक्चरिंग के लिए भी चिंता की बात है क्योंकि एपल अपने १५ फीसदी फोन भारत में बनाती है. एपल का इरादा इसे २५ फीसदी तक ले जाने का है.ट्रंप के इन बयानों से कुछ सप्ताह पहले ही एपल ने कहा था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले ज्यादातर आईफोन भारत में ही बनेंगे.इसके बाद इसकी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत में १.४९ अरब डॉलर की यूनिट लगाने की मंशा जताई थी. फॉक्सकॉन ने लंदन स्टॉक एक्सचेंज को बताया है कि वह अपनी भारतीय इकाई युझान टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड में ये निवेश करेगी.
कंपनी ये मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट चेन्नई में लगाएगी. पिछले साल अक्तूबर में तमिलनाडु सरकार ने कांचीपुरम में युझान की १३ हजार १८० करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी.डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक को काफी पहले बता दिया था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन को वहीं बनाना होगा. भारत या किसी और जगह नहीं.
उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "मैंने टिम कुक को बता दिया था कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन वहीं बनाने होंगे. कुक ने कहा था कि वो भारत में प्लांट लगाने जा रहे हैं. मैंने कहा कि ठीक है लेकिन आप अमेरिका में बगैर टैरिफ के आईफोन नहीं बेच पाएंगे. "सवाल ये है कि ट्रंप की इस चेतावनी के बाद क्या एपल भारत में बने आईफोन अमेरिका को बेच पाएगी. और इससे एपल और भारत का कितना नुकसान होगा.अमेरिका में आईफोन बनाने से वहां रोजगार बढ़ेगा लेकिन क्या एपल वहां आईफोन बना कर मुनाफा कमा पाएगी?इन सवालों के जवाब जानने के हमने ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के फाउंडर अजय श्रीवास्तव से बात की.अजय श्रीवास्तव ने बीबीसी को बताया, "एक हजार डॉलर के आईफोन में भारत और चीन को ३० डॉलर ही मिल पाते हैं. भले ही दोनों अब इसके अहम मैन्युफैक्चरिंग हब हैं. ये आईफोन की कुल रिटेल कीमत का सिर्फ तीन फीसदी है."वो कहते हैं कि इसके बावजूद भारत में आईफोन बनाना अमेरिका से काफी सस्ता है क्योंकि यहां इसकी मैन्युफैक्चरिंग में लगे कर्मचारियों का वेतन काफी कम है.अजय श्रीवास्तव कहते हैं कि भारत में आईफोन की असेंबलिंग में लगे लोगों का प्रति माह औसत वेतन १७ से २० हजार रुपये यानी २३० डॉलर है.वहीं अमेरिका में ये वेतन २९०० डॉलर प्रति माह होगा क्योंकि वहां न्यूनतम मजदूरी का सख्त कानून है. यानी एपल को अमेरिका में भारत से १३ गुना ज्यादा वेतन देना होगा.जीटीआरआई के विश्लेषण के मुताबिक भारत में एक आईफ़ोन की असेंबलिंग की लागत ३० डॉलर आती है. वहीं अमेरिका में ये लागत बढ़ कर ३९० डॉलर हो जाएगी.इसके अलावा एपल को भारत सरकार की पीएलआई स्कीम (प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव) का भी फायदा मिलता है.'इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एपल की तीन प्रमुख मैन्युफैक्चरर्स फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन (अब टाटा की कंपनी) को तीन साल के भीतर पीएलआई स्कीम के तहत ६६०० करोड़ रुपये मिले हैं.एपल के भारत में उत्पादन बढ़ाने से नई नौकरियों के मौके भी पैदा हुए हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल अगस्त तक एपल के फोन का उत्पादन कर रहीं और उनसे जुड़ी कंपनियों में १ लाख ६४ हजार से अधिक लोग सीधे तौर पर काम कर रहे थे.

मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार किस संकट में फंसी कि उन्हें इस्तीफे के बारे में सोचना पड़ा?

नई दिल्ली।
बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अचानक एक संकट भरे मोड़ पर पहुंच गई है. प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के इस्तीफा देने के बारे में विचार करने से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद इस सरकार के भविष्य के बारे में अनिश्चतता पैदा हो गई है.फिलहाल राजनीतिक हलकों में सबसे ज्यादा चर्चा इसी सवाल पर है कि आखिरकार प्रोफेसर यूनुस अचानक इस्तीफा देने के बारे में क्यों सोच रहे हैं और सभी सक्रिय राजनीतिक दलों के समर्थन से बनी ये सरकार ऐसे संकट में कैसे फंस गई ?ये सब ऐसे समय में हो रहा है जब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही है और उसने अंतरिम सरकार से समर्थन वापस लेने के संकेत भी दिए हैं.वहीं, दूसरी तरफ सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने बीते बुधवार को सैन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक में चुनाव, रखाइन के लिए एक मानवीय कॉरिडोर के साथ ही मॉब वायलेंस जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की. इनसे जुड़ी खबरें मीडिया में भी आई हैं.इन सबके बीच अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को सरकार के दूसरे सलाहकारों के साथ बैठक में ये बताया कि वो इस्तीफा देने के बारे में सोच रहे हैं. ये बैठक पहले से तय नहीं थी. उन्होंने बैठक में इस बात पर नाराजगी और हताशा जताई कि बाकी दलों के असहयोग और बाधाएं पैदा करने की वजह से उनकी सरकार काम नहीं कर पा रही है.नेशनलिस्ट सिटीजंस पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला को प्रोफेसर यूनुस के इस्तीफे के विचार के बारे में बताया. उन्होंने गुरुवार को ही मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की थी. नाहिद इस्लाम के हवाले से ही मोहम्मद यूनुस के इस्तीफे की खबरें मीडिया तक पहुंची.अब राजनीतिक दल इस स्थिति का अलग-अलग ढंग से विश्लेषण कर रहे हैं. बीएनपी का कहना है कि मुख्य सलाहकार के इस्तीफे की खबरें, एक तय चुनावी रोडमैप और तीन सलाहकारों के इस्तीफे से जुड़ी उसकी मांगों से ध्यान हटाने के लिए लाई गई हैं.पार्टी के नीति निर्धारण स्तर के एक नेता ने बीबीसी बांग्ला से कहा, ₹देश चलाते समय भावनाएं उकसाने की कोई जरूरत नहीं है.बीएनपी समेत कई दलों के नेताओं का कहना है कि जब सरकार की कमजोरी की वजह से स्थिति संभालने में उसकी विफलता पर सवाल उठता है तो वो इस्तीफे को बाकी राजनीतिक दलों के सामने धमकी या चेतावनी के तौर पर रखते हैं.अब अंतरिम सरकार के इस संकट को दूर करने के लिए जमात-ए-इस्लामी ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की सलाह दी है.लेकिन सरकार की ओर से अभी तक इस पर कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है.बीते साल जुलाई में बड़े पैमाने पर आंदोलन के कारण अवामी लीग के सत्ता से हटने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में गठित इस अंतरिम सरकार को उस आंदोलन के नेताओं के अलावा बीएनपी और जमात समेत कई राजनीतिक दलों और सेना के साथ ही सभी राष्ट्रीय संस्थानों ने पूर्ण समर्थन दिया था.अब राजनेता और विश्लेषक सवाल उठा रहे हैं कि इतने भारी समर्थन के बावजूद इस सरकार पर नाकाम रहने का आरोप क्यों लग रहा है? जानकारों का कहना है कि जुलाई के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्रों के प्रति प्रोफेसर यूनुस की सहानुभूति है और वो कई बार इस बात को स्वीकार कर चुके हैं.आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्रों ने जब एनसीपी नामक नई पार्टी का गठन किया तो उसके प्रति भी पक्षपात देखा गया. इससे बीएनपी में नाराजगी बढ़ी.हालांकि सलाहकार परिषद में शामिल रहे एक छात्र प्रतिनिधि ने इस्तीफा देकर इस पार्टी की कमान संभाली है. लेकिन दो और छात्र प्रतिनिधि सलाहकार के पद पर काबिज हैं. बीएनपी उनके इस्तीफे की मांग के लिए सड़कों पर प्रदर्शन कर रही है.अंतरिम सरकार के बीते नौ महीनों के कार्यकाल में पहले भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन और उसके बाद एनसीपी के बैनर तले विभिन्न मुद्दों पर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं.सबसे आखिर में अवामी लीग पर पाबंदी लगाने की मांग में मुख्य सलाहकार के आवास के सामने भी धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की योजना थी. लेकिन सरकार ने उस कार्यक्रम पर पाबंदी लगा दी थी.बीएनपी अक्सर सरकार के खिलाफ एनसीपी के प्रति समर्थन के आरोप लगाती रही है. अब एक बार फिर उसने यह मुद्दा उठाया है.दूसरी ओर, देश में सड़कों पर जुटने वाली भीड़ की अनुशासनहीनता के सवाल पर भी काफी चर्चा हो रही है.विश्लेषकों का कहना है कि कुछ मामलों में भीड़ के जरिए अराजकता पैदा कर राजनीतिक समेत दूसरी मांगों पर दबाव बनाने का भी प्रयास किया जा रहा है. इस मामले में सरकार की कमजोरी उजागर हुई है. कुछ मामलों में सरकारी संरक्षण या समर्थन के सवाल पर भी चर्चा होती रही है.इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की नाकामी के आरोपों के साथ ही राजनीतिक दलों के असहयोग के सवाल भी बहस होती रही है.
सरकार के कई सलाहकारों ने बताया है कि मुख्य सलाहकार ने गुरुवार को उनके साथ हुई बैठक में भागीदारों के इस असहयोग का जिक्र करते हुए हताशा और नाराजगी जताई है.विश्लेषकों का कहना है कि राजनीति में विभाजन, विभिन्न दलों और सरकारी हितधारकों के हितों को लेकर टकराव अब साफ नजर आने लगे हैं. इसीलिए असहयोग का मुद्दा साफ हो गया है.लेखक और राजनीतिक विश्लेषक मोहिउद्दीन अहमद ने बीबीसी बांग्ला को बताया, ₹फिलहाल तीन पार्टियों- बीएनपी, जमात और एनसीपी का ही सबसे ज्यादा प्रभाव है. लेकिन इन तीनो के आपसी संबंधों में तनाव बढ़ने के कारण राजनीति में विभाजन पैदा हो गया है.उनके मुताबिक, सरकार की ओर से कॉरिडोर समेत विभिन्न मुद्दों पर बीएनपी सहित दूसरे दलों और हितधारकों के साथ विचार-विमर्श नहीं किया गया. इससे उनमें भारी नाराजगी है.अहमद कहते हैं, मुख्य सलाहकार में राजनीतिक स्थिति को संभालने की दक्षता की कमी है. कुल मिलाकर सरकार काम नहीं कर पा रही है. इसी वजह से उसके सामने गंभीर संकट पैदा हो गया है और उसे चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है.विश्लेषक ये भी सवाल उठा रहे हैं कि कॉरिडोर समेत विभिन्न विवादास्पद मुद्दे सरकार के अंदर से ही सामने लाए जा रहे हैं, तो क्या सरकार के भीतर कोई गुट काम कर रहा है ?पार्टी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद बीबीसी बांग्ला से कहते हैं,

₹राष्ट्र को चलाने में भावना को उकसाने की कोई जरूरत नहीं है. पार्टी की राय है कि चुनावी रोडमैप की मांग उठाने की वजह से ही इस तरह की भावना की बात कही जा रही है.सरकार के एक सलाहकार ने बीबीसी को बताया कि अपने आवास पर हुई बैठक में मुख्य सलाहकार ने अपने इस्तीफे. के विचार का जिक्र करते हुए बीएनपी के सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करने पर भी निराशा जताई थी.दूसरी ओर, बीएनपी नेताओं का कहना है कि ढाका दक्षिण सिटी कॉरपोरेशन के मेयर के तौर पर पार्टी के नेता इसराक हुसैन को अदालत का समर्थन मिला है. लेकिन इसके बावजूद उनको कार्यभार नहीं सौंपा जा रहा है. इसी वजह से पार्टी आंदोलन कर रही है.सरकार ने इस मांग को स्वीकार करने में कानूनी बाधा होने की दलील दी है.बीएनपी ने सलाहकार परिषद में शामिल दो छात्र प्रतिनिधियों- आसिफ महमूद सजीव भुइयां और महफूज आलम के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान के इस्तीफे की भी मांग उठाई है.बीएनपी ने इसराक हुसैन को मेयर का कार्यभार सौंपने के साथ ही कुछ दूसरी मांगों के समर्थन में आंदोलन जारी रखने की बात कही है. पार्टी के नेताओं ने कहा है कि एनसीपी ने कई बार सड़को पर विरोध प्रदर्शन के जरिए दबाव डाल कर अपनी मांगे मनवाने की संस्कृति पैदा की है. लेकिन दूसरी ओर बीएनपी की उचित मांगें भी पूरी नहीं की जा रही हैं.लेकिन एनसीपी के नेताओं ने इस आरोप का खंडन किया है.उधर, बीएनपी नेता सलाहुद्दीन अहमद का कहना है कि सरकार को अब उन कार्यों की जिम्मेदारी लेनी होगी जो दोनों छात्र प्रतिनिधि सरकार में रहते हुए कर रहे हैं.अहमद ने चुनाव समेत पार्टी की सभी मांगों को उचित और तार्किक बताते हुए कहा कि इन मांगों से बचते हुए अब तरह-तरह के बयान दिए जा रहे हैं.जमात और एनसीपी समेत विभिन्न दलों में भी इस मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श का दौर जारी है.जमात के अमीर शफीकुर्रहमान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मौजूदा संकट को हल करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का सुझाव दिया है.हालांकि राजनीतिक दल इस बार काफी सावधानी बरतते नजर आ रहे हैं. अलग-अलग नेता भले बयान दे रहे हों, किसी दल ने आधिकारिक तौर पर अब तक कोई बयान नहीं दिया है.